हिन्दी दैनिक

न्यूज गाइड

RNI No- UPHIN/2008/28258

आपका देश आपकी बात...

वर्षः 14, अंकः 43 पृष्ठ :8 www.newsguide.co.in E-mail : newsguidelko@gmail.com लखनऊ, गुरूवार 1 दिसम्बर, 2022 मूल्य 1.50

मणिपुर संगाई महोत्सव मणिपुर के लोगों की भावना और जुनून को दर्शाता है : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को वीडियो संदेश के माध्यम से मणिपुर संगई महोत्सव को संबोधित किया। राज्य के सबसे भव्य त्योहारों में शुमार मणिपुर संगई महोत्सव मणिपुर को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने में मदद करता है। इस उत्सव का नाम राजकीय पशु, संगाई के नाम पर रखा गया है, जो केवल मणिपुर में पाया जाने वाला हिरन है। मणिपुर संगाई महोत्सव को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर संगाई महोत्सव के सफल आयोजन के लिए मणिपुर के लोगों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है और बड़े पैमाने पर व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने इस उत्सव के आयोजन के लिए मणिपुर सरकार और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के प्रयासों और व्यापक दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि ये मणिपुर के लोगों की भावना और जुनून को दिखाता है। मणिपुर की प्रचुर प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और विविधता पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हर कोई कम से कम एक बार यहां जरूर आना चाहता है। मणिपुर की तुलना विभिन्न रत्नों से बनी एक सुंदर माला से करते हुए कहा कि मणिपुर बिल्कुल एक सुंदर माला की तरह है जहां राज्य में एक मिनी भारत देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपने अमृत काल में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। संगाई महोत्सव की थीम 'फेस्टिवल ऑफ वननेस' (एकता का त्योहार) पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस उत्सव का सफल आयोजन आने वाले दिनों में राष्ट्र के लिए ऊर्जा और प्रेरणा के स्रोत के रूप में कार्य करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, ÷संगाई न केवल मणिपुर का राजकीय पशु है, बल्कि भारत की आस्था और विश्वास में भी इसका विशेष स्थान है। संगाई महोत्सव भारत की जैव विविधता का भी जश्न मनाता है।÷ उन्होंने आगे कहा कि यह प्रकृति के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों का जश्न भी मनाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि त्योहार एक स्थायी जीवन शैली के प्रति अपरिहार्य सामाजिक संवेदनशीलता को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, जब हम प्रकृति, जानवरों और पौधों को अपने त्योहारों और समारोहों का हिस्सा बनाते हैं, तो सह-अस्तित्व हमारे जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा बन जाता है। प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि संगाई महोत्सव का आयोजन न केवल राज्य की राजधानी में बल्कि पूरे राज्य में किया जा रहा है, जिससे 'एकता के त्योहार' की भावना का विस्तार हो रहा है। मोदी ने बताया कि नागालैंड सीमा से म्यांमार सीमा तक लगभग 14 स्थानों पर त्योहार के अलग-अलग मूड और रंग देखे जा सकते हैं। उन्होंने सराहनीय पहल की सराहना करते हुए कहा, ÷जब हम इस तरह के आयोजनों को ज्यादा से ज्यादा लोगों से जोड़ते हैं, तभी इसकी पूरी क्षमता सामने आती है। संबोधन का समापन करते हुए प्रधानमंत्री ने देश में त्योहारों और मेलों की सदियों पुरानी परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके जरिए न केवल हमारी संस्कृति समृद्ध होती है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी ताकत मिलती है। उन्होंने कहा कि संगाई महोत्सव जैसे आयोजन निवेशकों और उद्योगों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में यह पर्व राज्य में उल्लास और विकास का सशक्त माध्यम बनेगा।

पीओके वापस लेना संसद का संकल्प : राजनाथ सिंह

एजेंसी

अहमदाबाद। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अहमदाबाद में पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) वापस लेने की बात को दोहराया। उन्होंने कहा कि पीओके को वापस लेना संसद का संकल्प है। पीओके के खराब हालात का जिक्र कर केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि वहां के लोग पाकिस्तान के खिलाफ हैं। गुजरात चुनाव के संबंध में उन्होंने कहा कि भाजपा रिकॉर्ड मतों के साथ जीत हासिल करेगी। केन्द्रीय मंत्री राजनाथ ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी सभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना रावण से करने पर कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपशब्दों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी के संबंध में अपशब्दों का प्रयोग करना स्वस्थ राजनीति के लक्षण नहीं है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि जिस प्रकार के अपशब्दों का प्रयोग कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री के लिए किया है वह उनकी मानसिकता ही नहीं, बल्कि पूरी कांग्रेस की मानसिकता का परिणाम है। उन्होंने कांग्रेस की कथनी और करनी में अंतर बताते हुए कहा कि अगर कांग्रेस ने जो कहा, वह किया होता तो भारत आज दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश होता। भाजपा जो कहती है वह करती है, इसीलिए देश की जनता भाजपा पर भरोसा करती है। केन्द्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि गुजरात में भाजपा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर अडिग है। भाजपा के अस्तित्व में आने के बाद से ही समान नागरिक संहिता, कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना हमारा एजेंडा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले गुजरात में आए दिन दंगे होते थे। आतंकी गतिविधियां हुईं। इन आतंकी गतिविधियों को पालने का काम कांग्रेस कर रही थी। आज आतंकवादी या उनके नेता गुजरात या देश की ओर आंख उठाने की भी हिम्मत नहीं करते। भाजपा ने ध्रुवीकरण की राजनीति न कभी की है और न करेगी।

मथुरा : मीना मस्जिद विवाद मामले की हुई सुनवाई, अगली सुनवाई 12 जनवरी को

एजेंसी

मथुरा। जिले की सिविल जज सीनियर डिविजन की कोर्ट में अखिल भारत हिंदू महासभा की याचिका पर मीना मस्जिद विवाद मामले में बुधवार को दोपहर बाद सुनवाई हुई। अधिवक्ताओं ने कोर्ट में दलीलें पेश कीं। प्रतिवादी इंतजामियां कमेटी के अधिवक्ता ने प्रकरण को लेकर प्रतिलिपि मांगी है, कुछ देर बहस होने के बाद मामले की अगली सुनवाई 12 जनवरी को तय कर दी गई। गौरतलब हो कि मीना मस्जिद हटाने को लेकर अखिल भारत हिंदू महासभा संगठन ने सिविल जज सीनियर डिविजन की कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा गया था कि मंदिर परिसर के पूर्व दिशा में बनी मीना मस्जिद का कुछ लोग विस्तार कर रहे हैं, निर्माण कार्य को रोकने और सरकारी अमीन की रिपोर्ट मंगाने को लेकर न्यायालय में बुधवार सुनवाई हुई। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया कि मीना मस्जिद विवाद को लेकर न्यायालय में बुधवार को सुनवाई हुई थी। कुछ देर बहस होने के बाद प्रतिवादी इंतजामियां कमेटी के अधिवक्ता ने दस्तावेज मांगे हैं।

रावण विवाद के बीच रेणुका चौधरी ने याद दिलाया सूर्पणखा विवाद, पूछा तब क्यों नहीं उठा मुद्दा

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार अपने पूरे चरम पर है। कोई भी पार्टी एक दूसरे को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रहीं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के रावण वाले बयान पर भाजपा लगातार कांग्रेस को घेर रही है, तो वहीं अब पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद रेणुका चौधरी खरगे के बचाव में उतर आई हैं। रेणुका चौधरी ने कहा कि जब पीएम मोदी ने संसद में मेरी तुलना सुर्पणखा से की थी, उस वक्त मुद्दे को क्यों नहीं उठाया गया। गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात की एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना रावण से कर दी थी। इसको लेकर भाजपा कांग्रेस पर हमलावर है। वहीं अब रेणुका चौधरी ने एक ट्वीट कर कहा है कि प्रधानमंत्री ने संसद में मेरी तुलना सूर्पणखा से की थी।

लाइगर मनी लॉन्ड्रिंग जांच, विजय देवरकोंडा ईडी के सामने हुए पेश

एजेंसी

हैदराबाद। लोकप्रिय टॉलीवुड अभिनेता विजय देवरकोंडा, बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने हैदराबाद में अपनी हालिया फिल्म लाइगर के लिए धन की सोर्सिंग से संबंधित जांच के सिलसिले में पेश हुए। केंद्रीय एजेंसी फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा) के कथित उल्लंघन की जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, विजय देवराकोंडा से फिल्म के लिए धन के स्रोतों, उनके पारिश्रमिक और अमेरिकी मुक्केबाज माइक टायसन सहित अन्य अभिनेताओं को किए गए भुगतान के बारे में पूछताछ की जा रही है। इससे पहले ईडी के अधिकारियों ने 17 नवंबर को फिल्म निर्देशक पुरी जगन्नाध और अभिनेत्री से निर्माता बनी चार्मी कौर से भी पूछताछ की थी। यह पूछताछ इस साल अगस्त में रिलीज हुई हिंदी-तेलुगु फिल्म श्लाइगरश् में निवेश के स्रोत के बारे में की गई। इस फिल्म को लगभग 125 करोड़ रुपये के बजट के साथ बनाया गया था। विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म की मेगा शूटिंग लास वेगस में हुई थी। इस फिल्म में माइक टायसन ने कैमियो भी किया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई और फ्लॉप रही।कांग्रेस नेता बक्का जुडसन द्वारा फिल्म में संदिग्ध तरीकों से निवेश किए जाने की शिकायत दर्ज कराने के बाद ईडी ने जांच शुरू की। बक्का जुडसन ने शिकायत की थी कि राजनेताओं ने भी लाइगर में पैसा लगाया था। उन्होंने दावा किया कि निवेशकों को अपने काले धन को सफेद करने का यह सबसे आसान तरीका लगा। बताया जाता है कि, ईडी के अधिकारियों ने निर्देशक और निर्माता से इस आरोप के बारे में पूछताछ की कि विदेशों से कथित रूप से फेमा का उल्लंघन कर फिल्म बनाने में करोड़ों रुपये का निवेश किया गया। जांच एजेंसी को शक है कि कई कंपनियों ने फिल्म निर्माताओं के खातों में पैसे ट्रांसफर किए थे। उन्हें उन लोगों का विवरण देने के लिए कहा गया जिन्होंने पैसे भेजे थे और माइक टायसन और तकनीकी दल सहित विदेशी अभिनेताओं को भुगतान कैसे किया गया।

सरकार ने चार हवाई अड्डा संयुक्त उद्यमों में एएआई की हिस्सेदारी की बिक्री फिलहाल टाली

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु हवाई अड्डों का परिचालन करने वाले निजी संयुक्त उद्यमों में भारतीय विमानपत् तन प्राधिकरण (एएआई) की हिस्सेदारी की प्रस्तावित बिक्री को फिलहाल टाल दिया है। सार्वजनिक स्वामित्व वाले एएआई की इन चार प्रमुख हवाई अड्डों में बाकी की हिस्सेदारी राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के तहत बेची जानी थी। इस योजना की घोषणा पिछले वर्ष अगस्त में की गई थी। एनएमपी के जरिये वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक चार साल की अवधि में केंद्र सरकार की मुख्य संपत्तियों के माध्यम से छह लाख करोड़ रुपये की कुल मौद्रीकरण क्षमता होने का अनुमान है। दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों का परिचालन करने वाले संयुक्त उपक्रमों में एएआई की 26-26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं हैदराबाद तथा बेंगलुरु हवाई अड्डों का परिचालन करने वाले संयुक्त उपक्रमों में उसकी हिस्सेदारी 13-13 प्रतिशत है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने इन चारों संयुक्त उपक्रमों में एएआई की शेष या बाकी हिस्सेदारी की बिक्री फिलहाल के लिए टालने का फैसला लिया है क्योंकि अभी इनका मूल्यांकन कम हो सकता है। एनएमपी के तहत कुल 25 हवाई अड्डों और चार हवाई अड्डों के संयुक्त उपक्रमों में एएआई की बाकी हिस्सेदारी बेचने पर विचार किया जा रहा है। इन परिसंपत्तियों की बिक्री से 2022-25 तक मिलने वाला कुल अनुमानित मूल्य 20,782 करोड़ रुपये है।

बालाघाट के जंगल में सुरक्षा बलों ने मार गिराए दो इनामी नक्सली

एजेंसी

गणेश मड़ावी राजेश

बालाघाट। बालाघाट जिले में जमसेरा के जंगल में सुरक्षा बलों ने बुधवार को मुठभेड़ में दो इनामी नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस महानिरीक्षक (नक्सल विरोधी अभियान) फरीद शापू ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश पुलिस के नक्सल विरोधी अभियान के तहत हॉक फोर्स के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को दो इनामी नक्सलियों को मारने में सफलता मिली है। इनमें डीवीसीएम (डिवीजन कमेटी मेम्बर) तथा प्रभारी, समन्वय टीम एमएमसी जोन नक्सली गणेश मड़ावी एवं एसीएम./कमांडर (भोरमदेव एरिया कमेटी-पीएल 2) नक्सली राजेश मारा गया है। साथ ही इनसे एक एके-47 तथा एक 315 राइफल बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि आगामी 02 से 08 दिसम्बर तक माओवादियों द्वारा मनाये जाने वाले पीएलजीए सप्ताह के दृष्टिगत विगत कुछ समय से बालाघाट जिले के सूपखार वन क्षेत्र (मंडला तथा कवर्धा, छग सीमावर्ती) में नक्सली गतिविधियों की लगातार आसूचना प्राप्त होने पर मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात 1.00 बजे रवाना नक्सलियों की तलाश में हॉकफोर्स की पार्टी सर्चिंग के लिए रवाना हुई। ठंड, सघन जंगल तथा दुर्गम पहाड़ों पर तलाशी तथा नक्सलियों के आने के संभावित रास्तों पर एम्बुश तथा सर्चिंग करते हुए पुलिस पार्टी प्रात÷वन विभाग के नाका के पास पहुंची।

पॉलीग्राफटेस्ट में अफताब ने कबूली हत्या की बात, बोला- अफसोस नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। आफताब अमीन पूनावाला ने अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा वाल्कर की हत्या करने और राष्ट्रीय राजधानी में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) में किए गए पॉलीग्राफ टेस्ट के दौरान उसके शरीर के अंगों को नष्ट करने की बात कबूल की। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। एफएसएल सूत्रों ने बताया कि छह सत्रों के बाद पॉलीग्राफ परीक्षण आखिरकार मंगलवार को समाप्त हो गया। उन्होंने कहा, उसने श्रद्धा की हत्या करने और उसके शरीर के अंगों को जंगल में ठिकाने लगाने की बात कबूल की है। उसने यह भी कबूल किया है कि उसके कई लड़कियों से संबंध भी थे। हाल ही में, दिल्ली पुलिस ने एक महिला से संपर्क किया, जो आफताब से तब मिली जब उसने श्रद्धा की हत्या कर दी थी। पुलिस ने श्रद्धा की अंगूठी भी बरामद की है जो आफताब ने पेशे से मनोवैज्ञानिक महिला को 12 अक्टूबर को उपहार में दी थी। आफताब महिला से मोबाइल डेटिंग एप्लिकेशन श्बंबलश् पर मिला, उसी प्लेटफॉर्म पर जहां वह पहली बार श्रद्धा से मिला था। पुलिस को दिए अपने बयान में महिला ने कहा कि वह आफताब से उसके छतरपुर स्थित आवास पर दो बार मिली थी, जिसे उसने श्रद्धा के साथ साझा किया था और रेफ्रिजरेटर में रखे पीड़िता के शरीर के अंगों के बारे में उसे कोई जानकारी नहीं थी।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में गीडा के स्थापना दिवस पर 260 करोड़ की 49 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

गोरखपुर आज विकास के नये कर्तिमान स्थापित कर रहा : मुख्यमंत्री

संवाददाता

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद गोरखपुर में गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के स्थापना दिवस पर गीडा की 260 करोड़ रुपये की 49 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। शिलान्यास की गई परियोजनाओं में फ्लैटेड फैक्ट्री एंव प्लास्टिक पार्क भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर गीडा के विभिन्न उद्यमियों की 504 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं का शिलान्यास/उद्घाटन भी किया। उन्होंने 1,200 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं के लिए निवेशकों को भूखण्ड के आवंटन पत्र वितरित किए। इसके तहत मुख्यमंत्री जी ने स्वयं 07 उद्यमियों को आवंटन पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गोरखपुर आज विकास के नये कर्तिमान स्थापित कर रहा है। कभी औद्योगिक दृष्टि से शून्य और अति पिछड़े जनपदो में गिने जाने वाले गोरखपुर सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपद आज विकास के नित नये मानक और प्रतिमान स्थापित कर रहे हैं। 1990 के दशक में गोरखपुर में पहले से संचालित उद्योग बन्द हो रहे थे। गोरखपुर का फर्टिलाइजर कारखाना 1990 में बन्द हो गया था, गीडा की स्थापना के लिए 1989 में प्रयास तो प्रारम्भ हुए, लेकिन यह सभी प्रयास विफल हो गये। आवागमन के साधन नहीं थे। वायु कनेक्टविटी गोरखपुर में नहीं थी, लेकिन आज गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश विकास की ओर अग्रसर हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर का बन्द फर्टिलाइजर कारखाना आज 105 फीसदी की दर से फिर से उत्पादन कर रहा है। हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एच0यू0आर0एल0) के नाम से गोरखपुर खाद कारखाना फिर से विकास की एक नई कहानी कह रहा है। पिपराइच में बन्द हो चुकी चीनी मिल के स्थान पर आज वहां पर नई चीनी मिल स्थापित हो चुकी है। कनेक्टिविटी के लिए गोरखपुर बहुत बेहतर हो गया है। गोरखपुर की एयर कनेक्टिविटी के लिये आज 14 फ्लाइट गोरखपुर से देश के सभी महानगरों को जोड़ती हैं।

गोरखपुर औद्योगिक विकास की दृष्टि से आगे बढ़ सके, इसके लिये पूर्वान्चल एक्सप्रेस-वे को गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के माध्यम से जोड़ने का कार्य पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। यह बहुत शीघ्र बनकर तैयार हो जाएगा। गोरखपुर में औद्योगिक विकास का एक नया क्षेत्र गीडा से लेकर धुरियापार तक हम सबको दिखाई देगा, जहां पर लाखो नौजवानों को रोजगार एवं नौकरी की संभावनाओं को आगे बढ़ाने में मद्द मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सभी पर निर्भर करता है कि हम किस प्रकार का माहौल देना चाहते हैं। अगर जाति और मजहब के आधार पर हम बटे रहेंगे तो कभी विकास नही हो पायेगा, हमारे सामने हमेशा पहचान का संकट रहेगा। उन्होंने कहा कि गोरखपुर के विकास के लिये जब किसी प्रकार की आवश्यकता महसूस हुई तो गोरखपुर का एक-एक नागरिक मेरे साथ विकास की उस आवश्यकता का हिस्सा बना। उसी का यह परिणाम है कि आज यहां के नागरिकों के समर्थन और सहयोग से गोरखपुर विकास के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गोरखपुर एजुकेशन का एक हब बन रहा है। गीडा में कई इंजीनियरिंग कॉलेज काम कर रहे हैं। चार-चार विश्वविद्यालय वर्तमान में गोरखपुर में उच्च शिक्षा और शोध के केन्द्र बने हुए हैं। साथ ही, गोरखपुर हेल्थ का भी एक हब बन रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कोतवाली पुलिस की नाक के नीचे कार चोरी का धंधा चरम पर

कोतवाली पुलिस के साथ दिल्ली पुलिस ने अभय सिंह को दबोचा

लखीमपुर खीरी, (यूएनएस)। कोतवाली सदर क्षेत्र में कानून व्यवस्था चौपट, कोतवाली पुलिस की नाक के नीचे कार चोरी के फलफूल रहे धंधे को दिल्ली पुलिस ने उजागर करके नगर पुलिस की पोल खोल दी है। बताते हैं नगर के बीचो बीच शाहपुरा कोठी में अभय सिंह नामक ब्यापारी दिल्ली से गाडियां लाकर बेचता था।और अच्छी से अच्छी गाड़ी में बैठ कर नगर में अपना जलवा बिखेरता था। बीती रात दिल्ली पुलिस ने कोतवाली पहुंच कर अभय सिंह के बारे में पूछताछ की और कोतवाली पुलिस को साथ में ले जाकर उसके घर में दबिस दी। जहां से बताते हैं फार्च्यूनर, क्रियेटा, इनोवा जैसी गाड़ियों की जानकारी ली और पूंछताछ के लिए अभय सिंह को अपने साथ ले गयी। जब इस संबंध में पुलिस के आलाधिकारियों एवं कोतवाली पुलिस से जानकारी चाही तो पुलिस ने पूरे प्रकरण की जानकारी होने से मना किया। स्मरण रहे कोतवाली सदर से संबद्ध पुलिस चौकी राजा पुर से सटे नकली खाद्य बनाने की फैक्ट्री जिसमें करोड़ों रूपयों की नकली खाद भरी हुई थी। संबंधित विभाग एवं पुलिस पूरे प्रकरण को दबाने में लग गयी है। लगभग दो सप्ताह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी पुलिस एवं संबंधित कृषि विभाग ने कोई ठोस कार्यवाही नहीं की है। जिससे किसानों में कश् मकश् की स्थिति बनी हुई है।

निपुण एसेसमेंट की परीक्षा अब 5 दिसंबर को तीसरी बार बदली गई परीक्षा तिथि

कानपुर देहात, (यूएनएस)। कानपुर मंडल के परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कंपोजिट व कस्तूरबा गांधी कन्या आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का निपुण असिस्मेंट टेस्ट (एनएटी) अब 05 दिसंबर 2022 को होगा। वैसे यह परीक्षा आज होनी थी किंतु बेसिक शिक्षा विभाग इस परीक्षा को करवाए जाने के लिए पूर्णतयरू तैयार नहीं हो पाया है इस परीक्षा की तिथि में लगातार तीन बार परिवर्तन किया जा चुका है। अधिकारियों का कहना है कि पहली बार प्रदेश में सरल ऐप के माध्यम से परिषदीय स्कूलों में परीक्षाएं करवाई जा रही हैं। ऐप के इस्तेमाल और ओएमआर शीट की स्कैनिंग में अध्यापकों को दिक्कत न आए इसके लिए विभाग ने तय किया है कि शिक्षकों को परीक्षा से संबंधित प्रशिक्षण देने के बाद परीक्षाएं करवाई जायें। इसको लेकर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी रिद्धी पाण्डेय ने बताया कि कक्षा एक से तीसरी तक के विद्यार्थियों का आंकलन निपुण लक्ष्य के आधार पर होगा और कक्षा चौथी से आठवीं तक के विद्यार्थियों का आंकलन लर्निंग आउटकम के आधार पर होगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा के आदेशानुसार कक्षा एक से तीन तक के विद्यार्थियों की परीक्षा सुबह 9.30 बजे से 11.30 बजे तक और कक्षा चौथी से आठवीं तक के विद्यार्थियों की परीक्षा दोपहर 12.30 से 2.00 बजे तक कराई जाएगी। परीक्षा की तिथि में उच्च स्तर से परिवर्तन किया गया है।

गौशाला में घोर अव्यवस्था देख सीवीओ ने लगाई फटकार

सिकंदरा कानपुर देहात, (यूएनएस)। तहसील क्षेत्र के विकास खंड राजपुर के अंतर्गत रसधान में बने गौ आश्रय केंद्र में पिछले दिनों लगातार पांच गायों की भूख प्यास से तड़पकर मौत हो गई।जिसके बाद भी जिम्मेदारों द्वारा लापरवाही बरसते हुए आश्रय केंद्र के संचालन की खाना पूर्ति की जा रही है। जहां पर संरक्षित 26 गायों को बिना हरे चारे व चोकर के सिर्फ भूसे व पुअल पर जिंदा रखने की कोशिश की जा रही है। कुपोषण के चलते फिर से दो गाय मौत की कगार पर पहुंच गई हैं।गौ आश्रय केंद्र का निरीक्षण करने पहुंचे मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ देवकीनंदन लवानिया का गायों के सामने सिर्फ सूखा भूसा मिलने व गायों को ठंड से बचाने हेतु उत्तम व्यवस्था ना होने के साथ ही आश्रय केंद्र में लगे गोबर के ढेर को अभी तक ना हटाने पर पारा गरम हो गया। सीवीओ द्वारा गौशाला में बनी चरही में पानी ना होने तथा चोकर आदि का स्टाक ना होने पर बरती जा रही लगातार घोर लापरवाही को लेकर संबंधित के खिलाफ जिलाधिकारी से लिखित शिकायत करने की बात भी कही गई। वही मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा बीमार पड़ी दोनों गायों की चिकित्सा कराने के साथ ही गायों को गुड़ आदि खिलाया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित सचिव विवेक विद्यार्थी,ग्राम प्रधान राजेंद्र उर्फ राजू बजाज, पशुधन प्रसार अधिकारी उमेश चंद्र त्रिपाठी, पशुधन प्रसार अधिकारी सरवन सिंह, फर्मासिस्ट आरपी माथुर व जीतू कुमार आदि मौजूद रहे।

राज्यस्तरीय विज्ञान गणित व पर्यावरण प्रदर्शनी में सौम्या व अंतरा रहीं विजेता

पुखरायां कानपुर देहात, (यूएनएस)। कस्बा स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में 50वीं जवाहरलाल नेहरू राज्यस्तरीय विज्ञान,गणित और पर्यावरण की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमे जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्रों ने प्रतिभाग किया। उक्त प्रदर्शनी का अवलोकन करने उपस्थित हुई भोगनीपुर की उपजिलाधिकारी नीलिमा यादव ने प्रतिभागियों को विषयो से संबंधित टिप्स दे कर उनकी हौसलाअफजाई की। एसडीएम द्वारा प्रश्न पूंछने पर बच्चों ने अपने प्रदर्शित माडल के बारे में उचित जानकारी व उत्तर दिए। निर्णायक मंडल द्वारा दिये गए निर्णय के अनुसार जूनियर वर्ग में जीजीआईसी पुखरायां की सौम्या प्रथम और सीनियर वर्ग में भी जीजीआईसी पुखरायां की अंतरा शुक्ला ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रदर्शनी में उत्कृष्ट मॉडल के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। जूनियर वर्ग में पुखरायां से कक्षा 9 की सौम्या प्रथम, गलुआपुर से कक्षा 10 की पारुल पाण्डेय ने द्वितीय और मलासा से कक्षा 9 के शिवा सिह ने तृतीय स्थान हासिल किया। वही पर सीनियर वर्ग में पुखरायां से कक्षा 12 की अंतरा शुक्ला प्रथम,पुखरायां से कक्षा 11 की रिचा दीक्षित द्वितीय, अकबरपुर से कक्षा 11 के अंश तृतीय और शाहजहांपुर से कक्षा 12 के अनुज कुमार ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। निर्णायक मंडल में आलोक शुक्ला और अनिल श्रीवास्तव द्वारा परिणाम घोषित होने के बाद विज्ञान के मॉडल में प्रतिभाग करने वाले छात्र और छात्रों को प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। इस मौके पर राजकीय बालिका इंटर कालेज की समस्त अध्यापिकाओं एवं अन्य कर्मियों ने आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

साझीदार द्वारा अवैध व्यापार में लिप्त होने की वाहन स्वामी ने पुलिस से की शिकायत

कानपुर देहात, (यूएनएस)। सटटी थाना क्षेत्र के सटटी गांव निवासी मोहम्मद अहमद पुत्र रईस अहमद ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देते हुए बताया कि वो ट्रक वाहन यूपी 77 ए टी 2157 का स्वामी है। प्रार्थी का पार्टनर इमरान खा उर्फ लल्लू निवासी नई बस्ती राजपुर अपनी मनमानी ढंग से अवैध तरीके से गोकशी व गांजे का व्यापार करता है। वही लल्लू की क्षेत्र में गांजा तस्कर और गोकशी की चर्चा भी है।कुछ दिन पहले वाहन में गोवंश लदा पकड़ा गया था। मना करने पर भी नहीं मानता है। थाना में कई बार शिकायत करने के बावजूद भी उपरोक्त व्यक्ति गाली गलौज मारपीट जान से मारने की आए दिन धमकी देता है। प्रार्थी अपने वाहन की किस्तें समय पर अदा करता है। वही शाहजहांपुर कस्बा में लल्लू ने हिसाब के लिए बुलाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने ट्रक को पकड़कर सट्टी थाने में खड़ा किया पर अब ट्रक वहाँ नहीं है और ना ही कोई जानकारी मिल रही है। इस संबंध में भोगनीपुर क्षेत्राधिकारी तनु उपाध्याय ने बताया किजांच करके कार्रवाई की जाएगी।

गोशाला में मृत हुए चार गोवंश, सोशल मीडिया पर फोटो हुई वायरल

उरई/जालौन, (यूएनएस)। सुढ़ार स्थित गोशाला में चार मवेशियों के शवों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो ग्रामीणों ने रोष जताकर गोशाला में अव्यवस्थाएं होने की बात कही। हालांकि न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। प्रधान ने गोवंशों के शवों को दफ्न करा दिया। बुधवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें सुढ़ार स्थित गोशाला में चार गोवंश मृत पड़े दिखाई दे रहे थे। इसकी जानकारी होने पर ग्रामीण सीताराम कुशवाहा, दशरथ कुशवाहा, जीतू पांचाल, हरीमोहन पांचाल, राजू पटेल, लल्लू रजक, गुड्डन, जितेंद्र आदि ने आरोप लगाते हुए बताया कि गोशाला में सर्दी से बचाव के इंतजाम व चारा पानी की व्यवस्था ठीक नहीं है।जिसके चलते गोवंशो की मौत हो रही है।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से समस्त मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

लखनऊ, (यूएनएस)। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से समस्त मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कृषि, नियोजन, पशुधन, स्वास्थ्य, खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यों की समीक्षा की। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को धान खरीद केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थायें मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की धान तौलाई में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं होनी चाहिए। किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए डिजिटल सिस्टम का प्रयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी जनपद में कहीं भी गोवंश छुट्टा न घूमें। छुट्टा जानवरों से किसानों की फसल बचाने के लिये हर जनपद में तेजी से अभियान चलाकर छुट्टा गोवंश को पकड़कर गो-आश्रय स्थल में लाया जाये, जहां उनकी समुचित देखभाल की जाए। इसके अलावा जिन जनपदों में डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट की स्थापना नहीं हुई है वहां यूनिट की स्थापना शीघ्र करायी जाये। गोशालाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए प्रयास किये जायें। उन्होंने कहा कि विजन-2047 कानपुर की तर्ज पर हर एक जनपद को कैसे विकसित करना है, इस पर सभी वर्गों के साथ मंथन की जरुरत है। आज का दौर टेक्नोलॉजी का है, इस कार्य में टेक्नोलॉजी का भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डेंगू के केसेज में कमी आई है, लेकिन निरंतर सावधानी बरतने की जरूरत है। चिन्हित किए गए हाई रिस्क क्षेत्रों में नगर विकास और पंचायती राज विभागों के सहयोग से सघन फॉगिंग एवं लारवीसाईडल स्प्रे कराया जाए। प्रदेश में दिमागी बुखार में विगत वर्ष की तुलना में रोगियों की संख्या तथा मृत्यु दर में कमी आई है, लेकिन बस्ती, सिद्धार्थनगर, बहराइच और गोंडा जनपदों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। इससे पूर्व, नगर आयुक्त मथुरा ने बताया कि नगर निगम मथुरा-वृंदावन में विभिन्न माध्यम जैसे आईजीआरएस, नगर निगम टोल फ्री नंबर, सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से मिलने वाली शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए उपाय एप तैयार किया गया है। उपाय एप पर अपलोड होने वाली शिकायतों को श्रेणी वार 24 घंटे, 48 घंटे और अधिकतम 72 घंटे में निस्तारण किया जा रहा है। इसके अलावा जिलाधिकारी अयोध्या ने '100 दिन 100 उद्योग' विषय पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। मंडलायुक्त देवीपाटन मंडल ने बताया कि जिले में प्लास्टिक संग्रह अभियान चलाकर 75 क्विंटल प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक को एकत्र कर रीसाइक्लिंग के लिये भेजा गया है। साथ ही 5178 किलोग्राम से अधिक प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक बैग जब्त किए गए और 6.04 लाख रुपये जुर्माने के रूप में एकत्र किए गए। अवैध रूप से प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैलियों का भंडारण करने वाले बड़े गोदाम मालिकों को भी नियमानुसार दंडित किया गया। बैठक में अपर मुख्य सचिव कृषि डा0 देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव पशुपालन डा0 रजनीश दुबे, प्रमुख सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री पार्थसारथी सेन शर्मा, सचिव नियोजन आलोक कुमार सहित संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त मंडलायुक्त, जिलाधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने समस्त विशेष सचिवों के साथ की बैठक

लखनऊ, (यूएनएस)। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने योजना भवन में उत्तर प्रदेश सचिवालय में तैनात समस्त विशेष सचिवों के साथ बैठक की। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने विशेष सचिवों को प्रेरित करते हुए कहा कि जिस विभाग में तैनात हैं, उस विभाग में कुछ नया करने का लक्ष्य निर्धारित करें। विभाग को और बेहतर बनाने का प्रयास करें। अन्य राज्यों के बारे में अध्ययन कर उत्तर प्रदेश में क्या नया कर सकते हैं, इसपर विचार-विमर्श करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह नया उत्तर प्रदेश है। मुख्यमंत्री जी उत्तर प्रदेश को और बेहतर बनाने के लिए निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। इसमें सभी की भागीदारी महत्वपूर्ण हैं। आप सभी लोगों को सुपर एक्टिव होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शासकीय कार्यों में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से डिजिटलीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुये मानव संपदा पोर्टल शुरु किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी विशेष सचिवों को भी मानव संपदा पोर्टल की ट्रेनिंग दिलायी जाये। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बेहतर माहौल है। सभी अधिकारी पूर्ण मनोयोग एवं ईमानदारी से कार्य करें। अपने कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई भी हो सकती है। बैठक में अपर मुख्य सचिव सचिवालय प्रशासन श्री हेमन्त राव, अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक डॉ0 देवेश चतुर्वेदी समेत अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम व एसपी ने दिए निर्देश

कानपुर देहात, (यूएनएस)। जिलाधिकारी नेहा जैन,पुलिस अधीक्षक सुनीति व सीडीओ सौम्या पाण्डे की उपस्थिति में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में पूर्व में लिये गये निर्णयों के अनुपालन की प्रगति की समीक्षा कर जिलाधिकारी ने कहा कि अनुतोषण अधिनियम के तहत व्यक्तियों को लाभ प्राथमिकता पर दिए जाये। इससे प्रथक उन्होंनें ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित किये जाने के निर्देश दिए, जो दुर्घटना के दौरान घायल हो जाने वाले व्यक्तियों को अस्पताल तक ले जाने अथवा अन्य मदद करते हैं व उसकी जान बचाने में मदद की है। उनके द्वारा किए गए सहयोग के तहत शासन द्वारा उपलब्ध दिए जा रहे लाभ से लाभान्वित किया जाये। ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर उचित कार्रवाई व समाप्त किये जाए। एआरटीओ द्वारा बताया गया कि जनपद में 553 स्कूली वाहनों की जांच की गई है, जिसमें 125 वाहन में फिटनेस ना पाए जाने पर उनको नोटिस जारी की गई है एवं सख्त हिदायत दी गई है की वाहनों की फिटनेस कर ही वाहनों को चलाया जाए। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों पर अतिक्रमण को हटाया जाए एवं सर्दी के चलते वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर टेप अवश्य लगाएं, बैठक में यातायात नियमों के पालन की स्थिति तथा इस बिन्दु पर पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा कृत कार्यवाही पर विचार विमर्श किया गया। स्कूलों में संचालित वाहनों के फिटनेस परमिट एंव उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्देश मानकों के सम्बन्ध में यथोचित दिशा निर्देश दिए गए, उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबन्धक के साथ बैठक की जाए जिसमें स्कूल में आने वाले पार्किग की व्यवस्था, स्कूल प्रारम्भ होने एंव छूटने के समय सारणी का इस प्रकार निर्धारण की विभिन्न स्कूलों के प्रारम्भ होने एंव छूटने में अन्तराल रहे। स्कूलों में यातायात नियमों के प्रशिक्षण की सूचना, सीट बेल्ट एंव हेलमेट के सम्बन्ध में कृत कार्यवाही, सड़क दुर्घटना होने की स्थिति में तुरन्त चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता पर विचार विमर्श, हिट एण्ड रन दुर्घटना के मामले में सोलेशियम स्कीम 1989 के अन्तर्गत सहायक प्रदान की जाने की समीक्षा, ब्लैक स्पॉट के चिन्हांकन एवं सुधारात्मक कार्यवाही पर विचार, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की वाहनों कि स्थिति व उनके चालको की सम्बन्ध में समीक्षा, अतिक्रमण पर कृत कार्यवाही करने के साथ ही रिफ्लेक्टर व टेप लगाए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए, सड़क सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता उत्पन्न कराना जिसमें यातायत सुगम व सुरक्षित हो, शिक्षा संस्थानों द्वारा विद्यार्थियों के परिवहन हेतु वसूल किये जाने वाले अनुरक्षण व्यय को निर्धारित किये जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में एडीएम प्रशासन केशवनाथ गुप्त, अपर पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ए के सिंह, एआरटीओ मंनोज वर्मा,सोमलता यादव व अभिषेक कनौजिया,समस्त एसडीएम व अधिशासी अधिकारी गण, सीओ गण, प्रभारी डीआईओएस सत्यनारायण कटियार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी ने अभियोजन कार्यों से जुड़े मामलों की समीक्षा कर दिए निर्देश

लंबित विवेचनाओ के दृष्टिगत संयुक्त निदेशक अभियोजन को कारण बताओ नोटिस

कानपुर देहात, (यूएनएस)। जिलाधिकारी नेहा जैन की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों से जुड़े मामलों की विकास भवन सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी जिला अभियोजन पदाधिकारी, सहायक अभियोजन पदाधिकारी, लोक अभियोजक और अपर लोक अभियोजक को स्पीडी ट्रायल से संबंधित मामलों के निष्पादन में प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि पास्को व अन्य संगीन धाराओ के अंतर्गत किसी भी स्थिति में वेल की अपील ना की जाए व बेल स्वीकृत न की जाए। बैठक में लंबित विवेचना में लापरवाही करने पर संयुक्त निदेशक अभियोजन को कारण बताओ नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया गया। इससे पहले उन्होंने स्पीडी ट्रायल से संबंधित मामलों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। साथ ही एक्साइज एक्ट, पॉक्सो एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, एससी-एसटी एक्ट, हत्या, डकैती, बलात्कार, शस्त्र अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण एवं गंभीर मामलों को चिह्नित करते हुए उसके निष्पादन के लिए कार्रवाई के निर्देश दिये।पुलिस अधीक्षक सुनीति ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों के निष्पादन के लिए सभी संबंधित पक्षों में समन्वय का होना आवश्यक है। इसलिए जरूरी है कि सभी पक्ष आवश्यक कागजात या प्रतिवेदन की प्राप्ति के लिए ससमय संपर्क करें। इसी क्रम में उन्होंने सभी जिला अभियोजन अधिकारी, लोक अभियोजक एवं अपर लोक अभियोजकों को अगली बैठक में ऐसी सूची लाने का निर्देश दिया जो संबंधित पुलिस थाना के प्रयास का अभाव या तकनीकी कारणों के कारण लंबित है।बैठक में अपर पुलिसअधीक्षक घनश्याम चौरसिया, अपर जिलाधिकारी प्रशासन केशव नाथ गुप्ता आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, हालत गंभीर

पुखरायां कानपुर देहात, (यूएनएस)। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के हांसेमऊ गांव के एक युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया हालत बिगड़ने पर सीएचसी लाया गया जहां पर उपचार के बाद जिला अस्पताल रिफर किया गया।भोगनीपुर क्षेत्र के हांसेमऊ गांव के दिनेश कुमार ने बताया कि,उसके भाई उमेश (25) ने किसी बात से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया हालत बिगड़ने पर परिजनों के द्वारा सीएचसी लाया गया। जहां पर डॉ राजवीर के द्वारा उपचार किया गया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रिफर किया गया ।

विद्युत कर्मी अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे, मांग पूरी न होने तक कार्य बहिष्कार पर रहेंगे

इटावा, (यूएनएस)। जिले में विद्युत कर्मचारी अनिश्चितकालीन धरना शुरू हुआ। 15 सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर बैठे गए हैं। 10 दिन पूर्व ज्ञापन देकर चेतावनी दी थी। वहीं आज शाम मशाल जुलूस निकालकर विरोध दर्ज भी करवाएंगे। गौरतलब है कि विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वाधान में बिजली विभाग के अधिकारी व कर्मचारी अपनी मांगों तथा समस्याओं को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। एसडीओ शेलेंद्र कुमार दुबे का है कि उनकी नाराजगी इसलिए है, क्योंकि प्रबंधन मनमाना रवैया बनाए हुए है।चेयरमैन एम देवराज को हटाकर दूसरा चेयरमैन लाया जाए। इसी के साथ हम लगातार पूर्णता कार्य बहिष्कार पर है। जब मांगे पूरी नहीं होगी तब तक हड़ताल जारी रहेगी। साथ 15 सूत्रीय प्रमुख मांगों में से यह भी है कि हमारे कर्मचारियों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा कानून बनाया जाए। सन 2000 के बाद भर्ती हुए सभी कर्मचारियों को एनपीएस के तहत पेंशन बहाली की व्यवस्था की जाए। धरने में शामिल प्रमुख रूप से जितेंद्र सिंह गुर्जर, जय प्रकाश, गिरीश पांडेय, महेंद्र राय, सुहैल आबिद, एसडीओ विवेक सिंह, आनंदपाल, गगन अग्निहोत्री, विपिन श्रीवास्तव, शैलेश अग्रवाल आदि शामिल रहे।

खेल के मैदान में खुद ही भिड़ते नजर आए शिक्षक

बस्ती , (यूएनएस)। जिले में मण्डलीय बेसिक खेल प्रतियोगिता अव्यवस्था और विवादों की भेंट चढ गई है। शहीद सत्यवान सिंह जिला क्रीडांगन में प्रतियोगिता में उद्घोषक प्रतियोगिता शुरू कराने के लिए एलाउंस करते रहे, लेकिन खेल के लिए टीमे मैदान में उतरने की जगह अपने स्थ्थान पर जमी रही। टीचर आपस में एक दूसरे से उलझते रहे। 29 नवंबर से एक दिसंबर तक मंडलीय बेसिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जहां प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिए खो-खो, लंबी कूद, कबड्डी सहित अन्य खेल में बच्चे हिस्सा ले रहे हैं। लेकिन हैरानी तब हुई जब बच्चों की जगह खुद ही शिक्षक आपस में भिड़ते नजर आए। बुधवार दोपहर एक बजे स्टेडियम ग्राउंड के भीतर दाखिल होने पर यहां काफी अव्यवस्था देखने को मिली, बच्चे खेल में प्रतिभाग करने के बजाए इधर-उधर बैठे हुए थे, ग्राउंड से कुछ ही दूरी पर लगाए गए पंडाल में गहमागहमी दिख रही थी। करीब जाने पर देखा गया कि शिक्षक एक दूसरे पर मानक विहीन प्रतियोगिता कराए जाने का आरोप लगा रहे थे, यहां गहमागहमी काफी देर तक चली। जैसे-तैसे पुनः प्रतियोगिता शुरू कराई गई। शिक्षक एक दूसरे पर आरोप लगा रहे थे कि प्रतियोगिता मानक के अनुरूप नहीं हो रहा है, उधर एनाउंसर माइक से खेल शुरू कराने का आग्रह कर रहीं थी। परिसर में मौजूद हर कोई शिक्षकों के इर बर्ताव से हतप्रभ था। बच्चे भी अपने शिक्षकों के इस व्यवहार को हैरत भरी नजरों से देख रहे थे। कतिपय शिक्षकों का कहना है कि शिक्षक क्षेत्रीय मोह नहीं छोड पाते, अपने स्कूल को बेहतर साबित करने के लिए वे हर तरह के दांव आजमाते हैं, इसलिए आपस में उनकी नोंक झोक होती है। इससे बच्चों की खेल प्रतिभा भी प्रभावित होती है, शिक्षकों की इस तरह की हरकतों रोक लगनी चाहिए। मामले में बीएसए डॉ. इन्द्रजीत प्रजापति से बात की गई तो उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले के अधिकारी, कर्मचारी को निर्णायक मण्डल में रखा गया है, इसलिए मानकविहीन खेल कराए जाने का सवाल ही नहीं उठता। हर गेम का मानक राज्य स्तर से तय होता है, जिसकी जानकारी सभी शिक्षकों को है।

आक्रोशित वकीलों ने पेशकार पर लगाया भ्रष्टाचारी का आरोप

इटावा, (यूएनएस)। मंगलवार को तहसील के आक्रोशित वकीलों ने डीएम के संबोधन में इंचार्ज तहसीलदार अविनाश चौधरी को ज्ञापन सौंपते हुए एसडीएम के भ्रष्ट पेशकार को न्यायालय से हटाने के साथ एसडीएम न्यायालय में मुकदमे दर्ज कराने की मांग उठाई।वकीलों ने समस्या का समाधान न होने पर जिलाधिकारी अवनीश राय के घेराव की चेतावनी दी। वकील उमाशंकर तिवारी ने आरोप लगाते हुए बताया कि समूचे जनपद में चकरनगर के एसडीएम पेशकार के द्वारा सबसे ज्यादा भ्रष्टाचारी की जा रही है।उन्होंने कहा इसके उपरांत एसडीएम न्यायालय कोर्ट में 2021 तक के मुकदमे दर्ज नहीं है,इसके बाद भी नोटिस जारी कर दिया जाता है,जो बिल्कुल ही गैरकानूनी है। उनका इस समस्या को लेकर काश्तकार और वकील दोनों ही परेशान है। इसी क्रम में वकील मुकेश यादव ने बताया कि पेशकार के द्वारा भ्रष्टाचारी की सारी हदें पार कर दी गई है,साथ ही वकील व जमानत कराने वालों के साथ अभद्रता भी की जाती है। उन्होंने एसडीएम पर भी पेशकार का समर्थन करने का आरोप लगाया है। इस दौरान एकत्रित करीब दो दर्जन से अधिक वकीलों ने पेशकार को एसडीएम न्यायालय से हटाने के साथ न्यायालय में लंबित मुकदमे दर्ज करने की मांग की है।

सभी वकीलों ने एक सुर में कहा यदि ऐसा नहीं होता है तो वह अबकी बार जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय का घेराव करेंगे,उन्होंने कहा यदि फिर भी कोई सुधार नहीं हुआ,तो यह बात बार काउंसिल में रखी जाएगी। इस दौरान गिरीश चंद्र शर्मा,देवेन्द्र नारायण अवश्थी, राजवीर चौहान, नागेंद्र पाल,के के गुप्ता, कुंअर सिंह तोमर, प्रवल यादव, भीमराव दोहरे, शेख सहजाद वारिस आदि वकील मौके पर मौजूद रहे।

दिल्ली एमसीडी चुनाव ड्यूटी हेतु 160 होमगार्ड्स हुए रवाना

कानपुर देहात, (यूएनएस)। होमगार्ड मुख्यालय उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा निर्गत पत्र के अनुपालन में दिल्ली एमसीडी निर्वाचन 2022 के अवसर पर दिनांक 29 नवंबर से 6 दिसंबर तक 8 दिवसीय ड्यूटी हेतु 160 होमगार्ड्स द्वारा अंतरराज्जीय संचरण के अंतर्गत दिल्ली राज्य में होने वालेएमसीडी निर्वाचन 2022 को सकुशलसंपन्न कराने हेतु डिवीजनल कमांडेंट होमगार्ड कानपुर नगर संजय कुमार सिंह द्वारा अपने पर्यवेक्षण में होमगार्ड के संचरण से पूर्व होमगार्ड तथा कंटिजेंट सहायक व कंटिजेंट इंचार्ज को ब्रीफिंग करते हुए उन्हें साफ-सुथरी वर्दी एवं अच्छे टर्नआउट में पूर्ण लगन एवं मनोबल के साथ ड्यूटी संपन्न करने के निर्देश दिए गए।

स्कूल प्रबंधक के पुत्र ने लगाई फांसी

इटावा, (यूएनएस)। जिले में सिविल लाइन थाना क्षेत्र के कचौरा रोड स्थित स्कूल के प्रबंधक के पुत्र ने आत्महत्या कर ली है। मृतक का चयन हाल ही में एमबीबीएस में हुआ था। मेडिकल के पढ़ाई के लिए जल्द ही मुज्जफरनगर जाने वाला था। आत्महत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। बताते चलें मंगलवार सुबह विद्यालय के संचालक के पुत्र गोलू राजपूत ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इटावा सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत सराय दयानंद में आरडी पब्लिक स्कूल के संचालक कैलाश बाबू के दूसरे नंबर के पुत्र ने अज्ञात कारणों के चलते स्कूल के अंदर ही बने आवास में गले में रस्सी का फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी तब हुई जब विशाल का छोटा भाई सौम्य स्कूल के पीछे बने हुए रास्ते से बाहर निकल कर जा रहा था, तभी उसने देखा कि एक कमरे के अंदर भाई द्वारा पंखे में फांसी का फंदा डालकर आत्महत्या कर ली है। घटना के संबंध में बड़े भाई प्रभात ने बताया कि हम दोनों भाई बिजनेस किया करते थे, अचानक छोटे भाई द्वारा इस प्रकार का कदम क्यों उठाया है, यह उन्हें जानकारी नहीं है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश में मवेशियों को लंपी वायरस रोधी टीके की 1.58 करोड़ खुराक दी गई

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में दो महीने से भी कम समय में मवेशियों को लंपी वायरस रोधी टीके की 1.58 करोड़ खुराक दी गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक सरकारी बयान के मुताबिक, समय रहते राज्य में गोवंश की महामारी पर काबू पा लिया गया, जबकि देश के विभिन्न हिस्सों में मवेशी इससे संक्रमित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि वायरस को गंभीरता से लेते हुए टीकाकरण की प्रभावी निगरानी के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अगस्त के पहले सप्ताह में 'टीम-9' का गठन किया, जिससे आज राज्य लगभग पूरी तरह से गोवंश के वायरस से मुक्त हो गया है। टीम के वरिष्ठ नोडल अधिकारियों ने राज्य के बरेली, मुरादाबाद, मेरठ, सहारनपुर, आगरा एवं अलीगढ़ मंडलों का दौरा किया और टीकाकरण अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। अभियान को सार्थक बनाने के लिए 'हाईब्रिड मॉडल' में ऑनलाइन एवं ऑफ्लाइन प्रशिक्षण कराया गया। राज्य सरकार को उसके अभियान में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों के छात्रों और निजी टीकाकरण कर्मियों का भी सक्रिय सहयोग मिला। सबसे पहले राज्य के पश्चिमांचल के 25 प्रभावित जिलों में 28 अगस्त से टीकाकरण की प्रक्रिया शुरू की गई। इसके बाद वायरस का प्रसार पश्चिमांचल से मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश में न हो इसके लिए पीलीभीत से इटावा तक 10 किलोमीटर चौड़ी एवं 320 किलोमीटर लंबी पट्टी (टीकाकरण बेल्ट) बनाने का निर्णय लिया गया। बेल्ट वैक्सीनेशन में आने वाले सभी गोवंश का टीकाकरण किया गया। इसके बाद दोबारा इटावा से औरैया तक 155 किलोमीटर लंबी पट्टी (बेल्ट वैक्सीनेशन-2) बनाने का निर्णय लिया गया। टीकाकरण के लिए शुरू में दो लाख टीका प्रतिदिन का लक्ष्य रखा गया, जिसे बढ़ाकर तीन लाख से चार लाख कर दिया गया। राज्य में दो महीने से भी कम समय में हुए 1.58 करोड़ टीकाकरण के लिए 2000 टीम बनाई गई थी। चिकित्सकों की टीम द्वारा 26 जिलों में 89 समर्पित गौ चिकित्सा स्थल बनाये गये। वहीं वायरस को रोकने के लिए सभी गो आश्रय स्थलों एवं गौशालाओं में संरक्षित गोवंश का बड़े पैमाने पर टीकाकरण करते हुए अंतरजिला और अंतरराज्यीय सीमाओं पर गोवंश के टीकाकरण को प्राथमिकता दी गयी। सबसे पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों एवं उसके बाद मध्य, बुंदेलखंड एवं अंत में पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में अभियान चलाया गया।

कूड़े में मिली नवजात बच्ची की लाश

अलीगढ़, (यूएनएस)। बुधवार को कूड़े में नवजात का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। महिला अस्पताल के पीछे कूड़े में शव पड़ा हुआ था। जब आसपास के लोगों ने शव देाा तो यह पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। लोगों ने कूड़े में शव होने की जानकारी तत्काल पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस और चाइल्डलाइन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया है, जिससे कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा सके। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जिला महिला अस्पताल के पीछे कूड़े में मिला शव बच्ची का है। लोगों ने इस शव को सुबह कूड़े में पड़ा हुआ देखा था। जिसके बाद यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि रात में ही कोई शव को कूड़े में फेंककर गया है। क्योंकि सुबह जब आसपास की दुकानें खुली तो लोगों ने इसे देख लिया। कूड़े में शव पड़ा होने की जानकारी जब लोगों को हुई तो यहां बड़ी संख्या में आसपास के लोग और दुकानदार जमा हो गए। आमजनों से जानकारी मिलने के लगभग आधे घंटे बाद पुलिस यहां पहुंची और लोगों को वहां से हटाया। जिसके बाद से ही यह मामला सारे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है। वहीं आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगालने शुरू कर दिए हैं। जिससे कि शव को कूड़े में फेंकने वाले का पता लगाया जा सके। अस्पताल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं। सीओ सेकंड शिव प्रताप ने बताया कि नवजात का शव मिला है। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं, जल्दी ही पुलिस शव फेंकने वाले का पता लगा लेगी। जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तीन सौ ट्रांसफार्मरों से एक करोड़ का तेल चोरी

बांदा, (यूएनएस)। जिले में इस साल चोरों ने नलकूपों पर लगे तीन सौ ट्रांसफार्मरों से करीब एक करोड़ का तेल चुरा लिया है। इस कारण ट्रांसफार्मर फुंक गए और नलकूप ठप हैं। किसान फसलों की सिंचाई के लिए परेशान रहे। बिजली विभाग को क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर बदलकर नए रखवाने पड़े। जिले में ट्रांसफार्मरों में तेल चोरी की सबसे अधिक घटनाएं चिल्ला, पैलानी, तिंदवारी, जसपुरा थाना क्षेत्रों में हुई हैं। चोरों ने राजकीय व प्राइवेट नलकूपों को निशाना बनाया। राजकीय नलकूपों में भारी क्षमता के मोटर पंप लगने से इनमें कम से कम 65 केवी के ट्रांसफार्मर लगाए जाते हैं। अभियंताओं के मुताबिक एक ट्रांसफार्मर में 150 लीटर तेल आता है, जबकि प्राइवेट नलकूपों के छोटे ट्रांसफार्मर में 80 लीटर तेल भरा जाता है। जिले में खराब ट्रांसफार्मर बदलने का काम बिजली विभाग की मेंटेनेंस यूनिट करती है। अवर अभियंता रविकांत ने बताया कि इस वर्ष जिले में करीब 300 ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी हुआ है। कई ट्रांसफार्मर तेल निकालने के बाद नलकूप चलाने से फुंककर कबाड़ हो गए। विभाग की माने तो चालू वित्तीय वर्ष में ट्रांसफार्मरों से 45 हजार लीटर तेल चोरी हुआ है। इसकी कीमत करीब 50 लाख रुपये है। इसके अलावा दूसरा ट्रांसफार्मर पहुंचाने और क्षतिग्रस्त एक ट्रांसफार्मर वापस लाने में ठेकेदार को प्रति पांच हजार रुपये का भुगतान करना पड़ा। इसके अलावा ट्रांसफार्मरों की मरम्मत और दोबारा तेल डालने में 60 लाख खर्च होंगे।

दबंगों ने सफाई कर्मी को पीटा, घायल अवस्था में पुलिस ने कराया भर्ती

उरई/जालौन, (यूएनएस)। जालौन में पुरानी रंजिश में दबंगों ने सफाई कर्मी को मारपीट पर लहूलुहान कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से भाग गए। इसकी जानकारी घायल सफाई कर्मी ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही उरई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। जहां सफाई कर्मी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथ ही घायल की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला उरई कोतवाली क्षेत्र के नगरपालिका के सामने का है। जहां नगर पालिका उरई में सफाई कर्मी के पड़ा पर तैनात रजनीकांत (32) सफाई ड्यूटी पर रोज की तरह मंगलवार रात को तैनात था। इस दौरान जब वह नगर पालिका गेट के सामने अपना कार्य कर रहा था। उसी दौरान आधा दर्जन से अधिक लोग हाथों में लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे। उससे विवाद करते हुए लोगों ने सफाई कर्मी के साथ लाठी-डंडों से हमला कर मारपीट शुरू कर दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। लहूलुहान हालत में पड़े सफाई कर्मी ने तत्काल इसकी सूचना उरई कोतवाली की राजेन्द्रनगर चौकी के प्रभारी जितेंद्र सिंह को दी। जो पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल सफाई कर्मी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां घायल का इलाज किया जा रहा है। घायल सफाई कर्मी ने बताया कि हमला करने वालों में वह कुछ लोगों को जानता है। जिसका कुछ समय पहले उससे विवाद हुआ था।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 11 छात्रों का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ, (यूएनएस)। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में दो कंपनियों में 11 छात्रों का प्लेसमेंट हुआद्य इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि विनोव सॉफ्टवेयर कम्पनी में बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के दो छात्रों रितेश कुमार और सारा एफेंडी का चयन एसोसिएट सॉफ्टवेयर डेवलपर और एमबीए की छात्रा अदिति मेहरोत्रा का चयन एसोसिएट एक्जीक्यूटिव ट्रेनी के पद पर अधिकतम (5.4) लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर एवं आईपीएच टेक्नोलॉजीस कम्पनी में एमसीए के आठ छात्रों दिव्यांश बरनवाल, ऋतिक शर्मा, कृतिका, निशांक, पवन कुमार सिंह, प्रशांत मिश्रा, सात्विक कुमार, वत्सल गुप्ता का चयन सॉफ्टवेयर इंजीनियर ट्रेनी के पद पर अधिकतम (2.7) लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ।

अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित श्मशान घाट पर बनवाई गौशाला

पीड़ितों ने प्रधान पर लगाया आरोप, बोले- सीएम को सुनाएंगे आपबीती

बांदा, (यूएनएस)। जिले में अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के लिए आरक्षित श्मशान घाट की भूमि पर ग्राम प्रधान द्वारा गौशाला का निर्माण कराया जा रहा है। जिससे अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को अंतिम संस्कार के लिए कोई जमीन नहीं रह गई है। इसी बात से नाराज पीड़ितों ने मंगलवार को चिंगारी संगठन के बैनर तले कमिश्नर चित्रकूट मंडल से मुलाकात की। चेतावनी देते हुए कहा कि 20 दिसंबर तक अगर हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो, 21 दिसंबर को हम सभी लोग लखनऊ के लिए पैदल मार्च करेंगे और मुख्यमंत्री को अपनी व्यथा सुनाएंगे। तहसील नरैनी के अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरहरी के निवासी ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत पिपरहरी में गाटा संख्या 409, 410 व 414 श्रेणी 6-3 अनुसूचित जाति मरघट के लिए आरक्षित भूमि है। इसी भूमि में कई पीढ़ियों से अनुसूचित जाति के मृतकों की अंत्येष्टि की जाती है। जिसमें अंतिम संस्कार किए गए हमारे पूर्वजों की चिताएं हैं। लेकिन, इस गांव की प्रधान चंदा देवी व प्रधान पति चंद्रपाल ने हमारे पूर्वजों की चिताओं को खुदवा कर वहां गौशाला का निर्माण शुरू करा दिया है। जब हमने ऐसा करने से ग्राम प्रधान व उनके पति को रोका तो उन्होंने कहा कि अगर नेतागिरी करोगे तो सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाकर जेल भिजवा दिया जाएगा। तब बाध्य होकर हम सब ने 15 सितंबर 2022 को चित्रकूट मंडल के आयुक्त को ज्ञापन देकर मरघट के लिए आरक्षित भूमि पर ग्राम प्रधान द्वारा अवैध तरीके से बनाए जा रहे गौशाला निर्माण को रोकने का अनुरोध किया था। इस पर कमिश्नर ने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया था कि उक्त भूमि मरघट के लिए आरक्षित है। अगर उसमें कोई निर्माण हो रहा है तो उसे रोक दिया जाए। कमिश्नर के इस आदेश पर भी कार्य नहीं रोका दिया गया। इसके बाद गांव के भरत लाल, रामदास, रविंद्र, मदन व विजय बहादुर आदि ने एसडीएम नरैनी से मिलकर पूर्वजों की चिताओं में बनाए जा रहे गौशाला को रुकवाने की मांग की। लेकिन, उन्होंने भी प्रधान का पक्ष लिया। साथ ही ग्रामीणों को ऑफिस से धक्के देकर बाहर निकलवा दिया।ग्रामीणों का कहना है कि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित मरघट पर प्रधान व एसडीएम की सांठगांठ से गौशाला का निर्माण कराया जा रहा है। इस पर कार्रवाई की जाए। अन्यथा हम सब उग्र आंदोलन करने के लिए कमर कसकर तैयार हैं। ग्रामीणों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर 20 दिसंबर तक हमारी समस्या का निस्तारण नहीं किया गया तो 21दिसंबर को हम सब लखनऊ के लिए पैदल मार्च शुरू करेंगे। ज्ञापन देने वालों में गांव के राममिलन, माया, शारदा, बुद्ध विलास, मुन्ना, रामदास, अजय, लल्लू, दिनेश, भरत लाल, रामस्वरूप, रामाश्रय, विमला देवी, राममिलन संतोष व नवल किशोर आदि शामिल रहे।

यूपी में 8.8 डिग्री पहुंचा पारा, बढ़ी ठंड,स्मॉग की चपेट में राजधानी

लखनऊ, (यूएनएस)। दिल्ली एनसीआर के बाद राजधानी लखनऊ में भी स्माग का असर शुरू हो गया है। एक तरफ उत्तर प्रदेश में ठंड बढ़ी और सुबह कोहरा होने से गाड़ियों के आवागमन तक में दिक्कत आ रही है। कोहरा बढ़ने की वजह से रात में उड़ने वाली उड़ानों के समय में परिवर्तन भी किया गया है। 8.8 डिग्री सेल्सियस के साथ मुजफ्फरनगर प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा। तो वहीं दूसरी तरफ बुधवार सुबह से ही वातावरण में स्माग दिखायी देने लगा। दोपहर बाद कुछ देर के लिए धूप जरूर निकली लेकिन स्माग के चलते धूप तेज नहीं हो पायी। स्माग के कारण एक्यूआई में भी बढ़ोतरी हो गयी है। लखनऊ का एक्यूआई 265 तक पहुंच गया है। इंडस्ट्रियल एरिया तालकटोरा क्षेत्र का एक्यूआई 365 प्वाइंट के साथ अत्यंत खराब स्तर पर है। लालबाग का भी एक्यूआई 337 पर पहुंच गया है। ऐसा ही हाल बुधवार की सुबह से भी देखने को मिल रहा है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों का सरकारी विभाग सख्ती से अनुपालन कराने में नाकाम साबित हो रहे हैं। 24 नवम्बर से राजधानी के एयर क्वालिटी इंडेक्स में बढ़ोतरी हो रही है। हवा में पीएम 10 और पीएम 2.5 की मात्रा बढ़ने पर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की छापामार टीमों को सक्रिय कर दिया है। कई निर्देशों के बाद भी वायु प्रदूषण के मानकों का पालन न करने पर बोर्ड प्रशासन ने दो दर्जन से अधिक निर्माण एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए भारी जुर्माना किया है। बोर्ड के मुख्य पर्यावरण अधिकारी डॉ. रामकरन ने बताया कि क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी द्वारा किये गये निरीक्षण में बिल्डरों द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्य में वायु प्रदूषण के मानकों का उल्लंघन पाया गया है। बोर्ड की टीम द्वारा पूर्व किये गये निरीक्षण में बिल्डरों को चेतावनी देते हुए निर्देश दिया गया था कि खुदाई करने समय पानी की छिड़कावॉ निर्माण सामग्री को ग्रीन कवर से ढककर रखने सहित अन्य नियमों का पालन किया जाए। नर्देश के बावजूद धूल को उड़ने से रोकने के लिए कोई उपाय नहीं किये गये। निजी बिल्डरों के साथ ही बोर्ड ने सेतु निगमॉ जल निगम तथा कुकरैल फ्लाई ओवर का निर्माण करने वाली एजेंसियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की है।

अमानीगंज पहुंचा नशामुक्ति का अमृत कलश

कॉलेज के बच्चों एवं शिक्षकों ने आजीवन नशामुक्त रहने का लिया संकल्प

लखनऊ, (यूएनएस)। नशामुक्त समाज आंदोलन-अभियान कौशल का के तहत नशामुक्ति का अमृत कलश लखनऊ के सीमावर्ती कस्बा अमानीगंज में पहुंच गया। बीकेटी ब्लॉक प्रभारी नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान ने यहां जीडीएमएस इंटर कॉलेज, अरम्बा रोड के 850 बच्चों एवं शिक्षकों को आजीवन नशामुक्त रहने का संकल्प कराया। नशामुक्त सेनानी नागेन्द्र ने बच्चों से कहा कि अगर वे अपनी दोस्ती को जीवन पर्यंत नशामुक्त रखेंगे तो उन्हें कोई ताकत नशेड़ी नहीं बना सकेगी। क्योंकि, हमारी मित्र मंडली में ही नशे का रावण रहता है। हर किसी को उसका कोई दोस्त ही नशे की पहली खुराक देता है। इसलिये सभी लोग गुटखा-खैनी की पहली चुटकी से, बीड़ी-सिगरेट की पहली फूंक से और बीयर-शराब की पहली घूंट से सदैव दूर रहना। चौहान ने बच्चों से कहा कि वे अपने परिवार, अपने विद्यालय, अपने पड़ोस को नशामुक्त बनाने की दिशा में कुछ न कुछ जरूर करें।

नशामुक्त समाज आंदोलन-अभियान कौशल का के जिला लखनऊ के प्रभारी अनिल कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में नशामुक्त सेनानी नागेन्द्र सिंह चौहान पिछले तीन महीने से नशामुक्ति का अमृत कलश लेकर जगह-जगह पहुंच रहे हैं। वह अब तक हजारों बच्चों से सीधा संवाद कर चुके हैं। जीडीएमएस इंटर कॉलेज की इस संकल्प सभा में जिला प्रभारी अनिल कुमार अग्रवाल के सहयोगी अभिषेक अवस्थी व प्रधानाचार्य सौरभ सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे।

भौतिकी विभाग की प्रोफेसर पूनम टंडन को पुनः अधिष्ठाता छात्र कल्याण का दायित्व मिला

लखनऊ, (यूएनएस)। लखनऊ विश्वविद्यालय के विजन और मिशन की परिकल्पना के अनुसार सुव्यवस्थित छात्र कल्याण केन्द्रित कार्यक्रम की परिकल्पना को और आगे बढाने व सुदृढ करने के उद्देश्य से प्रोफेसर पूनम टंडन को पुनः तीन वर्षो के लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण बनाया गया है। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय द्वारा छात्र कल्याण की दिशा मे चुनौतियों से निपटने के लिए, प्रभावी व सकारात्मक निर्णयों को लागू करने मे प्रो. पूनम टंडन ने पिछले तीन वर्षो के कार्यकाल में अहम भूमिका निभाई है। इनमे छात्र केंद्रित विभिन्न योजनाओं जैसे कर्मयोगी, कर्मोदय, छात्र कल्याण, शोध मेधा, और अर्पण-एडाप्ट एक ब्रेन इत्यादि योजनाएँ जो छात्र हित मे छात्रवृत्ति, वित्तीय सहायता एवं अन्य अवसर प्रदान करती हैं। ओपीडी योजना, ट्री योजना, मेधावी छात्र परिषद, हैप्पी थिंकिंग लैब, परामर्श और मार्गदर्शन सेल, कॉफी विद वीसी योजनाऐं छात्रों के भविष्य निर्माण मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं। इसके साथ ही परिसर मे सुविधाओं के विकास जैसे हीमोग्लोबिन और स्वास्थ्य जांच शिविर, सभी लड़कियों के छात्रावासों और अन्य महिला शौचालयों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और भस्मक, दोनों परिसरों में समर्पित सफाईकर्मियों के साथ लड़कियों के शौचालय, सभी 17 छात्रावासों में ओपन जिम, इलेक्ट्रिक रिक्शा और दिव्यांगजन कैंटीन इत्यादि छात्रकल्याण केन्द्रित कार्यक्रमों के संचालन मे प्रोफेसर पूनम टंडन का विशेष योगदान रहा है । प्रोफेसर पूनम टंडन ने दायित्व मिलने पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय का आभार जताते हुए कहा कि कुलपति का विजन लखनऊ विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय ही नही अपितु अंतर्राष्ट्रीय पटल पर एक पहचान दिलाना है। इस दिशा मे उनकी प्राथमिकता छात्र छात्राओ के लिए एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक मजबूत छात्र कल्याण कार्यक्रम विकसित करने पर रहेगी। उन्होने बताया कि विश्वविद्यालय के दोनो परिसरों में लगभग बीस हजार से अधिक छात्रों के कल्याण के लिए सभी के साथ मिलकर छात्र हित मे बेहतर माहौल बनाने के लिए हर संभव प्रयास जारी रहेगा।

राजधानी में अग्निवीर भर्ती शुरू

यूपी और उत्तराखंड के अभ्यर्थी हो रहे शामिल, पहले दिन 299 कैंडिडेट्स पहुंचे

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की लड़कियों लिए लखनऊ में अग्निवीर महिला सैन्य पुलिस रैली के पहले दिन बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने भाग लिया। 945 रजिस्ट्रेशन के सापेक्ष पहले दिन 299 कैंडिडेट्स के लिए पहुंचे थे। एडीजी रिक्रूटमेंट (यूपी और उत्तराखंड) मेजर जनरल मनोज तिवारी ने झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। अग्निवीर योजना की घोषणा के बाद सेना भर्ती मुख्यालय क्षेत्र, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की तरफ से यह पहली महिला सैन्य पुलिस भर्ती रैली है। रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी शांतनु सिंह ने बताया कि एरिया वाइज अभ्यर्थियों को ट्रायल्स के लिए बुलाया गया हैं। बुधवार सुबह तड़के ही भर्ती प्रक्रिया का आगाज हुआ हैं। पहले दिन 299 अभ्यर्थियों ने भाग लिया हैं। अग्निवीर महिला सेना भर्ती के लिए इस बार पंजीकरण की रिकॉर्ड संख्या देखी गई। चयन के बाद सेलेक्टेड उम्मीदवारों को देशभर में सक्रिय ड्यूटी पर तैनात किए जाने से पहले कोर ऑफ मिलिट्री पुलिस सेंटर, बेंगलुरु में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अधिवक्ता परिवार के साथ पहुंचा डीएम-एसपी के पास

पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप, कहा-आरोपियों को बचाने में जुटी पुलिस

उरई/जालौन, (यूएनएस)। जालौन के कोंच में 24 नवंबर को जमीन के विवाद को लेकर अधिवक्ता व उसके परिजनों के साथ दबंगों ने घर में घुसकर मारपीट की थी, इस मामले में पीड़ित ने मारपीट करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था, मगर मामले में कठोर कार्रवाई न किए जाने से नाराज अधिवक्ता अपने परिजनों के साथ जालौन की जिलाधिकारी चांदनी सिंह और पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के पास पहुंचे, जिन्होंने डीएम एसपी को प्रार्थना पत्र देते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है, जिससे आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके। बता दें कि कोंच कोतवाली क्षेत्र के पटेल नगर के रहने वाले अधिवक्ता असित कुमार कुशवाहा पुत्र लालाराम कुशवाहा और उनके परिजनों के साथ रजनीकांत पटेल ने जमीन के विवाद में अपने साथियों के साथ मिलकर घर में घुसकर 24 नवंबर को मारपीट करते हुए गाड़ियों की तोड़फोड़ तथा लूटपाट की थी, इस मामले में अधिवक्ता द्वारा कोतवाली में शिकायत भी की थी, मगर पुलिस ने इस मामले में मुकदमा नहीं लिखा था, जिसके बाद अधिवक्ताओं ने हंगामा करते हुए पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की थी, जिसका संज्ञान लेते हुए सीओ ने घटना में घायल 4 लोगों का चिकित्सीय परीक्षण कराया था। साथ ही अगले दिन धारा 395, 308 आईपीसी की धारा में मुकदमा पंजीकृत करते हुए नामजद आरोपी रजनीकांत पटेल को गिरफ्तार किया था। इसी मामले में घटना में घायल अधिवक्ता असित कुशवाहा ने जालौन की जिलाधिकारी चांदनी सिंह और पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के कार्यालय पहुंचकर प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें बताया कि पुलिस द्वारा अभियोग की निष्पक्ष विवेचना नहीं की जा रही है। घटना में घायल 8 लोगों में से सिर्फ पुलिस ने 4 लोगों का ही मेडिकल परीक्षण कराया था। साथ ही कोंच कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बलिराज शाही द्वारा अभियोग की धाराओं का अल्पीकरण कर विवेचना धारा 147, 149, 452, 323, 504, 427, 308 भारतीय दंड विधि के अंतर्गत संपादित की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक थाना कोंच अभियुक्तों को बिना किसी कानूनी कार्रवाई के गिरफ्तार किए बगैर मुचलके पर रिहा करने के प्रयास में हैं। पुलिस द्वारा अभियुक्तों को लाभ पहुंचाने की मंशा से सदोष मानव वध का प्रयास व दिनदहाड़े डकैती की घटनाओं को 7 वर्ष से कम कारावास से दंडित होने वाले अपराध में बदल दिया है, पुलिस द्वारा घटना में अभियुक्तों के द्वारा लूटे गए माल की बरामदगी का प्रयास भी नहीं किया जा रहा है। साथ ही अभियुक्तों को बचाने में पुलिस पूरी तरीके से लगी हुई है, जिस कारण उनके हौसले बुलंद हैं। अभियुक्त पीड़ित और उसके परिजनों की हत्या करने का षड्यंत्र रच रहे हैं, इसीलिए इस मामले की निष्पक्ष विवेचना करवाकर अभियुक्तों के विरुद्ध घटना में लूटे गए माल को बरामद करने तथा कानूनी कार्रवाई करने के लिए सही तरीके से जांच कराई जाए, जिससे आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके।

एचएसआरपी नंबर प्लेट के इस्तेमाल से रोका जा सकता है अपराध : डीसीपी ट्रैफिक

लखनऊ, (यूएनएस)। राजधानी के 1090 चौराहे पर यातायात माह के समापन पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) के मद्देनजर जागरूकता शिविर का आयोजन गया। जिसमें अतिथि के रूप में डीसीपी (ट्रैफिक) रईस अख्तर, एडीसीपी (ट्रैफिक) अजय कुमार व आरटीओ (अतिक्रमण) संदीप कुमार पंकज शामिल हुए। इस शिविर में एचएसआरपी मानक की नंबर प्लेट को गाड़ियों में लगाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए डीसीपी (ट्रैफिक) रईस अख्तर ने कहा कि आम जनता से ये अपील है कि सभी लोग अपनी गाड़ियों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट जरूर लगवाएं। उन्होंने कहा कि इसकी जरूरत इसलिए है क्योंकि हमारे स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम में अक्सर ये शिकायत आती है कि ये गाड़ी हमारी बैंगलोर में है, मैं लखनऊ कभी आया नहीं और यूपी में मेरा चालान हो गया, और चालान मेरे मोबाइल पर पहुंच गकियाया। इसका मतलब है कि उस नंबर प्लेट का कोई और इस्तेमाल कर रहा है। यानी उसका अपराध में प्रयोग हो रहा है। डीसीपी रईस के मुताबिक-ऐसा तमाम बार देखा गया है कि जब कोई अपराध होता है और गाड़ी का नंबर भी पता चल जाता है। तब भी अपराधी तक नहीं पहुंच पाते। क्योंकि, बहुत से लोग दूसरे गाड़ियों की नंबर प्लेट को अपराध करते वक्त अपनी गाड़ियों में करते हैं। इसलिए सबसे पहले हमें एचएसआरपी वाली नंबर प्लेट लगवाकर इसे रोकना है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल गाड़ियों के लिए ये नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य है। क्योंकि, ये देखा गया है कि अक्सर ट्रक वाले जिस राज्य में जाते हैं वहां का नंबर प्लेट लगा लेते हैं। कार्यक्रम में आरटीओ (अतिक्रमण) संदीप कुमार पंकज ने कहा कि हमारा उद्देश्य सड़क सुरक्षा को लेकर रहता है। साल 2019 से पहले की जितनी गाड़ियां हैं, उनके लिए एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाना जरूरी है। क्योंकि 1 अप्रैल, 2019 के बाद खरीदे गए सभी वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाकर ही वाहन विक्रेता गाड़ी बेचता है। उन्होंने बताया कि जो वेंडर फर्जी एचएसआरपी नंबर प्लेट बेच रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट की बुकिंग केवल ऑनलाइन की जा सकती है। किसी भी अन्य प्रकार से इसकी बुकिंग अथवा इसका लगाया जाना अमान्य है। बुकिंग के लिए वेबसाइट ही अधिकृत है। अन्य किसी स्त्रोत का चयन न करें। इसका लिंक परिवहन विभाग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आरटीओ संदीप कुमार पंकज ने बताया कि 1 जनवरी, 2023 से बिना एचएसआरपी लगी गाड़ियों का चालान किया जाएगा। शिविर के आयोजक मोहम्मद शारिक ने बताया कि वास्तविक व ईमानदार ऑनलाइन वितरक है। जिसकी बुकिंग के लिए केवल ऑनलाइन शुल्क का ही भुगतान करें। किसी नगद धनराशि का भुगतान न करें। उन्होंने बताया कि एचएसआरपी केवल प्राधिकृत ओईएम वितरक से ही लगवायें। इस कार्यक्रम में सीनियर एचएसआरपी एक्सपर्ट मोहम्मद शारिक, एचएसआरपी एक्सपर्ट सुधाकर मिश्रा एवं मोहम्मद आमिर मौजूद रहे।

अनुकंपा पर नियुक्त बाबू टाइपिंग में फेल हुए तो होंगे डिमोट

कानपुर देहात, (यूएनएस)। राज्य सरकार मृतक आश्रित कोटे पर समूह ग के पद पर नौकरी पाने वालों को टाइपिंग परीक्षा पास न करने पर अब सेवा से बाहर नहीं करेगी बल्कि समूह घ के पद पर डिमोट करेगी। कार्मिक विभाग इसके लिए मृतक आश्रित सेवा नियमावली-1974 में 13वां संशोधन करने जा रही है। मृतक आश्रित सेवा नियमावली के मुताबिक स्नातक तक डिग्री धारकों को अनुकंपा के आधार पर समूह ग के पद पर सीधे भर्ती की जाती है। ऐसे कर्मियों को टाइपिंग परीक्षा पास करना अनिवार्य होता है। इसके लिए उन्हें दो साल का मौका दिया जाता है। पहले साल में परीक्षा पास न करने पर ऐसे कर्मियों की एक वेतन वृद्धि रोक दी जाती है। दूसरे साल भी टाइपिंग परीक्षा पास न करने पर नियमावली में ऐसे कर्मियों को नौकरी से बाहर करने का प्रावधान है। नियमावली के आधार पर टाइपिंग परीक्षा पास न कर पाने वालों को बाहर करने की व्यवस्था है।

सर्वधारण को सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती दयावन्ती माँझी पत्नी श्री जियालाल माँझी नि. म.नं.-151 आतिफ विहार कालोनी थाना-चिनहट जि.-लखनऊ मेरे द्वारा दिनांक-31.10.2012 बही सं.1 जिल्द सं.-6109 पृष्ठ सं. 211 से 228 क्रमांक 13306 का मूल दस्तावेज (विक्रय अनुबन्ध पत्र) चिनहट तिराहे से लेकर बी.बी.डी. कालेज के बीच कहीं गिर गया है। किसी भी व्यक्ति विशेष को किसी दशा में प्राप्त होता है तो मो.नं. 7800449833 पर सूचित करें। महान कृपा होगी।

सम्पादकीय

वाजपेयी के प्रिय थे अली सरदार जाफरी

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर स्थित अली सरदार जाफरी की जन्मभूमि में अब उनकी याद दिलाने वाली कोई निशानी बाकी नहीं है. वह घर भी सलामत नहीं रह गया है, जिसमें वे पैदा हुए थे. विडंबना यह है कि बलरामपुर के निवासियों को यह कचोटता भी नहीं है. इसकी बात चले, तो वे उलटे जाफरी पर ही तोहमत लगाते हैं कि कस्बा छोड़ने के बाद उन्होंने ही पलटकर नहीं देखा, लेकिन कस्बे की गलियों में बड़े-बुजुर्गों से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और जाफरी की नजदीकियों की चर्चा अब भी सुनने को मिल जाती है. लोग बताते हैं कि वाजपेयी आजादी के शुरुआती दशकों से ही जाफरी के प्रशंसक थे. तब भी, जब अनेक महानुभाव जाफरी के विचारों को लेकर उन्हें खासी तीखी निगाहों से देखा करते और उनकी आलोचना करते हुए कहते थे कि उन्होंने कम्युनिस्टों के खेमे में जाकर अपने परिवार की उस प्रतिष्ठा को नष्ट कर डाला है, जो उसने धार्मिक परंपराओं के प्रति अपने समर्पण से अर्जित की थी. जाफरी ने परिवार की इस परंपरा के दबाव में अपने सृजन की शुरुआत मर्सियों से की थी, लेकिन बाद में उनका रास्ता अलग हो गया.दिल्ली के एंग्लो-एरेबिक कॉलेज से बीए और लखनऊ विश्वविद्यालय से एमए करने के बाद वे मुंबई पहुंचे, तो कम्युनिस्ट पार्टी के सक्रिय सदस्य बन गये. आजादी की लड़ाई में भाग लेने के बाद स्वतंत्र भारत में भी उन्होंने अपनी सामाजिक सक्रियताओं में कमी नहीं आने दी. समीक्षकों के अनुसार, उनका अनवरत संघर्ष उनकी शायरी में यों मुखरित हुआ है कि उनकी रोमांटिक रचनाओं में भी संघर्षशीलता की भावना रची-बसी दिखती है. बहरहाल, वाजपेयी और जाफरी की हार्दिकता में बड़ा उछाल तब आया, जब अटल ने उनकी जन्मभूमि को अपनी राजनीतिक कर्मभूमि बनाया.

उन्होंने बलरामपुर से तीन लोकसभा चुनाव लड़ा था. वे तब भारतीय जनसंघ के नेता थे, जो 'अखंड भारत' का पैरोकार था और जाफरी अपनी शायरी में बंटवारे को लानतें भेजने में बहुत हद तक भावुक थे. यही वह बात थी, जो अलग-अलग विचारधाराओं के बावजूद वाजपेयी और जाफरी को बांधती थी.बाद के दिनों में बड़े राजनेता और प्रधानमंत्री बनने के बावजूद अटल ने वैचारिक मतभेदों को नजदीकियों के रास्ते की रिसन नहीं बनने दिया, शायरी में जाफरी की वामपंथी पहचान के बावजूद. देश ने इन दोनों शख्सियतों की नजदीकी की एक मिसाल तब भी देखी, जब अटल ने पाकिस्तान से रिश्ते सुधारने के लिए फरवरी, 1999 में प्रधानमंत्री के तौर पर लेखकों, कवियों व कलाकारों के साथ बस में लाहौर यात्रा का निश्चय किया. पाकिस्तान ने उस यात्रा के बाद कारगिल युद्ध के रास्ते दुश्मनी न ठानी होती, तो आज दोनों देशों के संबंध कुछ और ही होते. वाजपेयी चाहते थे कि जाफरी भी उनके शिष्टमंडल का हिस्सा बनें. उन्हीं दिनों 'सरहद' नाम से जाफरी का आखिरी संग्रह प्रकाशित हुआ था. वाजपेयी का अरमान था कि जाफरी उनकी यात्रा में शामिल हों और अपना पैगाम सरहद के उस पार पहुंचायें. लेकिन जाफरी की शारीरिक असमर्थताएं उन पर इस कदर हावी हो चुकी थीं कि उनके लिए यह यात्रा करना संभव नहीं था.इसके बावजूद उन्होंने अटल के निमंत्रण का मान रखा था, दस आडियो कैसेटों में 'सरहद' की सारी रचनाएं उन्हें भेजीं और इसरार किया कि अमन और मुहब्बत का यह संदेश पाकिस्तान के शायरों को इस आग्रह के साथ पहुंचा दें कि वे उसे पाकिस्तानी अवाम तक पहुंचायें. उन कैसेटों में उनका खास जोर इस रचना पर थारू गुफ्तगू बंद न होध्बात से बात चलेध्सुब्ह तक शाम-ए-मुलाकात चलेध्हम पे हंसती हुई ये तारों भरी रात चलेध्हों जो अल्फाज के हाथों में हैं संग-ए-दुश्नामध्तंज छलकाये तो छलकाया करे जहर के जामध्तीखी नजरें हों तुर्श अबरू-ए-खमदार रहें,बन पड़े जैसे भी दिल सीनों में बेदार रहें,बेबसी हर्फको जंजीर-ब-पा कर न सके,कोई कातिल हो मगर कत्ल-ए-नवा कर न सके,सुब्ह तक ढल के कोई हर्फ-ए-वफा आयेगा,इश्क आयेगा ब-सद लग्जिश-ए-पा आयेगा,नजरें झुक जायेंगी दिल धड़केंगे लब कांपेंगे,खामुशी बोसा-ए-लब बन के महक जायेगीध्सिर्फ गुंचों के चटकने की सदा आयेगी,और फिर हर्फ-ओ-नवा की न जरूरत होगीध्चश्म ओ अबरू के इशारों में मोहब्बत होगी,नफरत उठ जायेगी मेहमान मुरव्वत होगी,हाथ में हाथ लिए सारा जहां साथ लिये,तोहफा-ए-दर्द लिए प्यार की सौगात लियेध्रेगजारों से अदावत के गुजर जायेंगे,खूं के दरियाओं से हम पार उतर जायेंगे...।

चीन में उठती विरोध की आवाज

> दुनिया ऐसे मोड़ पर पहुंच गई, जहां पूर्व कोरोना काल और उत्तर कोरोना काल की चर्चा होने लगी। क्योंकि बीमारी का असर केवल शरीर पर नहीं हुआ, अर्थव्यवस्था, सामाजिक व्यवहार, नीतियां, राजनैतिक फैसले सब इसकी जद में आए। दुनिया में महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पाले बैठे चीन पर कोविड-19 के प्रसार का ठीकरा कई देशों ने फोड़ा। आरोप लगे कि चीन ने इस वायरस की जानकारी वक्त रहते दुनिया को नहीं दी, इसका प्रसार होने की खबरों को दबाया गया और जब इसका विस्फोट दुनिया में हुआ तब भी चीन अपने बचाव में लगा रहा।

2020 से शुरु हुई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को बंधक बनाकर रख लिया था। दो साल तक इस महामारी का कहर दुनिया के कई देशों में बुरी तरह टूटा। लाखों-करोड़ों जिंदगियां कोरोना की वजह से बर्बाद हो गई। दुनिया ऐसे मोड़ पर पहुंच गई, जहां पूर्व कोरोना काल और उत्तर कोरोना काल की चर्चा होने लगी। क्योंकि बीमारी का असर केवल शरीर पर नहीं हुआ, अर्थव्यवस्था, सामाजिक व्यवहार, नीतियां, राजनैतिक फैसले सब इसकी जद में आए। दुनिया में महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पाले बैठे चीन पर कोविड-19 के प्रसार का ठीकरा कई देशों ने फोड़ा। आरोप लगे कि चीन ने इस वायरस की जानकारी वक्त रहते दुनिया को नहीं दी, इसका प्रसार होने की खबरों को दबाया गया और जब इसका विस्फोट दुनिया में हुआ तब भी चीन अपने बचाव में लगा रहा। गौरतलब है कि चीन में साम्यवादी सरकार है, लेकिन यह साम्यवाद कई मायनों में तानाशाही जैसा लगता है। क्योंकि इसमें जनता की भलाई और हितों के बारे में सोचने से अधिक कम्युनिस्ट पार्टी की सत्ता को बचाए रखने की कोशिश दिखाई देती है। कोरोना का मुकाबला करने के लिए चीन की सरकार ने श्डायनमिक जीरो-कोविडश् नाम के साथ लॉकडाउन की नीतियां लागू कीं। सत्ता तंत्र ने मान लिया था कि कुछ हफ्ते या महीने लोग अपने-अपने घरों में कैद रहेंगे, तो कोविड का प्रसार नहीं होगा और बीमारी खत्म हो जाएगी। चीन की इस नीति का अनुसरण बाद में कई और देशों ने किया। लोग कहने को आजाद रहे, लेकिन देश बड़ी जेलों में तब्दील हो गए। एक गंभीर बीमारी का सरलीकरण कर उसे अचूक उपाय की तरह पेश करने का नतीजा यह हुआ कि दुनिया में लोकतांत्रिक बुनियादें हिल गईं और पुलिस शासन को अघोषित मंजूरी मिल गई। कोविड के कड़े नियमों के नाम पर नागरिक स्वतंत्रता पर गहरा आघात किया गया। संपन्न, समृद्ध लोगों के लिए घर में रहने का विलासितापूर्ण विचार कठिन नहीं था, लेकिन गरीबों और मध्यमवर्गीय लोगों पर यह उपाय महामारी से भी घातक साबित हुआ। कोरोना और लॉकडाउन के अविचारित उपायों के बीच दो वर्षों का कठिन समय किसी तरह बीता और अब दुनिया फिर से पटरी पर आती दिख रही है। वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंदी के बादल मंडरा रहे हैं, लेकिन पहले जैसी घबराहट नहीं है, क्योंकि लोग अब काम पर जा रहे हैं, उद्योगधंधे, व्यापार फिर से शुरु हो गए हैं। कोरोना अब भी खत्म नहीं हुआ है, मगर उसका असर कम हुआ है। लेकिन चीन में कोरोना अब भी एक गंभीर चुनौती बना हुआ है, क्योंकि यहां संक्रमित व्यक्तियों की संख्या रोज हजारों में हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक बीते सात दिनों में चीन में 418 लोगों की कोरोना के संक्रमण के कारण मौत हुई है। दुनिया के बाकी देशों में तो वैक्सीन के लिए एक-दूसरे के शोध पर भरोसा किया जा रहा है, मगर चीन अपनी ही बनाई वैक्सीन का इस्तेमाल कर रहा है, जबकि उनके परिणाम बहुत संतोषजनक नहीं है। लेकिन चीन की सरकार इसे राष्ट्र के गौरव के साथ जोड़ रही है। उग्रराष्ट्रवाद के ऐसे उदाहरण भविष्य में ऐतिहासिक गलतियों की तरह पेश किए जाएंगे, मगर चीन की सरकार को इसकी परवाह शायद नहीं है। कोरोना से लड़ाई में सफलता न मिलने पर चीन अब भी लॉकडाउन वाली नीति पर जोर दे रहा है। पिछले महीने अक्टूबर में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक में कहा था कि, श्जीरो-कोविड पॉलिसी वायरस के खिलाफ लोगों की लड़ाई है। सरकार की जबरदस्ती को बड़ी चालाकी से लोगों की लड़ाई बता दिया गया है, हालांकि इसमें लोग ही पिस रहे हैं, अकाल मौत मर रहे हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक फास्ट ट्रेन के चालक दल का एक सदस्य संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आ गया था और इसके बाद इस ट्रेन में सारे लोगों का कोविड टेस्ट हुआ और उन्हें क्वारंटीन में रखा गया। इसी तरह पिछले सप्ताह शिनजियांग के उरूमची में एक बिल्डिंग ब्लॉक में आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, क्योंकि बिल्डिंग के सुरक्षाकर्मियों ने लॉकडाउन के नियम की वजह से लोगों को बाहर निकलने नहीं दिया। अंधेर नगरी-चौपट राजा का यह ताजा उदाहरण है। शिनजियाग प्रांत की इस घटना के बाद अब चीन के लोगों में सरकार की सख्ती के खिलाफ नाराजगी इतनी बढ़ गई है कि अब वो सरकार के खिलाफ खुलकर सड़कों पर उतर आए हैं। हालांकि चीन की सरकार ने लॉकडाउन के नियम पहले से थोड़े लचीले किए हैं। अब क्वारंटाइन का वक्त घटा दिया गया है और इसके अलावा मार्च से विदेशी यात्रियों को आने की भी इजाजत है। मगर लोग अब किसी भी तरह की सख्ती बर्दाश्त करने तैयार नहीं दिख रहे हैं। बीजिंग, शंघाई और शिनजियांग समेत कई शहरों में लोग बड़ी संख्या में सरकार के कोविड नियमों की मुखालफत के लिए उतर आए हैं। और वे खुलकर शी जिनपिंग से सत्ता छोड़ने की मांग कर रहे हैं। चीन की सरकार अपने विरोधियों का सख्ती से दमन करती है। मानवाधिकारों की परवाह किए बगैर विरोधियों को जेल में ठूंसने और कई मौकों पर गायब तक कर देने के उदाहरण दुनिया ने देखे हैं। लेकिन इन तमाम खतरों के बावजूद चीन की जनता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। नारे लगा रही है हमें लोकतंत्र, कानून का शासन और बोलने की आजादी चाहिए। अपने अधिकारों और लोकतंत्र के लिए उठती ये आवाज कम्युनिस्ट पार्टी और शी जिनपिंग के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। शी जिनपिंग का कहना है कि वे अपनी नीतियों से पीछे नहीं हटेंगे, लेकिन जनता की आवाज बड़ी-बड़ी हुकूमतों की नींव हिला देती है, इसके सबक इतिहास में दर्ज हैं।**-एजेंसी**

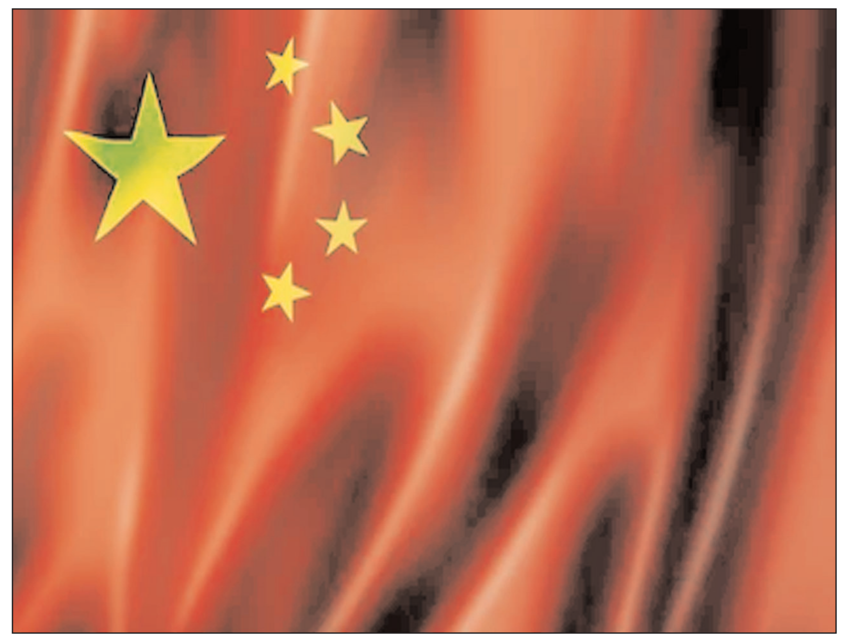

सुप्रीम कोर्ट में कब मिलेगा भारतीय भाषाओं को उनका हक

> अंग्रेजी एक तरह से विश्व संवाद की एक भाषा है और हमारे अपने देश में भी इसका हर स्तर पर उपयोग होता है। जहां जरूरी होने में हर्ज भी नहीं है। पर सुप्रीम कोर्ट में तो सिर्फ इसी का उपयोग किया जा सकता है। यह सही कैसे माना जाए ? यह तो अंग्रेजों की गुलामी को दर्शाने वाली व्यवस्था है जो तत्काल खत्म होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में कुछ समय पहले ही एक अलग ही तरह का शर्मनाक मामला देखने को मिला जहां हिंदी में दलील दे रहे एक शख्स को सुप्रीम कोर्ट के दो जजों ने टोक दिया।

सुप्रीम कोर्ट में देश की आजादी के 75 साल बीत जाने के बाद भी सिर्फ अंग्रेजी में ही जिरह करने की अनिवार्यता बताना उन तमाम भारतीय भाषाओं की अनदेखी और अपमान ही माना जाएगा, जिसमें इस देश के करोड़ों लोग आपस में संवाद करते हैं। अंग्रेजी से किसी को एतराज भी नहीं है। अंग्रेजी एक तरह से विश्व संवाद की एक भाषा है और हमारे अपने देश में भी इसका हर स्तर पर उपयोग होता है। जहां जरूरी होने में हर्ज भी नहीं है। पर सुप्रीम कोर्ट में तो सिर्फ इसी का उपयोग किया जा सकता है। यह सही कैसे माना जाए? यह तो अंग्रेजों की गुलामी को दर्शाने वाली व्यवस्था है जो तत्काल खत्म होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में कुछ समय पहले ही एक अलग ही तरह का शर्मनाक मामला देखने को मिला जहां हिंदी में दलील दे रहे एक शख्स को सुप्रीम कोर्ट के दो जजों ने टोक दिया। दरअसल, शीर्ष अदालत में याचिकाकर्ता शंकर लाल शर्मा जैसे ही अपने केस की खुद जिरह करने लगे। वे लगातार हिंदी में दलीलें दिए जा रहे थे, जिसपर जस्टिस केएम जोसेफ और हृषिकेश रॉय की पीठ ने सख्त आपत्ति जताई। दोनों जजों ने कहा कि आप क्या बोल रहे हैं? हमें समझ नहीं आ रहा है। यहां (सुप्रीम कोर्ट) की भाषा अंग्रेजी है। आप अंग्रेजी में बोलिए। यदि आप चाहें तो हम आपको एक वकील प्रदान कर सकते हैं जो आपके मामले पर बहस अंग्रेजी में करेगा। हालांकि, याचिकाकर्ता जज की बात को नहीं समझ पा रहे थे और लगातार हिंदी में ही अपनी दलीलें देते ही जा रहे थे। शर्मा ने कहा कि उनका मामला शीर्ष अदालत सहित विभिन्न अदालतों में जा चुका है, लेकिन उन्हें कहीं से भी राहत नहीं मिली है। हमें न्याय चाहिए। जरा सोचिए कि सुप्रीम कोर्ट में अंग्रेजी का वर्चस्व किस लिए और किस तरह बना हुआ है? और इसकी क्या जरूरत है? सुप्रीम कोर्ट में आज भी कोई वकील अंग्रेजी से हटकर किसी अन्य भाषा में अपनी पैरवी नहीं कर सकता। क्यों नहीं सुप्रीम कोर्ट में वकील हिंदी समेत अन्य भारतीय भाषाओं में अपनी बात रखें? देश की आजादी के इतने साल गुजर जाने के बाद भी सुप्रीम कोर्ट में अंग्रेजी का राज बरकरार है। मसला ये है कि सुप्रीम कोर्ट में भारतीय भाषाओं को सम्मानजनक स्थान कब मिलेगा? बेशक, सुप्रीम कोर्ट में हिंदी भाषा में याचिकाएं जब हम संसद तक में सभी भाषाओं में अपनी बात रख सकते हैं तो सुप्रीम कोर्ट में क्यों नहीं? पेश करने तथा जिरह की इजाजत मिलनी चाहिए। पूर्व चीफ जस्टिस टीएस ठाकुर ने अपने कार्यकाल के दौरान स्पष्ट कर दिया था कि सुप्रीम कोर्ट की भाषा अंग्रेजी ही है और इसकी जगह हिंदी को लाने के लिए वह केंद्र सरकार या संसद को कानून बनाने के लिए नहीं कह सकते क्योंकि ऐसा करना विधायिका और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल देने समान होगा। वे अपनी जगह पर शायद ठीक कह रहे होंगे। पर अगर सुप्रीम कोर्ट में भारतीय भाषाओं को भी जगह मिल जाएं तो आम आदमी भी इधर न्याय पाने के लिए आराम से पहुंचने लगेगा। अभी तो सुप्रीम कोर्ट में जाने की वही सोच सकता है, जो हर डेट पर लाखों की फीस का इंतजाम कर सके। ऐसी गरीब विरोधी प्रथा क्या संविधान निर्माताओं ने सोची भी होगी क्या ? यह समझ से परे है। देखिए जो अभ्यर्थी सिविल सर्विसेज की परीक्षा के लिए बैठते हैं, उन्हें पहले प्रिलिम्स की परीक्षा को पास करनी होती है। उसके बाद उन्हें मेन पेपर में बैठने से पहले एक अंग्रेजी और एक पेपर संविधान की आठवीं अनुसूची में दी गई 22 भाषाओं में से किसी एक का भी पास करना होता हैं। ये 22 भाषाएं हैं असमिया, बांग्ला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगू, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी। इन भाषाओं में से 14 भाषाओं को संविधान के प्रारंभ में ही शामिल कर लिया गया था। वर्ष 1967 में सिंधी भाषा को 21वें सविधान संशोधन अधिनियम द्वारा आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। वर्ष 1992 में 71वें संशोधन अधिनियम द्वारा कोंकणी, मणिपुरी और नेपाली को शामिल किया गया। वर्ष 2003 में 92वें सविधान संशोधन अधिनियम जो कि वर्ष 2004 से प्रभावी हुआ, द्वारा बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया। एक बार अभ्यर्थी जब अंग्रेजी और दूसरा पेपर 22 भारतीय भाषाओं में से किसी एक का सफलतापूर्वक पास कर लेता है तब ही वह मेन पेपर को दे सकता है। तो जब देश के चोटी के बाबू बनने के लिए उपर्युक्त भाषाओं में से एक भारतीय भाषा को जानना आवश्यक है तो फिर सुप्रीम कोर्ट जज बनने के लिए ऐसी जन उपयोगी शर्त क्यों नहीं रखी जाती। इसमें दिक्कत कहां हैं? सिर्फ अंग्रेजी में ही जिरह की इजाजत होने के चलते हम कैसे कह सकते हैं कि हमारे यहां सबको न्याय मिल रहा है? यह कहना या दावा करना सही नहीं माना जा सकता है। कि देश की जनता की भाषा में सुप्रीम कोर्ट के अंदर सुनवाई क्यों न हो या फैसले न सुनाए जाएं? आईएएस अधिकारियों को जब प्रदेशों का कैडर अलाट किया जाता है तब उन्हें उस प्रदेश की भाषा सीख कर उसमें परीक्षा पास करना आवश्यक होता है। ऐसा ही कानून विभिन्न हाई कोर्टों और सुप्रीम कोर्ट के लिए लागू क्यों न हो। ज्यादा से ज्यादा भारतीय भाषाओं को जानने वालों को ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के चुनाव में प्राथमिकता मिले।**-एजेंसी**

आलेख

महत्वपूर्ण अवसर

> इसे रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत को वैश्विक हित पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए तथा देश की विविधता को विश्व के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए. इस समूह के सदस्य देशों के वरिष्ठ कूटनीतिकों के समक्ष भारत ने अपनी प्राथमिकताओं को रखा है, जिसमें डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, जलवायु संबंधी कार्यवाही, स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति और बहुपक्षीय सुधार आदि आवश्यक विषय शामिल हैं. अंडमान एवं निकोबार द्वीप पर हुई इस बैठक में सदस्य देशों, अतिथि देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 40 राजदूत, उच्चायुक्त एवं प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया है. भारत के ओर से जी-20 अध्यक्षता के प्रभारी अमिताभ कांत ने इस अवसर पर बाली में दिये गये प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्योन्मुख होगी।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 की अध्यक्षता भारत के लिए एक अहम मौका है. इसे रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत को वैश्विक हित पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए तथा देश की विविधता को विश्व के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए. इस समूह के सदस्य देशों के वरिष्ठ कूटनीतिकों के समक्ष भारत ने अपनी प्राथमिकताओं को रखा है, जिसमें डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, जलवायु संबंधी कार्यवाही, स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति और बहुपक्षीय सुधार आदि आवश्यक विषय शामिल हैं. अंडमान एवं निकोबार द्वीप पर हुई इस बैठक में सदस्य देशों, अतिथि देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 40 राजदूत, उच्चायुक्त एवं प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया है. भारत के ओर से जी-20 अध्यक्षता के प्रभारी अमिताभ कांत ने इस अवसर पर बाली में दिये गये प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्योन्मुख होगी. आगामी एक दिसंबर से औपचारिक रूप से अध्यक्षता का एक वर्षीय कार्यकाल प्रारंभ हो रहा है.पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला जी-20 के मुख्य समन्वयक बनाये गये हैं. अगले साल के अंतिम हिस्से में जी-20 का शिखर सम्मेलन आयोजित किया जायेगा. इस एक साल में कई तरह की बैठकें होंगी, जिसमें सदस्य और अतिथि देशों के मंत्री, अधिकारी, उद्यमी, कारोबारी आदि भागीदारी करेंगे. बीते कुछ वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी ने देश के अलग-अलग शहरों में राष्ट्राध्यक्षों एवं शासनाध्यक्षों का स्वागत करने की नवीन परंपरा का प्रारंभ किया है.मंत्रिस्तरीय बैठकें तथा बहुपक्षीय आयोजन भी अब अक्सर अन्य शहरों में होने लगे हैं. इस परंपरा से आयोजन स्थलों के विकास में तो सहायता मिलती ही है, साथ ही अन्य देशों से आये प्रतिनिधि भारत की व्यापकता, समृद्ध विरासत तथा सांस्कृतिक विविधता से भी परिचित होते हैं. जी-20 के आयोजनों को भी देश के कई शहरों में करने की योजना है, जिसकी एक अच्छी शुरुआत अंडमान से हुई है. दुनिया अनेक संकटों का सामना कर रही है. महामारी से उबरने के प्रयास हो ही रहे थे कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा और खाद्य संकट जैसी मुश्किलों को ला खड़ा किया है. अनेक देश गृहयुद्ध की चपेट में हैं, तो युद्ध की आशंकाएं भी हैं. जलवायु परिवर्तन की चुनौती मानवता के अस्तित्व के लिए ही प्रश्नचिन्ह बन चुकी है. कारोबारी संबंधों पर भू-राजनीतिक तनावों का घना साया है. ऐसी स्थिति में जी-20 समाधान की राह निकालने का प्रभावशाली मंच साबित हो सकता है।**-एजेंसी**

दैनिक राशिफल

मेषः- विरोधियों प्रबलता से कार्य क्षेत्र में कठिनाईयां संभव। जो बीत गयी उसे भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें। कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी।

बृषभः- नये कायरे के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव। नैतिक-अनैतिक सोचने वाला मन भौतिक परिवेश ताल-मेल बिठाने में असमर्थ होगा। जीविका क्षेत्र में नए आयाम उत्साहित करेंगे।

मिथुनः- आसीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा, अतरू इसे सुधारें। किसी सहकर्मी खराब व्यवहार से कष्ट संभव। परिवारिक संबंधों कटुता दुश्मनी जैसा न बननें दें।

कर्क :- दूसरो की आलोचना का अपने मनोबल पर असर न पड़ने दें। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा।

सिंहः- अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। रोजगार के क्षेत्र में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे, परन्तु आवेश में लिया गया निर्णय हानिकारक हो सकता है।

कन्याः- किसी पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी। किसी बिपरीत लिंगी संबंध में आकर्षण बढ़ेगा।

तुलाः- कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों मे भावनात्मक ताल-मेल बिठाने का प्रयत्न करें।

वृश्चिकः- कार्य क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है। कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी।

धनुः- नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर और स्थान परिवर्तन के भी योग हैं। दूसरों की बात इधर से उधर करना आपका शोभा नही देता और निर्थक दूसरों की आलोचना भी ठीक नही है।

मकरः- अपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी थोड़ धैर्यपूर्वक वक्त का इन्तजार करें। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

कुंभः- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होग। सुन्दर भावनात्मक अभिब्यक्ति संबंधों मधुरता बढ़ेगी। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिन्तित होंगा। किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा।

मीनः- कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन में नई-नई युक्तियां उत्पन्न होंगी। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित ना हों। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

आज का सुविचार

:- सुविचार :-

रौशनी तक पहुंचने के लिए आपको अँधेरे से गुजरना ही पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

जेएनएमसी के प्रोफेसर मोहम्मद खालिद आईआरआईए के उपाध्यक्ष बने

अलीगढ़, (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के रेडियो-डायग्नोसिस विभाग के प्रोफेसर मोहम्मद खालिद को 'इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन' (आईआरआईए), नई दिल्ली का उपाध्यक्ष घोषित किया गया है जो देश भर में रेडियो-डायग्नोसिस और इमेजिंग के अध्ययन और अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। प्रोफेसर खालिद वर्ष 2013-2015 तथा 2015 से 2017 यूपी स्टेट चौप्टर के मानद सचिव, 2019 में सेंट्रल काउंसिल सदस्य तथा 2020-2021 में अनुशासन समिति के सदस्य भी रह चुके हैं। वह एमबीबीएस व एमडी के अलावा मेडिकल लैब टेक्नालोजी छात्रों के लिए शिक्षण कार्य कर रहे हैं। उनके 60 से अधिक शोध पत्र महत्वपूर्ण चिकित्सा जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। प्रोफेसर खालिद रेडियो-डायग्नोसिस विभाग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

दो दिसम्बर को होगा तरुण महोत्सव

सनातन धर्म सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कालेज देता है बालिकाओं को अच्छे संस्कार

लखीमपुर खीरी, (यूएनएस)। नगर का सनातन धर्म सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कालेज शिक्षा को समर्पित बालिकाओं को शिक्षा के साथ संस्कार देना सदैव उद्देश्य रहा है। विद्यालय को माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा शिक्षा गुणवत्ता एवं अनुशासन के कारण लगातार ए वर्ग का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता और प्रतिष्ठित विद्यालय है। उक्त बात सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इण्टर कालेज की प्रधानाचार्या शिप्रा बाजपेई ने पत्रकारों को एक प्रेसवार्त के दौरान बताया। उन्होने कहा छात्राओं के भीतर छुपी प्रतिभाओं को निखारने व प्रोत्साहित करने हेतु विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विद्यालय में 02 व 03 दिसम्बर को तरुण महोत्सव का दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसके माध्यम से विद्यालय की छात्राओं का मानसिक, बौद्धिक एवं रचनात्मक क्षमता का विकास करने का प्रयास भी किया जाता है। इस महोत्सव के माध्यम से छात्राओं को उनकी अभिरूचियों के आधार पर एक खुला मंच मिल जाता है। जिसमें विद्यालय की लगभग सभी छात्राएं किसी न किसी प्रतियोगिता में प्रतिभागकरती हैं। यह एक अन्तर्विद्यालयीन कार्यक्रम है जिसमें विद्यालय के अतिरिक्त नगर के विभिन्न विद्यालयों की छात्राएं भी अपनी प्रतिभा दिखाने हेतु प्रतिभाग करेंगी हैं। तरुण महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न तरह की प्रतियोगिताएं जैसे हस्तकला प्रदर्शनी, स्वरूप प्रदर्शन, जिमनास्टिक, मेंहदी, रंगोली, समूह गान, एकल गायन, चित्रकला, पोस्टर चित्रण, प्रश्नमंच, केश सज्जा, एकांकी, कलश सज्जा, भाषण, पूजनथाल सज्जा, सलाद सज्जा, प्रतिभा प्रदर्शन (1 मिनट शो), कवि सम्मेलन, ब्राइल मेकअप, नृत्य आदि आयोजित की जाएंगी। विभिन्न प्रतियोगिताओं में नगर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों को उनकी कलात्मक योग्यताध्क्षमता के आधार पर निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया है।जिसके मुख्य अतिथि श्रीमती अल्पना सिंह पत्नी महेन्द्र बहादुर सिंह, जिलाधिकारी अध्यक्ष आकांक्षा समिति एवं कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा सिंह, एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती शिखा गौतम पत्नी आलोक गौतम, ए.आर.टी.ओ., सदस्य आकांक्षा समिति के कर-कमलों द्वारा किया जायेगा।

परिषदीय शिक्षकों को काम ज्यादा, अवकाश कम, जिससे फर्जी मेडिकल अवकाश का लगाते हैं जुगाड़

कानपुर देहात, (यूएनएस)। वर्तमान समय में बेसिक शिक्षा में कई तरह के नये-पुराने तकनीकी-गैरतकनीकी शब्दों के प्रयोग का चलन इतना बढ़ा हुआ है कि शिक्षकचकरघिन्नी बने हुए हैं। इन शब्दों से परिचित होना, उन्हें समझना, आवश्यकतानुसार इनसे सम्बन्धित आदेश-निर्देशों में सामंजस्य बनाते हुए उसका समयबद्ध अनुपालन करना शिक्षकों के लिए अत्यंत ही तनावपूर्ण कार्य होता जा रहा है। शिक्षकों को दीक्षा ऐप, रीड एलांग ऐप, प्रेरणा डीबीटी ऐप, प्रेरणा ऐप, निपुण लक्ष्य ऐप, समर्थ ऐप, सरल ऐप आदि का अपने निजी मोबाइल में इंस्टाल करना, निजी खर्च से इंटरनेट पैक डलवाना, सभी का यूजर आईडी, पासवर्ड बनाना तथा याद रखना। इन ऐप्स का समुचित प्रयोग भी करना उनकी विवशता बन गया है। यह विवशता अंततः शिक्षकों के तनाव में वृद्धि कर रही है। शिक्षक खुले मन से तनावमुक्त होकर शैक्षिणक कार्य नहीं कर पा रहे हैं। विद्यालय अवकाशों में हुई कटौती भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उद्देश्य पूर्ति में बाधक बनी हुई है। सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा में गुणवत्ता सुधार हेतु बेसिक शिक्षकों को देय वार्षिक अवकाशों में पूरे वर्ष में कई दिनों की कटौती की है। यहां तक कि वार्षिक अवकाश सूची में कई महापुरुषों की जयंती को अवकाश में गिना तो है परन्तु इन जयंती तिथि को मनाने हेतु शिक्षकों को विद्यालय जाना ही पड़ता है। शिक्षकों को विशेषकर पुरुष शिक्षकों को अवकाश का टोटा पड़ा हुआ है। उन्हें 14 आकस्मिक अवकाश के अतिरिक्त कोई भी अवकाश अलग से देय नहीं है। स्थिति यह है शिक्षकों को शादी सहित विभिन्न जरूरी घरेलू तथा निजी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए येन-केन तरीके से मेडिकल अवकाश तक लेकर अपने निजी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना पड़ रहा है। कई शिक्षकों को इस तरह बगैर बीमारी मेडिकल अवकाश लेना अपराध बोध सा लगता है और उनके तनाव में वृद्धि करता है। तनाव इस बात का भी कि भविष्य में वास्तव में लम्बे मेडिकल अवकाश की स्थिति आन पड़े तो कहीं ऐसा न हो कि ये बचे अवकाश कम न पड़ जाएं। विचारणीय है कि बेसिक शिक्षकों की अवकाश कटौती शिक्षा गुणवत्ता सुधार में बाधक बनने का महत्वपूर्ण पहलू है। शिक्षाधिकारियों को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

बैंक ऑफबड़ोदा द्वारा आयोजित वृहद किसान मेले में किसानो को बांटे गये ऋण व स्वीकृति पत्र

कानपुर देहात, (यूएनएस)। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा बड़ौदा किसान पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 15.11.2022 से 29.11.2022 तक किया जा रहा है। जिसके तहत दिनांक 29.11.2022, दिन मंगलवार को बृहद किसान मेला का आयोजन बैंक के कानपुर देहात क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा बीएसआरसेटी अकबरपुर में किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उप महाप्रबंधक लखनऊ अंचल रंजीत कुमार झा द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर एलडीएम संजय कुमार चौधरी द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न कृषि योजनाओं जैसे किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन ऋण, ट्रैक्टर ऋण,मशीनरी ऋण,कृषी स्वर्ण ऋण, स्वयं सहायता समूह एवं अन्य सरकारी लाभकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी किसानों एवं ग्राहकों को दी गयी। इस पखवाड़े के दौरान बैंक के जनपदीय क्षेत्र की शाखाओं द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत एक हजार किसानों को कुल 25करोड़ के ऋण स्वीकृत का लक्ष्य है। बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत कानपुर देहात, औरैया,जालौन, झासी,कन्नौज, ललितपुर एवं उन्नाव जिले आते हैं।बड़ौदा किसान पखवाड़ा में बैंक ऑफबड़ौदा, कानपुर देहात क्षेत्र में 28ध11ध2022 तक कुल धनराशि घ20 करोड़ का ऋण कृषि सम्बन्धित कार्यों हेतु स्वीकृत किया गया। जिसके अन्तर्गत आज धनराशि 10 करोड़ के ऋण स्वीकृति पत्र व चेकों का वितरण कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को किया गया। समस्त कृषि संबंधित योजनाओं की जानकारी हेतु बैंक द्वारा जाँच किया गया के सभी मौजूदा ग्राहक लिंक पर जा कर पंजीकृत कर सकते हैं। अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से लिंक पर क्लिक करने के उपरान्त रजिस्टर पर क्लिक करें अपना मोबाइल नंबर पर प्राप्त हुये ओटीपी को दर्ज करें। इसके बाद 6 अंक का पिन बनाए। बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय प्रमुख कानपुर देहात,अनिरुद्ध कुमार महतो ने कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। अंत में आरसेटी डायरेक्टर गोपाल कृष्णा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त किसान भाइयों एवं शाखा प्रबंधकों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उक्त अवसर पर प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अधिकारी शेखर वैद्य एवं समस्त शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

खड़े ट्रक में घुसा ट्राला, हादसे में चालक और परिचालक की मौत, ट्रक लेकर चालक हो गया फरार

इटावा, (यूएनएस)। नेशनल हाईवे दो पर खड़े ट्रक में ट्रॉला घुस गया इस हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। घटना की जानकारी पर ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को निकाला हादसे में ट्रॉला चालक परिचालक की मौत हुई है। मृतको के शव को कब्जे में लेकर शव गृह में रखवाया गया। बताते चले मंगलवार सुबह एक ट्राला कानपुर की ओर से जा रहा था तभी थाना बकेवर के क्षेत्र सिक्सलेन हाइवे पर टिलिटीला गांव के पास दुकान के सामने खड़े ट्रक मे पीछे से ट्राला जा घुसा। ट्राला के चालक परिचालक की जिसमें 30 वर्षीय चालक अनिल कुमार निवासी बहरपुर थाना नौबस्ता व परिचालक 50 वर्षीय प्रेम नारायण निवासी जमरई तरनपुर थाना बिधुनू कानपुर नगर की मौके पर मौत हो गई। ट्राला कानपुर की ओर जा रहा था। हादसे के बाद ट्रक का चालक ट्रक को भगा ले गया।

बड़े धूमधाम से मनाया गया गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस

बलरामपुर, (यूएनएस)। जनपद के अग्रेंजी माध्यम विद्यालय पॉयनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कॉलेज, बलरामपुर में बड़े ही धूमधाम से गुरू तेग बहादुर शहीदी दिवस मनाया गया। वही इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्ध,निदेशक डा0 एम0पी0 तिवारी ने गुरू तेग बहादुर जी के चित्र पर पुष्प अपर्ण करते हुए गुरु तेग बहादुर नमन किया साथ ही द्वीप प्रज्जवलित किया। वही इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक, निदेशक द्वारा बच्चों को बताया कि गुरू तेग बहादुर जी का जन्म पंजाब के अमृतसर नगर में हुआ था,वे गुरू हरगोविन्द जी के पाँचवे पुत्र थे और गुरू तेग बहादुर जी सिखों के नौवें गुरू थे। वही जानकारी देते हुए बताया कि विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों,आदर्शो एवं सिद्धान्तों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वाले में गुरू तेग बहादुर साहब का स्थान अद्धितीय है और सीस दिआ पर पर सिरड न दीआ उन्होनें हिन्दुओं के वलपूर्वक मुसलमान बनाने का विरोध किया।गुरूजी का बलिदान न केवल धर्म पालन के लिए नहीं अपितु समस्त मानवीय सांस्कृतिक विरासत की खातिर बलिदान दिया था।धर्म उनके लिए सांस्कृतिक मूल्यों और जीवन विधान का नाम था।इसलिए धर्म के सत्य शाश्वत मूल्यां के लिए उनका बलि चढ़ जाना वस्तुतः सांस्कृतिक विरासत और इच्छित जीवन विधान के पक्ष में एक परम साहसिक अभियान था।हिंद दी चादर कहलाए जाने वाले नौवें गुरू तेग बहादुर जी ने धर्म और मानवता की रक्षा करते हुए हंसते-हंसते अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।उनकी शहादत हर साल शहीदी दिवस के रूप में याद की जाती है।उन्होनें आस्था,विश्वास और अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया इसलिए उन्हें सम्मान के साथ हिंद दी चादर कहा जाता है।वही इस अवसर पर विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं सांस्कृति कार्यक्रम को विद्यालय की तमाम छात्राओं आराध्या,आस्था,आशिता, नित्या,सिमर,शुभि,दिव्यांशी, नाव्या एवं श्रृष्टि आदि के द्वारा एक सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं विद्यालय भाषण प्रतियोगिता में प्राइमरी ग्रुप से श्रेयांश, तनमय, अभिषेक, आराध्या,अनय,मानिक,प्रांजल एवं विनायक ने अपना-अपना विचार प्रस्तुत किया।सीनियर ग्रुप से यशी पाण्डेय,अंशिका, फरहत,माशू आदि छात्राओं ने अपना-अपना विचार गुरू तेग बहादुर के विषय में प्रस्तुत किया ।वही इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्ध निदेशक डा0 एम0पी0 तिवारी, उप प्रधानाचार्य शिखा पाण्डेय, आशुतोष मिश्रा, अध्यापकगण राघवेन्द्र त्रिपाठी एक्टीविटी इंचार्ज, उर्वशी शुक्ला व अन्य अध्यापक, अध्यापिकाओं के साथ तमाम छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

निकाय चुनावः मतदाताओं के पास नोटा का विकल्प

नगर निगम में होगी ईवीएम से वोटिंग,यूपी में बढ़ीं 111 निकाय, 1985 वार्ड

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश की 17 नगर निगम के मतदाता इलेक्ट्रिक वोटिंग मशीन से मतदान करेंगे। उनको नोटा का विकल्प दिया गया है। लेकिनयूपी की 200 नगर पालिका और 546 नगर पंचायत में पोस्टल बैलेट पेपर से मतदान होगा। यहाँ मतदाताओं को नोटा का विकल्प नहीं दिया गया है। बरेली नगर निगम के 585 पोलिंग बूथ पर मतदान को 4520 वैलिड यूनिट, और 2100 कंट्रोल यूनिट मिल चुकी हैं। इनकी टेक्निकल समस्याओं को दूर किया जा रहा है।उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव 2022 की घोषणा 10 दिसंबर तक होने की उम्मीद है, जिसके चलते आरक्षण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उपचुनाव के मतदान से पहले आरक्षण फाइनल कर चुनाव के मतदान की तिथियों का ऐलान होने की उम्मीद है। बरेली नगर निगम के 585 पोलिंग बूथ पर ईवीएम से मतदान होगा, जबकि बरेली की 4 नगर पालिका और 15 नगर पंचायतों में वैलेट से वोट डाले जाएंगे।बरेली नगर में मेयर और वार्ड पार्षदों के बिहार, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ की ईवीएम से वोट पड़ेंगे। इसके लिए निर्वाचन विभाग को 4520 वैलिड यूनिट और 2100 कंट्रोल यूनिट मिल गई हैं। इनको डेलापीर मंडी स्थल के गोदाम में रखा गया है। टेक्निकल टीम वैलिड यूनिट कंट्रोल यूनिट की चेकिंग कर समस्याओं को दूर करने में जुटी है। अगर, इनमें अधिक खराब होती हैं, तो अन्य प्रदेशों से और मंगाई जाएंगी। नगर पालिका, और नगर पंचायत के अध्यक्ष, सभासद का मतदान पोस्टल बैलेट से होगा। पोस्टल बैलेट स्थानीय निकाय निर्वाचन कार्यालय सरकारी प्रेस, दिल्ली से प्रकाशित कराएगा।

दूसरे चरण के जमीन अधिग्रहण के लिए सर्वेक्षण दो सप्ताह में शुरू होने की संभावना

नोएडा, (यूएनएस)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनआईए) के लिए दूसरे चरण के भूमि अधिग्रहण का सर्वेक्षण दो सप्ताह में शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गौतम बुद्ध नगर के जेवर में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के पहले चरण के तहत निर्माण कार्य जारी है और उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में दूसरे चरण के लिए भूमि अधिग्रहण को हरी झंडी दे दी है। एक अधिकारी ने कहा कि एनआईए के दूसरे चरण के तहत 1,365 हेक्टेयर क्षेत्र में निर्माण की योजना है, जिसमें से लगभग 1,185 हेक्टेयर का स्वामित्व छह गांव-रणहेरा, कुरेब, दयानतपुर, करौली बांगर, मुंद्रा और बीरमपुर के किसानों सहित निजी लोगों के पास है। इस जमीन का अधिग्रहण भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013 के 'उचित मुआवजा का अधिकार एवं पारदर्शिताश् प्रावधान के तहत किया जा रहा है। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (भूमि अधिग्रहण) बलराम सिंह ने बताया, ''भूस्वामियों की सहमति पहले ही ले ली गई है, जिसके बाद भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया था। प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है। अब अगले दो सप्ताह में छह गांवों में अलग-अलग संपत्ति के माप के लिए सर्वेक्षण शुरू होने की उम्मीद है, जिसके लिए मुआवजे का वितरण किया जाएगा। सिंह ने कहा, ''विस्तृत सर्वेक्षण कार्य के लिए हमने अतिरिक्त मानव संसाधन की मांग की है। इस बार संपत्ति के मूल्यांकन के लिए सर्वेक्षण में किसी बाहरी निजी एजेंसी को शामिल नहीं किया जा रहा है। स्विस कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी (जेएआईए) की सहायक कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) उत्तर प्रदेश सरकार के लिए एनआईए का निर्माण कर रही है। जेएआईए ने इस सार्वजनिक-निजी हवाई अड्डे के डिजाइन, निर्माण और संचालन के लिए 40 वर्षों का रियायत अनुबंध हासिल किया है।

यात्रियों की जान से खिलवाड़, बिना अग्निशमन यंत्र दौड़ रहीं बसें

बहराइच, (यूएनएस)। आए दिन बसों में हो रहे हादसों से प्रशासन सबक नहीं ले रहा। ताजा उदाहरण गत दिवस बाराबंकी में बस में लगी आग का है जिसके बाद कई यात्रियों ने किसी तरह कूद कर जान बचाई। अगर जिले में बसों का सूरत-ए-हाल देखें तो कुछ खास संतोषजनक नहीं। यहां रोडवेज बस अड्डे से संचालित ज्यादातर बसों में अग्निशमन यंत्र या तो नदारद हैं या फिर मात्र शोपीस बने हैं। करीब 20 फीसदी बसों की सीटों का भी खराब हाल है। बसों की खराब बैकलाइट व इंडीकेटर कोहरे में कभी हादसे का सबब बन सकते हैं। निगम प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा को लेकर संजीदा नहीं दिखाई दे रहा है। ऐसे में कभी कोई बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। जिले के रोडवेज बस अड्डे से विभिन्न मार्गों पर फर्राटे भर रही निगम की बसें यात्रियों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहीं हैं।

विकास पर 40 करोड़ खर्च होने के बाद भी नहीं बिछी सीवर लाइन

बहराइच, (यूएनएस)। पांच साल के कार्यकाल में नगर पालिका परिषद करोड़ों की धनराशि खर्च कर शहर में तमाम विकास कार्य कराने का दावा कर रही है। लेकिन 40 करोड़ के खर्च के बाद भी शहरवासियों को अभी तक सीवर लाइन जैसी मूलभूत सुविधा तक पूरी तरह मुहैया नहीं हो सकी है। शहर में आजादी से पूर्व बिछी पुरानी सीवर लाइन के भरोसे ही काम चल रहा है। इसके चलते ही बरसात के दौरान आधा शहर जलनिकासी की समस्या से बुरी तरह जूझता नजर आता है। पालिका क्षेत्र गठित होने के बाद पांच साल की अवधि में शहर के विकास से जुड़े कई प्रस्ताव शासन को भेजे गए लेकिन इनमें से अधिकांश प्रस्ताव शासन स्तर पर ही अभी तक लंबित पड़े हैं। वर्ष 2017 में नगर पालिका के गठन के बाद पांच जनवरी को हुई बोर्ड की पहली बैठक में शहर के विकास कार्य का जो खाका खींचा गया था, वह भी पांच साल में जमीन पर नही उतर सका। इसमें शहर में सीवर लाइन बिछाने के साथ ही इंटर लाकिंग व बदहाल पड़े नाली नालों को दुरुस्त बनाने का कार्य भी प्राथमिकता पर पूरा कराए जाने का दावा था। पांच साल के दौरान पालिका परिषद की तरफ से भेजे गए प्रस्ताव में सीवर लाइन को छोड़कर बाकी कार्य पूरे होने की बात कही जा रही है। पालिका प्रशासन की माने तो पांच साल में 40 करोड़ की धनराशि खर्च कर शहर में विकास से जुड़े तमाम कार्य कराए जा चुके हैं। इसके बावजूद सीवरलाइन बिछाने का सबसे अहम कार्य पूरा न हो पाने से शहरवासी मायूस हैं। सदर नगर पालिका परिषद के कुछ सभासद पांच साल के कार्यकाल की उपलब्धि से जहां पूरी तरह संतुष्ट दिखाई पड़ते हैं तो कई में गहरी नाराजगी है। बड़ीहाट वार्ड सभासद राजू ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान शहर के विकास से जुड़े अधिकांश प्रस्ताव लगभग पूरे हो चुके हैं। बचे हुए कार्यों का भी टेंडर हो चुका है। वार्ड मेवातीपुरा के सभासद शकील केसे भी पांच साल के कार्यकाल से संतुष्ट नजर आए। बताया कि बोर्ड की आखिरी बैठक में जो प्रस्ताव पारित हुए थे, उनका भी टेंडर पूरा हो गया है। दूसरी तरफ बशीरगंज वार्ड के सभासद प्रतिनिधि हर्षितराज श्रीवास्तव पांच वर्ष के कार्यकाल से असंतुष्ट नजर आए। उनका कहना था कि पांच साल में पालिका परिषद बोर्ड की गिनी चुनी बैठकें हुई हैं। इसी लिए वार्ड के विकास का काफी कार्य अभी भी अधूरा है। सभासद प्रतिनिधि वैभव जैन के मन में भी बोर्ड की बैठकों के अभाव में वार्डो का विकास कार्य पूरा न हो पाने की टीस दिखी।

लॉ यूनिवर्सिटी में ठंडे बस्ते में रैगिंग की शिकायत

परीक्षा के बाद होगी ट्रेनिंग, फिर एक्शन लेने की बात कह रहा विश्वविद्यालय प्रशासन

लखनऊ, (यूएनएस)। लखनऊ में डा. राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय में रैगिंग का मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से एक्शन के नाम पर हिलाहवाली देखी जा रही हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षाओं और इंटर्नशिप का शेड्यूल पहले से तय होने की बात कहते हुए कार्रवाई ठंडे बस्ते में डाल दी हैं। वही पहले सेमेस्टर के छात्रों ने रैगिंग की शिकायत सीधे यूजीसीकी एंटी रैगिंग सेल से की थी। जिसके बाद विश्वविद्यालय के पास यूजीसी से मामला भेजा गया था। अब विश्वविद्यालय में 30 नवम्बर तक परीक्षाएं उसके बाद ट्रेनिंग और इंटर्नशिप की बात कह कर मामला रफा दफा कर रहा हैं। वही जूनियर छात्रों में इसको लेकर जबरदस्त आक्रोश की बात भी सामने आ रही हैं। लॉ यूनिवर्सिटी के चीफ प्रॉक्टर प्रो.केए पांडेय ने बताया कि बिना किसी नाम की सीधे यूजीसीको मेल के जरिए कंप्लेंट की गई हैं। शिकायत में सेकंड ईयर के 6 स्टूडेंट्स का नाम सामने आ रहा हैं। शिकायत में कहां गया हैं कि लगातार जूनियर स्टूडेंट्स की रैगिंग की जा रही हैं और सीसीटीवी देखकर इसके साक्ष्य देखें जा सकते हैं। चीफप्रॉक्टर ने कहां कि सेकंड ईयर के 6 स्टूडेंट्स को शो कॉज नोटिस भेज दी गई हैं। गुरुवार से शीतकालीन अवकाश शुरु हो रहा हैं। अवकाश के बाद 2 जनवरी को यूनिवर्सिटी फिर से खुलेगी। तभी आगे के कुछ कार्रवाई की जा सकेगी। विश्वविद्यालय प्रवक्ता डा. अलका सिंह ने कहा कि रैगिंग के सभी मामलों को गंभीरता से लिया जा रहा है। पूर्व में हुई रैगिंग की शिकायत पर भी कार्रवाई की गई थी। अब जिन छात्र-छात्राओं ने शिकायत की है, उसे भी संज्ञान में लिया गया है। 30 नवम्बर तक परीक्षाएं हैं, परीक्षाओं के खत्म होते ही जांच की जाएगी।14 नवम्बर को पहले सेमेस्टर के छात्रों ने सीनियर छात्रो द्वारा रैगिंग किए जाने की शिकायत यूजीसी को ईमेल भेज कर थी। जूनियर छात्रों ने द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर के छात्रों पर कमरे में घुसकर मारपीट करने, टीशर्ट उतरवाने, एक बार में एक लीटर पानी पीने, रूम में झाड़ू लगवायी जाने का कहा जाता है। जिन छात्रों के नाम शिकायत है उनको कारण बताओ नोटिस दिया जा चुका है।

लक्ष्मी सिंह ने नोएडा पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला

नोएडा, (यूएनएस)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी लक्ष्मी सिंह ने बुधवार को गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) की पुलिस आयुक्त के रूप में पदभार संभाल लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस नियुक्ति के साथ सिंह उत्तर प्रदेश में पुलिस आयुक्तालय की प्रमुख बनने वाली पहली महिला अधिकारी बन गई हैं। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की वर्ष 2000 बैच की अधिकारी सिंह ने आलोक सिंह का स्थान लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, सिंह मंगलवार देर रात नोएडा पहुंचीं और बुधवार सुबह वह ड्यूटी पर पहुंच गईं। उन्होंने सूरजपुर कार्यालय में गौतम बुद्ध नगर आयुक्तालय के सभी शीर्ष अधिकारियों से भी मुलाकात की। पुलिस महानिरीक्षक रैंक की 48 वर्षीय अधिकारी गौतम बुद्ध नगर की दूसरी पुलिस आयुक्त हैं, जहां जनवरी 2020 में आयुक्तालय की शुरुआत हुई थी। उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले गौतम बुद्ध नगर की सुरक्षा की कमान अब मुख्यतः महिला अधिकारियों के हाथ में है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के अलावा अपर पुलिस आयुक्त भारती सिंह, पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा) वृंदा शुक्ला, पुलिस उपायुक्त (अपराध) मीनाक्षी कात्यायन और सहायक पुलिस आयुक्त वर्णिका सहित पांच महिला आईपीएस अधिकारी अब आयुक्तालय की कमान संभाले हुए हैं।

बिजली इंजीनियरों का कार्य बहिष्कार दूसरे दिन भी जारी

25 हजार कर्मचारियों की हड़ताल के कारण 3 करोड़ उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ी

लखनऊ, (यूएनएस)। बिजली कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार दूसरे दिन भी जारी। लखनऊ समेत यूपी के सभी जिलों में बिजली विभाग के कर्मचारियों ने काम नहीं किया। हालांकि इस दौरान दलित इंजीनियरों के संगठन ने आंदोलन से खुद को अलग रखा। लखनऊ के अलावा बनारस, गोरखपुर, आगरा, बरेली, प्रयागराज, अयोध्या समेत सभी शहरों में कर्मचारियों ने विरोध सभा भी किया। लखनऊ में दूसरे दिन पावर कॉर्पोरेशन के फिल्ड हॉस्टल में कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। यूपी में तीन करोड़ उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। 25 हजार से ज्यादा इंजीनियर और कर्मचारी इस कार्य बहिष्कार में शामिल है। ऐसा दावा किया जा रहा है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जल्द ही उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो कर्मचारी अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने को विवश होंगे। इसमें सप्लाई तक बाधित कर दी जाएगी। अभी केवल फिल्ड के अधिकारी सुबह 10 से शाम 5 बजे का काम नहीं कर रहे है। इस दौरान बिजली से संबंधित कोई भी काम नहीं होगा। इसमें बिजली सुधार, फॉल्ट हो या नए कनेक्शन लेने का काम शामिल है। अभियंता संघ के अध्यक्ष राजीव सिंह और महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर ने जारी बयान में कहा कि ऊर्जा निगमों के शीर्ष प्रबंधन के पक्षपातपूर्ण, अलोकतांत्रिक, स्वेच्छाचारी, दमनकारी, नकारात्मक और विद्वेषपूर्ण रवैये के कारण ऊर्जा निगमों की गिरती परफॉर्मेंस, बढ़ती नकारात्मक एवं अव्यवहारिक लक्ष्यों को प्राप्त करने का अत्यधिक दबाव व मानसिक तनाव देने वाली कार्यप्रणाली के साथ काम किया जाता है। बात हो कोई भी काम इंजीनियर नहीं करेंगे।

दो शावकों के साथ टहलती दिखी बाघिन

बहराइच, (यूएनएस)। बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग क्षेत्र में टहलते हुए बाघिन का वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो मोतीपुर रेंज से लगे नैनिहा गांव के पास का है। रास्ते से गुजर रहे ग्रामीणों ने बाघिन को देखा। शोर मचाने पर पर बाघिन जंगल में चली गई। कतर्नियाघाट क्षेत्र के मोतीपुर रेंज से होकर नैनिहा खड़िया गांव को रास्ता जाता है। इसी रास्ते पर ग्रामीण गुजरते हैं। बताया जाता है कि ग्रामीणों ने रास्ते पर बैठी बाघिन व कुछ दूरी पर कुलांचे भर रहे दो शावकों को देखा। बाघिन को देखकर ग्रामीण सहम गए और उलटे पांव गांव की ओर भाग गए। सूचना वन विभाग को दी गई, तब तक ग्रामीण एकजुट होकर पहुंचे। हांका लगाने पर बाघिन जंगल में चली गई। बाघिन के रास्ते पर आने से गांव के लोग सहमे हुए हैं। डीएफओ आकाशदीप बधावन ने बताया कि वन विभाग की टीम लगातार मॉनीटरिंग कर रही है। ग्रामीणों को जंगल से दूरी बनाए रखने व अकेले खेतों में न जाने के सुझाव दिए गए हैं।

दो एडीओ में तनाव, काटा हंगामा

डीसी व डीपीआरओ के हस्ताक्षेप के बाद तोड़ा गया पंचायत कार्यालय का ताला

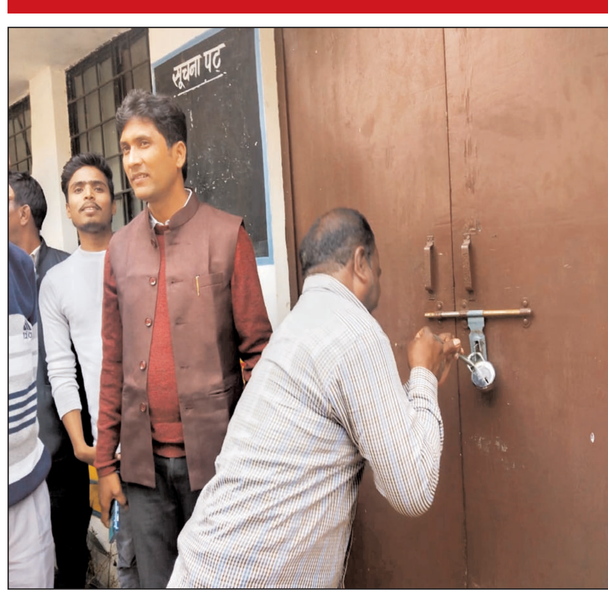

न्यूज गाइड। संवाददाता

ऊंचाहार रायबरेली। दो एडीओ पंचायत के मध्य वर्चस्व की जंग को लेकर तानातनी चल रहा है।जिसको लेकर एडीओ पंचायत का आरोप है कि एडीओ आईएसबी के द्वारा जबरन एडीओ पंचायत कार्यालय में ताला जड़ दिया गया है जिस बात को लेकर सफाईकर्मचारी व पंचायत सहायको ने एडीओ पंचायत कार्यालय में बुधवार के दिन हंगामा काटा और एक दिवसीय धरना दिया जिसको लेकर जिले के डीपीआरओ व डीसी मनरेगा मौके पर पहुंचे जिसके बाद पंचायत घर का ताला तोड़ा गया है।।जिसमें आम जनता विगत 7 दिनो से परेशान चल रही थी। बताते चले कि ऊंचाहार ब्लाक कार्यालय के पीछे एडीओ पंचायत कार्यालय है।जिस कार्यालय में ताला विगत पांच दिनो से जड़ा हुआ है।जिसमें ताला जड़ने की बात आगे इस लिए बढ़गया क्योकि एडीओ पंचायत ने सीधा आरोप ब्लाक के बीडीओ का प्रभार देख रहे एडीओ आईएसबी पर लगाया है।जिसको लेकर बकायदा एडीओ पंचायत सतनाम सिंह ने डीपीआरओ को सूचित तक कर दिया है। जिसमे ब्लाक के 107 सफाईकर्मचारियों का पेरोल तक नही बन पा रहा है। और ताला जड़ने पर एडीओ पंचायत स्तर से होने वाले 54वों ग्राम पंचायतो के कई विकास कार्य तक प्रभावित हो रहे है।यहां तक की जन्म व मृत्यु प्रमाणपत्र तक लंबित ग्रामीणांचलो के चल रहे है।जिसमे वर्चस्व की जंग में सफाईकर्मचारी संघ ने भी एडीओ पंचायत कार्यालय का ताला खोलवाने की मांग किया है और सफाईकर्मचारी संघ ने एडीओ आईएसबी की मनमानी के विरूद्ध धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दिया था जिसमे बाद न बनने पर बुधवार के दिन एक दिवसीय धरना प्रदर्शन सफाईकर्मचारी व समस्त पंचायत सहायको के द्वारा किया गया।जिसको लेकर एडीओ पंचायत सतनाम सिंह ने बताया कि बीते शुक्रवार के दिन जबरन एडीओ आईएसबी द्वारा अपना ताला कार्यालय में जड़ दिया गयाथा जिससे कई विकास व जनहित के कार्य प्रभावित हो रहे थे।जिसमें बुधवार के दिन डीसी मनरेगा जीपी कुशवाहा व डीपीआरओ गिरिश्चन्द्र आदि ने मौके पर पहुंचे जिसके बाद उनके आदेश पर एडीओ कोपरेटिव रमेश कुमार व एडीओ पंचायत सतनाम सिंह के सामने एडीओ पंचायत में लगे ताला को तोड़कर अंदर प्रवेश दिया गया।जिसके बाद एडीओ पंचायत के कार्य बुधवार के दिन तीन बजे के बाद प्रारंभ कर दिया गया है जिसमे एडीओ आईएसबी मौके पर बुधवार के दिन ब्लाक से नदारद थे जिसको लेकर डीसी मनरेगा ने बताया कि ब्लाक का महौल खराब करने वालो के खिलाफ विभागीय जांच किया जा रहा है जांच में जल्द बड़ी कार्यवाही किया जाएगा ताला लगाने के बावत डीसी मनरेगा ने कहा कि जांच के बाद हम कुछ बता पाएंगे।

मैनपुरी की जनता ने मन बना लिया सपा को जिताने को-अखिलेश

न्यूज गाइड। संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के ताखा ब्लाक और ग्राम कुशालपुर बेबर में मतदाताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैनपुरी, इटावा का विकास नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव ने किया है। मैनपुरी, इटावा समाजवादी परिवार से हमेशा से जुड़ा रहा है। यहां सभी के पास नेताजी की यादें हैं। यहां के मतदाता 5 दिसम्बर 2022 को साइकिल चुनाव चिह्न वाले बटन को दबाकर श्रीमती डिम्पल यादव को रिकार्ड मतो से विजयी बनाने जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने विधानसभा जसवन्तनगर क्षेत्र के ताखा ब्लाक के भरतिया कोठी में आयोजित चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि गोमती रिवरफ्रंट बनाने का फैसला कैबिनेट का है। गोमती रिवरफ्रंट में जितने फैसले हुए हैं कैबिनेट में लिए गए हैं। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे उद्घाटन के अगले दिन ही ढह गया, उसकी सीबीआई और ईडी जांच क्यों नहीं हो रही है। यादव ने कहा कि मैनपुरी, इटावा की जनता ने हमेशा नेताजी का साथ दिया। नेताजी सबको साथ लेकर चलते थे। सबका सम्मान करते थे। यहां का विकास नेताजी की देन है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी नेताजी के आदर्शो और विचारों पर चलकर यहां के विकास को आगे बढ़ाएंगी। यादव ने कहा कि मैनपुरी, इटावा क्षेत्र में जो भी विकास कार्य दिख रहा है वह नेताजी ने किया है। नेताजी ने अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में ऐतिहासिक फैसले लिए। किसानों, मजदूरों, व्यापारियों, छात्रों, नौजवानों के लिए बहुत काम किये। पहली बार मुख्यमंत्री बनने पर नेताजी किसानों के दस हजार रूपये के कर्ज माफ किए थे। तब दस हजार रूपये बड़ी रकम होती थी। अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी ने रक्षामंत्री रहने के दौरान शहीद जवानों का सम्मान दिलाया था। पहले शहीद होने पर जवानों की टोपी और बेल्ट ही घर आती थी। नेताजी ने नियम बनाकर शहीद जवानों का पार्थिव शरीर घर तक भेजने की व्यवस्था कर सम्मान दिलाया। यादव ने कहा कि नेताजी किसी विकास परियोजना का शिलान्यास करते थे तो उद्घाटन की तारीख भी तय कर देते थे। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के शिलान्यास के समय नेताजी ने उद्घाटन की तारीख तय करा दी और कहा कि 24 महीने में एक्सप्रेस-वे बनकर तैयार हो जाए। समाजवादी सरकार ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे 22 महीने में बनाकर तैयार कर दिया था। उन्होंने कहा कि नेताजी की कार्य करने की शैली सबसे अलग थी। अखिलेश यादव ने कुशालपुर की सभा में कहा कि मुख्यमंत्री जी को बताना चाहिए था कि करहल और मैनपुरी में भाजपा सरकार ने विकास का क्या काम किया है। जो काम हो रहे थे उनके बजट में कटौती कर दी है। किसान परेशान है, डीएपी नहीं मिल रही है। लम्बी-लम्बी लाइने लगानी पड़ रही है, उसकी ब्लैकमेलिंग हो रही है। इसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। मुख्यमंत्री जी इस पर चुप है। डीजल, पेट्रोल महंगा है। बिजली का बिल ज्यादा आता है। गांव में ट्रांसफर फुंके पड़े हैं। बड़े पैमाने पर नौजवान बेरोजगार हैं। इन सबकी जिम्मेदार भाजपा सरकार है। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ नेता श्री शिवपाल सिंह यादव ने मैनपुरी उप चुनाव में श्रीमती डिम्पल यादव को भारी मतों से जिताने की अपील करते हुए कहा कि समाजवादियों का मुकाबला भाजपा और जिला प्रशासन दोनों से है। उन्होंने कहा कि नेता, कार्यकर्ता पूरी सावधानी से रहें। भाजपा साजिश और षडयंत्र कर रही है कि मैनपुरी लोकसभा उप चुनाव में ज्यादा मतदान न हो, उन्होंने कहा आज नेताजी जैसा कोई नेता नहीं है। यहां की जनता को उनसे बहुत प्रेम था। यहां के लोगों ने नेताजी को धरती पुत्र बनाया। हमें उनके आदर्शो पर चलना है। चुनावी सभा में मौजूद जनता दल (यू) के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व सांसद श्री के.सी. त्यागी ने कहा कि मैनपुरी के चुनाव से देश में बड़ा संदेश जाएगा। उन्होंने डिम्पल यादव जी को भारी मतों से जिताने की अपील की। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के विधायक श्री आलम बदी, पूर्व एम.एल.सी. डॉ0 राजपाल कश्यप आदि नेताओं के अलावा हजारों की संख्या में नेता, कार्यकर्ता और मतदाता मौजूद थे।

जीवनशैली और मेटाबोलिक विकारों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

अलीगढ़, (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अजमल खान तिब्बिया कॉलेज के मोआलिजात विभाग द्वारा आयुष और आधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञों, छात्रों, शोधकर्ताओं और चिकित्सा अधिकारियों के लिए आनलाइन मोड में 'जीवन शैली और मेटाबोलिक विकार' विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में एएमयू के वाइस चांसलर प्रोफेसर तारिक मंसूर ने जीवनशैली और मेटाबोलिक संबंधी विकारों के प्रबंधन के महत्व और इस क्षेत्र में सहयोगात्मक कार्य के महत्व पर जोर देते हुए एक बहु-विषयक शैक्षणिक कार्यक्रम ऑफ्लाइन मोड में आयोजित करने का सुझाव दिया। यूनानी चिकित्सा संकाय के डीन, प्रोफेसर एफ्एस शेरानी ने इन विकारों के बेहतर प्रबंधन के लिए जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रोफेसर तबस्सुम लताफ्त (अध्यक्ष, मोआलिजात विभाग और आयोजन सचिव) ने अतिथियों का स्वागत किया और जीवन शैली और मेटाबोलिक विकारों के प्रबंधन में प्रमुख मुद्दों पर संक्षेप में प्रकाश डाला। डा एस.एम रईसुद्दीन (वरिष्ठ व्याख्याता, स्वदेशी चिकित्सा संस्थान, कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका) ने 'यूनानी चिकित्सा में उच्च रक्तचाप की पहचान, इसकी रोकथाम और प्रबंधनष् पर व्याख्यान दिया। राजीव गांधी सेंटर फॉर डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी, जेएनएमसी, एएमयू के निदेशक, डा हामिद अशरफ ने 'मधुमेहः इसकी रोकथाम के लिए इसे जानें' विषय पर बात की। डा मुरसलीन नसीर ने समापन टिप्पणी में सिम्पोजियम की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन सह-संगठन सचिव प्रो. बीडी खान ने किया जबकि प्रोफेसर तंजील अहमद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में 200 से अधिक शिक्षकों, शोधार्थियों, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों ने भाग लिया।

सीरत समारोह के समापन पर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

अलीगढ़, (यूएनएस)। अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी स्ट्रेची हाल में सीरत कमैटी द्वारा आयोजित सप्ताह भर के सीरत कार्यक्रमों के समापन पर मुख्य अतिथि सह-कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज,घ् थ्योलोजी फैकल्टी के डीन प्रोफेसर सऊद आलम कासमी और प्रोफ्सर मोहम्मद सलीम कासमी द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। उपस्थितजनों का स्वागत सीरत कमेटी के कनवीनर और सुन्नी धर्म शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मोहम्म्द हबीबउल्लाह कासमी ने किया। आभार सीरत कमैटी के सेकेट्री मतिउर रहमान ने जताया। प्राइमरी स्तर पर आयोजित किरत प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मोहममद माज शकील द्वितीय अम्मार मुबीन और तृतीय पुरस्कार हमजा कलीम को प्रदान किया गया। सीनियर सेकेंड्री स्तर पर मोहम्मद उमर फारूक आब्दी प्रथम मोहम्मद दानिश खान द्वितीय मोहम्मद मेराज आलम तृतीय तथा यूनिवर्सिटी स्तर पर मोहम्मद मुजम्मिल प्रथम फरत उल्लाह उसमानी द्वितीय तथा सैयद उसामा को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।प्राइमरी स्तर पर नात ख्वानी प्रतियोगिता में प्रथम मोहम्मद जुफेन द्वितीय हुदा अनीस द्वितीय और जोया अनीस तृतीय। सेंकेंड्री स्तर पर मोहम्मद साद प्रथम मफाजा द्वितीय तथा मोहम्मद आसिम वह हिबा साबिर को तृतीय तथा यूनिवर्सिटी स्तर पर मोहम्मद मुजम्मिल प्रथम अब्दुल्लाह बिन शकील द्वितीय वह मोहम्मद अयान रिजवी तथा मुजफ्फर हुसैन को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्राइमरी स्तर पर आयशा खातून प्रथम आतिफ हसन द्वितीय और जूफा शाहिद को तृतीय। सीनियर सेकेंड्री स्तर पर तजकिया फातिमा प्रथम उम्मे हबीबा द्वितीय और सायबा खान को तृतीय। यूनिवर्सिटी स्तर पर मोहम्मद आजम सिद्दीकी प्रथम ऐतशाम उल हक द्वितीय व मोहम्मद शाहनवाज को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। अजान प्रतियोगिता में प्राइमरी स्तर पर अम्मार मुबीन प्रथम मोहम्मद माज शकील द्वितीय और अनवर अली तृतीय सीनियर सेंकेंड्री स्तर पर मोहम्मद साद प्रथम मोहम्मद मेराज आलम द्वितीय व अम्मार अशरफ तृतीय तथा यूनिवर्सिटी स्तर पर सैयद उसमान प्रथम मोहम्मद मुजम्मिल द्वितीय और मोहम्मद अंसार उसमानी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। उर्दू भाषण प्रतियोगिता में प्राइमरी स्तर पर सैयद फराज अहमद प्रथम सैयदा सूफिया द्वितीय मोहम्मद अब्दुल्लाह तृतीय सीनियर सेकेंड्री स्तर पर सैयद तारिक प्रथम खघ्दीजा खान द्वितीय तजकीया फातिमा तृतीय तथा विश्विद्यालय स्तर पर हसीन अहमद प्रथम मोहम्मद आमिर अंसारी द्वितीय तथा मोहम्मद नसीम अहमद को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा अरबी भाषण प्रतियोगिता में विश्विद्यालय स्तर पर मुजफ्फर हुसैन प्रथत अब्दुल बासित द्वितीय और मोहम्मद नसीम अहमद को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। क्विज प्रतियोगिता में सूबीया रहमान वह शाजिया प्रथम फातिमा वह अमतुल रहमान द्वितीय व तरन्नुम तथा इलमा जमील को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सीनियर सेकेंड्री स्तर पर गुलाम गौस खान व समीर खान प्रथम अली हसन व अशरफ अजीज व द्वितीय मारिया सदफ महदी वह असमा खातून तृतीय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर मोहम्मद आतिफ व अब्दुल्लाह प्रथम सैयद उसामा अब्दुल्लह वसी वह हसीन अहमद द्वतीय तथा मोहम्मद सलमान और उसामा को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सीरत समारोह को उद्घाटन मुख्य अतिथि इंजीनियरिंग कालिज के प्रिंसिपल प्रोफेसर मोहम्मद सुफ्यिान बेग द्वारा किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता सुन्नी धर्मशास्ष्त्र विभाग के प्रोफेसर तौकीर आलम फ्लाही ने की तथा प्रोफेसर मोहम्मद सलीम कासमी मानद अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। डा आमिर मेहमूदी और डा मोहम्मद हम्माद कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय योगदान रहा।

मेंस्ट्रुअल साइकिल, कैंसर, ड्रग्स व यातायात संबंधी जागरूकता हेतु बेटियां उतरीं सड़कों पर

अकबरपुर कानपुर देहात, (यूएनएस)। कस्बे के शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी विद्यालय ब्राइट एंजिल्स एजुकेशन सेंटर के विद्यार्थियों ने ओवरब्रिज ने नीचे मेंस्ट्रूअल साइकिल, कैंसर एवं श्ड्रग व अल्कोहल के दुरुपयोगश् संबंधी जन जागरूकता हेतु अभियान चलाकर लोगों को विभिन्न नारों, संबोधन एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उक्त ज्वलंत समस्याओं के प्रति जागरूक किया।राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में राज्य स्तर पर कैंसर संबंधी प्रोजेक्ट हेतु चयनित विद्यार्थी दिव्या यादव ने में जन-सामान्य को कैंसर के कारण, सावधानी एवं बचाव में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। अंशिका गुप्ता ने कहा कि पारिवारिक एवं सामाजिक झगड़ों की एक प्रमुख जड़ ड्रग व अल्कोहल का दुरुपयोग है। सशक्त भारत के निर्माण हेतु इन मुद्दों पर चर्चा एवं नुक्कड़ नाटक द्वारा ड्रग व अल्कोहल के दुष्परिणामों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।श्रेया गुप्ता ने कहा कि मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता का ध्यान न रखने पर अधिकांश महिलाएं विभिन्न रोगों का शिकार हो जाती हैं तथा लापरवाही पर उन्हें अपनी जान से हाथ भी धोना पड़ता है। अतः इस संवेदनशील मुद्दे पर हमें खुलकर बात करना चाहिए तथा औरों को भी ऐसा करने हेतु प्रेरित करना चाहिए। वह शिक्षा निरर्थक है जो व्यवहारिक समस्याओं के समाधान को प्रस्तुत न करे। हमें लोगों में जागरूकता लानी होगी तथा उन्हें बताना होगा कि ऐसे समय में महिलाओं को परिवार के सदस्यों एवं सहपाठियों का सहयोग मिलना चाहिए। यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है अतः उसे किसी भी प्रकार के हास्यास्पद ढंग से प्रस्तुत करना निंदनीय है। एक महिला संपूर्ण परिवार की जिम्मेदारी उठाती है अतः उसका स्वस्थ होना नितांत आवश्यक है। उन्होंने अपने शोध परक व्याख्यान द्वारा लोगों को बताया कि सरकार द्वारा मिलने वाली सहायता पर्याप्त नहीं है, अतः जन सामान्य को भी इस दिशा में सहयोग करना चाहिए।महिलाओं को झिझक छोड़कर अपने परिवार के सदस्यों से इस संबंध में बात करनी चाहिए तथा उनको अपनी आवश्यकताओं से अवगत कराना चाहिए। हम 21वीं शताब्दी में ज्ञान, विज्ञान एवं तकनीकी में आगे बढ़ चुके हैं परंतु अनेकों क्षेत्र ऐसे भी हैं जहां महिलाओं की स्थिति आज भी चिंताजनक है। इस विषय में व्यापक जन जागरूकता अभियान एवं जन सहयोग अपेक्षित है।कार्यक्रम के दौरान यातायात, पुलिस विभाग के अधिकारियों ने उपर्युक्त विषयों पर मनन एवं चिंतन करने की अपील की।कार्यक्रम के सफ्ल आयोजन में ब्राइट एंजिल्स एजुकेशन सेंटर के निदेशक डॉ बलबीर सिंह, प्रधानाचार्य पुष्पांजलि महाकुड, विज्ञान शिक्षक सुभाष गुप्ता, गीता शुक्ला, विशाल गुप्ता, उमेश कुमार आदि का विशेष योगदान रहा।

सड़क पार कर रहा केशव प्रसाद बाईक से टकराया

ग्रामीणों ने बाईक सवार धर्मेन्द्र को बंधक बना कर पीटा, उपचार के दौरान मौत

लखीमपुर खीरी, (यूएनएस)। थाना ईसानगर के अन्तर्गत ग्राम कबिरहा में सड़क पार कर रहा केशव प्रसाद बाईक से टकराया जिससे बाईक सवार 26 वर्षीय धर्मेन्द्र को भी चोटें आई। केशव प्रसाद के टकराने की सूचना पर गांव के सैकड़ों लोग इकठ्ठा हो गये। इस बीच धर्मेन्द्र ने अपने चाचा ओमप्रकाश को बताया जल्दी आ जाओ चोट लग गई है। जब तक धौरहरा निवासी धर्मेन्द्र का चाचा ओमप्रकाश मौके पर पहुंचता तब तक धर्मेन्द्र अचेत हो गया था। ग्रामीणों ने धर्मेन्द्र को बंधक बना लिया था। धोरहरा निवासियों ने बड़ी मिन्नतों एवं खुशामद एवं गिड़गिड़ाने के बाद ग्रामीणों ने अचेत धर्मेन्द्र को अस्पताल ले जाने की अनुमति दे दी। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने धर्मेन्द्र की गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज भेज दिया। जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने धर्मेन्द्र के शव का पंचनामा भरने के पश्चात शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय लखीमपुर भेज दिया। जहां पोस्टमार्टम कर रहे चिकित्सक ने धर्मेन्द्र की मौत सिर की हड्डी चूर चूर होने से मौत होने की पुष्टि की है। धर्मेन्द्र के पिता श्री प्रकाश ने कोतवाली धौरहरा में तहरीर देकर केशव प्रसाद व उसके बेटे अवधेश के विरुद्ध धर्मेन्द्र का अपहरण करना और उसके चोटें पहुंचाने की तहरीर दी है। घटना के संबंध में बताते हैं कि धर्मेन्द्र थाना ईसानगर के ग्राम शेखपुर से अपनी पत्नी को बिदा कराने जा रहा था।

एएमयू के अंग्रेजी विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

अलीगढ़, (यूएनएस)। साहित्य, ज्ञान और शिक्षा से जुड़े विद्वानों ने साहित्य और विज्ञान पर 'लिटरेचर एंड द नॉन-ह्यूमनः एब्रोगेटिंग द एंथ्रोपोसीन' विषय पर आयोजित 19वीं अंतर्राष्ट्रीय द्विवार्षिक संगोष्ठी में इकोक्रिटिकल थ्योरी, विज्ञान और पर्यावरण इतिहास के माध्यम से एंथ्रोपोसीन और इसके निरस्तीकरण पर विचार विमर्श किया। समापन सत्र में, फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में अरबी भाषा और साहित्य की एसोसिएट प्रोफेसर, डा सर्रा टिली ने पर्यावरणीय नैतिकता पर चर्चा की जो आमतौर पर पवित्र कुरान से जुड़ी हुई हैं। वह 'फेलो क्रिएचर्स लाइक यूः इनसाइट्स इनटू द कुरान' एनवायर्नमेंटल एथिक' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत कर रही थीं, जिसकी अध्यक्षता के ए निजामी सेंटर फॉर कुरानिक स्टडीज के आनरेरी निदेशक, प्रोफेसर अब्दुर रहीम किदवई ने की। सर्रा ने कुरान के अंशों का विश्लेषण किया और शेष सृष्टि में मानवता के एकीकरण की व्याख्या की। प्रोफेसर ए.आर किदवई ने शिक्षा, विज्ञान और मुस्लिम ज्ञानमीमांसा के मेलजोल पर प्रकाश डाला और कहा कि संगोष्ठी ने गैर-मानव पर कुरान के दृष्टिकोण पर भरपूर अंतर्दृष्टि प्रदान की है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष, प्रोफेसर एम आसिम सिद्दीकी ने कहा कि यह कार्यक्रम सीखने का एक बड़ा अवसर था क्योंकि इसने एंथ्रोपोसीन की भरपूर ढंग से जांच की और मानव और गैर-मानव के बीच संबंधों से संबंधित मुद्दों की पहचान की। समापन सत्र में प्रोफेसर समी रफीक (संयोजक) ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा अंग्रेजी शोधार्थी आयुष गौड़ ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। हाइब्रिड ऑनलाइन, ऑफ्लाइन मोड में आयोजित सत्रों में, डा सुमना रॉय (एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी और रचनात्मक लेखन, अशोक विश्वविद्यालय) ने 'जलवायु परिवर्तन और आनंद की हानि' को चित्रित किया, जिसमें उन्होंने पृथ्वी (गैर-मानव) और भावनाओं (मानव) के बीच के संबंधों पर चर्चा की। प्रोफेसर शिव तलवार ने वैज्ञानिक और विविध धार्मिक संदर्भों के साथ ब्रह्मांड और मानव जाति के निर्माण के बारे में बात कीय प्रोफेसर स्कॉट स्लोविक (पर्यावरण अध्ययन, इडाहो विश्वविद्यालय, यूएसए) ने श्टू गेट ए फील फॉर व्हाट दिस मीन्सः एनी डिलार्ड्स थॉट एक्सपेरिमेंट्स एंड द टीचिंग ऑफ कम्पैशन' और प्रोफेसर राज दुबे (एमेरिटस प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी आफ वाटरलू, कनाडा) ने फ्लिोसोफी विभाग के प्रोफेसर लतीफ हुसैन शाह काजमी की अध्यक्षता वाले सत्र में 'एक साधक के जीवन की यात्रा' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में चौबीस सत्र में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों जैसे आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नेपाल और सिंगापुर के प्रतिनिधि शामिल हुए।

श्री बनवारी दास बाबा की पावन कुटी के प्रति श्रद्धालुओं की है अटूट आस्था

48 घण्टे तक चले हनुमान चालीसा पाठ के बाद किया गया हवन पूजन

शिवगढ़,रायबरेली। शिवगढ़ क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत पिपरी स्थित श्री बनवारी दास बाबा की पावन तपोस्थली पर 48 घण्टों तक चले हनुमान चालीसा पाठ के पश्चात वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन पूजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शिवगढ़ क्षेत्र के शिवली गांव के रहने वाले युवा समाजसेवी एवं नवसृजित शिवगढ़ नगर पंचायत के शिवली चौराहे से सभासद प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह भदोरिया उर्फ पिन्टू सिंह द्वारा किया गया। गौरतलब हो बनवारी दास बाबा की पावन तपोस्थली में बीते 28 नवम्बर से हनुमान चालीसा का पाठ चल रहा था जिसके समापन पर 30 नवम्बर को वीरेंद्र सिंह भदोरिया के परम पूज्य गुरु जी रामहेत जी महाराज द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन पूजन कराया गया। कई घंटों तक चले हवन पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप

से शिवगढ़ ब्लाक प्रमुख कुंवर हनुमंत प्रताप सिंह, बछरावां विधायक श्यामसुन्दर भारती, वरिष्ठ भाजपा नेता नन्दकिशोर तिवारी, शिवगढ़ भाजपा मण्डल अध्यक्ष डॉ. जीबी सिंह, रिपुसूदन मिश्रा, पिंकू सिंह, मुन्ना सिंह, मान्सू सिंह, इशांत सिंह, आशू पांडेय, मानसिंह, जसवन्त सिंह, बचउवा आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजक वीरेंद्र सिंह भदोरिया एवं श्रद्धालुओं की माने तो बनवारी दास बाबा के प्रति श्रद्धालुओं के अटूट आस्था है, जिनके स्मरण मात्र से श्रद्धालुओं के हर बिगड़े काम बन जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

योगी आदित्यनाथ युवा ब्रिगेड की बैठक लखनऊ में हुई संपन्न

लखनऊ, (यूएनएस)। आज योगी आदित्यनाथ युवा ब्रिगेड की बैठक हुई जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश द्विवेदी के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष अमानत रसूल के द्वारा बैठक को संबोधित करते हुए कहा गया कि हमारे संगठन का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गरीबों के लिए चलाई जा रही योजनाओं को जरूरतमंदो तक पहुंचाना। श्री रसूल ने कहां कि आज उत्तर प्रदेश व देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार में अल्पसंख्यक समुदाय अपने आपको सुरक्षित महसूस कर रहा है हमें मिल कर देश विरोधी ताकतों से लड़ना होगा। बैठक में रिजवान खान पुत्र स्वर्गीय पहलवान कलीमुल्लाह खान को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। रिजवान भाई के पिता सिद्धार्थनगर के मशहूर हस्तियों में शुमार थे आप के जुड़ने से सिद्धार्थनगर के साथ-साथ पूरे प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय में काफी उर्जा मिलेगी और लोगों के अंदर उत्साहवर्धन होगा इस अवसर पर प्रदेश के पदाधिकारी श्री आलोक पाण्डेय डॉक्टर मुनव्वर हुसैन, मुस्ताक अहमद ,अब्दुल सलाम, दिलशाद पठान ,जियाउल हक ,नदीम खान श्रावस्ती ,मोहम्मद इम्तियाज कुंडा प्रतापगढ़ अकरम अंसारी आदि लोग मौजूद रहे और सब ने शुभकामनाएं दी।

बिजली कर्मचारियों के आंदोलन का युवा मंच ने किया समर्थन

लखनऊ, (यूएनएस)। निजीकरण, सरकार की जनविरोधी नीतियों व उत्पीड़न के विरोध में बिजली कर्मचारियों के प्रदेशव्यापी आंदोलन का युवा मंच ने समर्थन किया है। युवा मंच संयोजक राजेश सचान ने सीएम योगी आदित्यनाथ को ट्वीट कर अपील की है कि ऊर्जा प्रबंधन की स्वेच्छाचारी व अड़ियल रवैये से मौजूदा टकराव पैदा हुआ है और बिजली महकमे में हड़ताल जैसे हालात हैं। इसकी प्रमुख वजह ऊर्जा प्रबंधन का स्वेच्छाचारी व अड़ियल रवैया है। ऐसे में प्रदेश में बिजली संकट की अप्रिय स्थिति न पैदा हो, इसके लिए मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की गई। युवा मंच की ओर प्रेस को जारी बयान में कहा गया है पावर सेक्टर का निजीकरण देशहित में कतई नहीं है लेकिन कारपोरेट घरानों के हित में निजीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए इलेक्ट्रीसिटी अमेंडमेंट बिल-2022 लाया गया है। जबकि निजीकरण के प्रयोग विफ्ल साबित हुए हैं और कारपोरेट बिजली कंपनियों की लूट व मुनाफखोरी का ही नतीजा है कि बिजली की दरों में तेजी से ईजाफ हुआ है और बिजली बोर्ड भी भारी घाटे में चले गए।

हिस्ट्रीशीटर गांजा के साथ गिरफ्तार, कई दिनों से थी तलाश

बस्ती, (यूएनएस)। पुरानी बस्ती पुलिस ने संतकबीरनगर जिले के हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से एक किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष पुरानी बस्ती प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि उनकी टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच के दौरान रेलवे स्टेशन गेट नंबर दो से मंगलवार शाम संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। जिसकी तलाशी में उसके पास से एक किलो छह सौ ग्राम गांजा बरामद किया गया। पूछताछ में उसने अपने को रविशंकर निवासी बेलहर कला थाना बेलहर कला जनपद संतकबीरनगर बताया। उसके आपराधिक इतिहास के बारे में तस्दीक की गई तो पता चला कि वह बेलहरकला थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उस पर बखिरा थाने में लूट, चोरी, गैंगस्टर, खलीलाबाद कोतवाली में चोरी, बेलहरकला थाना में आर्म्स एक्ट और पुरानी बस्ती थाने में एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा दर्ज है।

चौकी इंचार्ज टिनिच हटाए गए, दो अन्य का तबादला

बस्ती, (यूएनएस)। विवादों से घिरे गौर थाने के टिनिच पुलिस चौकी के इंचार्ज रामभवन प्रजापति को हटा दिया गया। उन्हें लालगंज थाने पर भेजा गया है। उनकी जगह कोतवाली में तैनात दुर्गा प्रसाद पांडेय को टिनिच का चौकी इंचार्ज बनाया गया है। इसके साथ ही एसपी आशीष श्रीवास्तव ने दो अन्य उपनिरीक्षकों का तबादला किया है। जिसमें पुलिस लाइंस में तैनात दिवाकर प्रसाद यादव को थाना परशुरामपुर और उपनिरीक्षक रामणि उपाध्याय को पुलिस लाइंस से थाना हर्रैया भेजा गया है। गौर थाने के टिनिच चौकी प्रभारी राम भवन प्रजापति पर थाना क्षेत्र के बसहिया गांव निवासी बुजुर्ग राम ललित यादव ने अकारण पिटाई का आरोप लगाया था। उसने डीआईजी को शिकायती पत्र दिया था। जिसमें कहा गया है कि गांव में सार्वजनिक रास्ते पर गांव के कुछ लोग एक राय होकर निर्माण कार्य करा रहे थे। इसकी सूचना एक दिन पूर्व डायल 112 पर दिया था। जिसके बाद चौकी प्रभारी टिनिच राम भवन प्रजापति ने अगले दिन सुबह बुलाया था। रविवार की सुबह जब चौकी पर पहुंचा तो वहां दूसरे पक्ष के लोग चौकी प्रभारी से वार्ता कर रहे थे। हमने अपनी बात बतानी चाही तो वह नाराज होकर अपशब्द कहने लगे। लात घूसे और उसके बाद बेल्ट से पिटाई की। गुहार सुनकर आसपास के लोग आ गए तो चौकी प्रभारी ने कहा भाग जाओ वरना फर्जी मुकदमे में फंसा दूंगा। इसके बाद मोबाइल फोन भी रख लिया। डीआईजी ने इसकी सीओ हर्रैया शेषमणि उपाध्याय को जांच सौंपी है। इसी बीच एसपी ने चौकी इंचार्ज का तबादला कर दिया।

सिंचाई विभाग के आवासीय परिसर में चला बुलडोजर

लखनऊ, (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ के सिंचाई विभाग परिसर में बुलडोजर की कार्यवाही की गई। सिंचाई विभाग परिसर में अतिक्रमण को हटाए जाने को लेकर बुलडोजर के द्वारा ध्वस्त किया गया। बताया जा रहा है कि कर्मचारियों ने आवासीय परिसर में अवैध कब्जा कर रखा था। जिसको लेकर विभाग के द्वारा कई बार नोटिस भी दी गई थी। नोटिस के बाद खुद कार्रवाई न करने पर बुधवार को सिंचाई विभाग के परिसर में अवैध कब्जे पर कार्यवाही की गई। हजरतगंज के बालू अड्डे स्थित बने सिंचाई विभाग के आवासीय परिसर में खाली पड़ी जमीन पर कई कर्मचारियों ने घर बनवा लिया था। विभाग के कर्मचारियों की शह पर कुछ बाहरी लोगों ने भी सिंचाई विभाग के आवासीय परिसर में घर बनाकर रह रहे थे। विभाग के द्वारा कई बार कर्मचारियों को नोटिस देकर खुद कब्जे को हटाए जाने के लिए समय दिया था। लेकिन खाली पड़ी जमीनों पर किए गए कब्जे पर कोई भी कार्यवाही कर्मचारियों के द्वारा नहीं की गई। जिसके बाद बुधवार सुबह पुलिस की मौजूदगी में बुलडोजर से अवैध कब्जे को धरती करण किया गया।

परिषदीय शिक्षकों का ट्रांसफर फंसा, सचिव को नोटिस

कानपुर देहात, (यूएनएस)। परिषदीय शिक्षकों के ग्रामीण से शहरी क्षेत्र में तबादले की प्रक्रिया आगे न बढ़ने समेत अन्य कार्यों में प्रगति न होने से नाराज महानिदेशक स्कूली शिक्षा विजय किरन आनंद ने बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल को कारण बताओ नोटिस दिया है। वित्त नियंत्रक रविन्द्र कुमार से भी जवाब तलब किया गया है। 17 नवंबर को जारी नोटिस में विभिन्न कार्यों के लिए पिछले तीन महीने में लगातार निर्देश देने के बावजूद कोई प्रगति नहीं होने पर महानिदेशक ने नाराजगी जताई है। ग्रामीण इलाके से शहरी क्षेत्र में अध्यापकों के तबादले, मृतक आश्रित नियुक्ति के लिए मानव सम्पदा पोर्टल पर प्रावधान और शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही को ऑनलाइन, समयबद्ध एवं पारदर्शी बनाने का प्रस्ताव नहीं भेजा गया है। शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कार्यवाही ढीली है। शिक्षकों को जीवन बीमा पॉलिसी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विसंगतियां दूर कर कार्यवाही से अवगत नहीं कराया गया है।नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) के अंतर्गत कटौती व उसके सापेक्ष नियोजक का अंशदान संबंधित शिक्षक के एनपीएस खातों में प्रेषित किए जाने की प्रगति से भी अवगत नहीं कराया गया है। बच्चों के आधार प्रमाणीकरण के लिए शहरी क्षेत्र में जहां आधार किट उपलब्ध नहीं है और जहां आधार किट्स क्रियाशील नहीं है।

गंभीर अंतरराष्ट्रीय संकट के बीच यूएनएससी की अध्यक्षता संभालेगा भारत

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। भारत एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय संकट के समय गुरुवार को सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालेगा। ऐसे में भारत को संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय में अपनी राजनयिक क्षमता का उपयोग करने की जरूरत है। स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज एक अत्यधिक ध्रुवीकृत परिषद के अध्यक्ष के रूप में कदम रखेंगी जहां यूक्रेन के खिलाफ रूस के विनाशकारी युद्ध के वीटो-शक्तिशाली होने की स्थिति में पश्चिम मास्को और बीजिंग के खिलाफ है। भारत आतंकवाद के खतरे पर प्रकाश डालना जारी रखने के लिए अपनी अध्यक्षता का उपयोग करेगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर आतंकवाद से वैश्विक खतरे पर 15 दिसंबर को परिषद की एक विशेष उच्च स्तरीय बैठक की व्यक्तिगत रूप से अध्यक्षता कर सकते हैं। उन्होंने ट्वीट किया, हम आतंकवादी कृत्यों के कारण अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक खतरे पर एक ब्रीफिंग आतंकवादी अधिनियमः आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए वैश्विक दृष्टिकोण-चुनौतियां और आगे का रास्ताश् आयोजित करेंगे। सिग्नेचर इवेंट्स के रूप में जाने जाने वाले ऐसे सत्रों को बुलाना राष्ट्र का विशेषाधिकार है जो अपनी प्राथमिकताओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए अध्यक्ष पद धारण करता है। परिषद की आतंकवाद-रोधी समिति के अध्यक्ष के रूप में पिछले महीने मुंबई और नयी दिल्ली में आयोजित भारत की एक विशेष बैठक के बाद यह सत्र आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष पद की तैयारी कर रही कंबोज ने मंगलवार को महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की और उन्होंने ट्वीट किया कि उन्होंने श्आगे की प्राथमिकताओं

और कार्य को लेकर कार्यक्रम पर चर्चा की। यूक्रेन अगले महीने परिषद में फिर आएगा क्योंकि मॉस्को के हमलों ने यूरोप में सुरक्षा खतरों को बढ़ा दिया है और मानवीय संकट बढ़ गया है। हालांकि कंबोज को विरोधियों के बीच भारत अपनी जगह बनानी पड़ेगी, सभी पक्षों के साथ अपने राजनयिक संचार जारी रखते हुए, जो एक मुश्किल काम होगा। नयी दिल्ली (जिसने बार-बार युद्ध के राजनयिक समाधान का आह्वान किया है) ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण पर अपनी हल्की अस्वीकृति व्यक्त की है, मॉस्को का नाम लिए बिना। भारत हालांकि रूस की निंदा करने वाली परिषद और महासभा दोनों में मतदान से दूर रहा। संयुक्त राष्ट्र की अवज्ञा में उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल परीक्षणों पर वीटो-शक्ति वाले चीन द्वारा परिषद को निष्क्रियता के लिए मजबूर किया गया है, क्योंकि यह एक खतरा है जो भारत और भारत-प्रशांत राष्ट्रों को सीधे प्रभावित करता है। हालांकि यूक्रेन या उत्तर कोरिया जैसे मुद्दों पर समझौता कराने के लिए परिषद के अध्यक्ष का आना असंभव हो सकता है, लेकिन शांति अभियानों जैसे अन्य नियमित मामले भी हैं, जिन पर समझौता किया जा सकता है। एक संकल्प से कम, अध्यक्ष आम सहमति की घोषणाओं को विकसित करने पर भी काम कर सकती हैं, जिन्हें प्रेस बयान के रूप में जाना जाता है, जो शांति सैनिकों पर हमले या बिगड़ती स्थितियों जैसे मामलों पर चिंता व्यक्त कर सकते हैं, या इजरायल और लेबनान जैसे हाल ही में समुद्री सीमा पर सहमत हुए सकारात्मक विकास की सराहना कर सकते हैं। इससे पहले 2011 और 2012 में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के संयुक्त राष्ट्र में दूत के रूप में कार्यकाल के दौरान भारत ने पिछली बार अगस्त 2021 में परिषद की अध्यक्षता की थी जब टी.एस. तिरुमूर्ति स्थायी प्रतिनिधि थे। भारत की अध्यक्षता गुरुवार सुबह 15 परिषद सदस्यों के स्थायी प्रतिनिधियों के पारंपरिक नाश्ते के साथ शुरू होगी। इसके बाद महीने के एजेंडे को तय करने के लिए न्यूयॉर्क के समयानुसार सुबह करीब 10.30 बजे (भारतीय समयानुसार रात 9 बजे) एक बंद सत्र में भारत के साथ परिषद की पहली औपचारिक बैठक होगी। परंपरागत रूप से, देश का स्थायी प्रतिनिधि जो महीने का अध्यक्ष होता है, एक समाचार सम्मेलन आयोजित करेगा जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा इंटरनेट पर लाइव किया जाएगा।

टीपू सुल्तान पर विवादित किताब के लेखक को मिली जान से मारने की धमकी

एजेंसी

मैसूरु। मैसूर साम्राज्य के पूर्व शासक टीपू सुल्तान पर विवादास्पद किताब लिखने वाले रंगमंच की मशहूर शख्सियत अडांडा करियप्पा ने जान से मारने की धमकी मिलने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बुधवार को कहा कि, अडांडा करियप्पा, जो रंगायन के निदेशक भी हैं, ने मैसूर के जयलक्ष्मीपुरम पुलिस स्टेशन में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है। अडांडा करियप्पा साहित्यिक कृति शिट्पुविना निजा कानासुगलु पुस्तक ने एक विवाद छेड़ दिया है जो टीपू सुल्तान को एक धार्मिक कट्टरपंथी के रूप में बयान करती है। लेखक को एक पत्र के माध्यम से धमकी दी गई। इसे शिवमोग्गा शहर के ब्राह्मण की गली के एक पते से पोस्ट किया गया था। धमकी भरे पत्र में कहा गया है, ष्तुम मारे जाने की स्थिति में पहुंच गए हो, तुम मर जाओगे, तुम्हारा भगवान भी तुम्हें नहीं बचा पाएगा। अडांडा करियप्पा ने जान से मारने की धमकी देने वालों के खिलाफसुरक्षा और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। करियप्पा की किताब और नाटक से इतिहासकारों को आपत्ति है कि टीपू सुल्तान अंग्रेजों द्वारा नहीं मारा गया था, बल्कि वोक्कालिगा सरदारों उरी गौड़ा और नानजे गौड़ा द्वारा मारा गया था। करियप्पा का कहना है कि टीपू ने 80,000 कोडाव (कर्नाटक के कूर्ग जिले के मूल योद्धा कबीले) का नरसंहार किया था। लेकिन इतिहासकारों का दावा है कि उस समय कबीले की वास्तविक जनसंख्या 10,000 से अधिक नहीं थी। उनकी किताब पर आधारित 3.10 घंटे की अवधि वाले इस नाटक की कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच मैसूरु के रंगायण में एक सफल प्रदर्शनी की गई। टीपू सुल्तान द्वारा 700 ब्राह्मणों की हत्या, कोडागु में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण, उसके टीपू सुल्तान के दौरान लिए गए इस्लामी फैसले, धर्म परिवर्तन के लिए टीपू सुल्तान की पत्नी और मां के प्रतिरोध ने एक विवाद को जन्म दिया है। करियप्पा ने घोषणा की थी कि वह पूरे कर्नाटक के विभिन्न शहरों में नाटक का 100 शो करेंगे।

चीन ने ''शत्रुतापूर्ण ताकतों'' पर कड़ी कार्रवाई करने का आह्वान किया

एजेंसी

बीजिंग। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने ''शत्रुतापूर्ण ताकतों की विध्वंसक गतिविधियों और घुसपैठ पर कड़ी कार्रवाई'' करने का आह्वान किया है। उसने यह बयान तब दिया है जब देश में कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए लगाई गई पाबंदियों से परेशान नागरिकों ने व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन किए जो दशकों में सबसे बड़ा प्रदर्शन है। केंद्रीय राजनीतिक एवं विधि मामलों के आयोग ने मंगलवार देर रात को यह बयान तब जारी किया जब सप्ताहांत में बीजिंग, शंघाई, ग्वांग्झू और कई अन्य शहरों में शुरू हुए प्रदर्शनों को रोकने के लिए सुरक्षा सेवाओं ने ताकत का व्यापक प्रदर्शन किया। आयोग ने प्रदर्शनकारियों का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया लेकिन यह बयान अपने

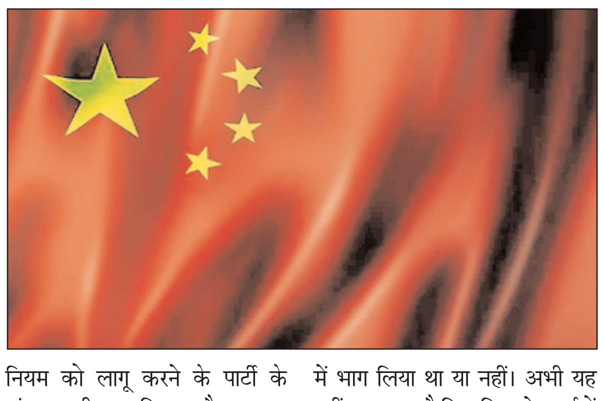

नियम को लागू करने के पार्टी के संकल्प की याद दिलाता है। बुधवार को सड़कों पर सैकड़ों गाड़ियां एवं बख्तरबंद वाहन खड़े रहे तथा पुलिस और अर्द्धसैन्य बलों ने लोगों के पहचान पत्रों की जांच की और तस्वीरों, प्रतिबंधित ऐप या अन्य संभावित सबूत की तलाश में लोगों के मोबाइल फोन खंगाले। पुलिस यह जांच कर रही थी कि लोगों ने प्रदर्शनों में भाग लिया था या नहीं। अभी यह नहीं पता चला है कि पुलिस ने प्रदर्शनों के दौरान कितने लोगों को हिरासत में लिया। आयोग ने अपने अध्यक्ष चेन वेनकिंग की अध्यक्षता में सोमवार को हुए एक विस्तारित सत्र के बाद यह बयान जारी किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति शी चिनफिंग को महासचिव के तौर पर पांच साल का तीसरा कार्यकाल दिया गया। इसके साथ ही चिनफिंग के जीवनभर चीन का नेता बने रहने की संभावना भी बन गई। बयान में कहा गया है, ''हमें शत्रुतापूर्ण ताकतों की घुसपैठ और विध्वंसक गतिविधियों पर कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई करनी होगी, सामाजिक व्यवस्था भंग करने वाले गैरकानूनी और आपराधिक कृत्यों पर कड़ी कार्रवाई करनी होगी तथा सामाजिक स्थिरता को प्रभावी रूप से बरकरार रखना होगा।'' इस बीच, चीन में अमेरिका के राजूदत निकोलस बर्न्स ने बुधवार को कहा कि पाबंदियों के साथ ही अन्य चीजों ने हमारे राजनयिकों के लिए चीन में बंद अमेरिकी कैदियों से मुलाकात को असंभव बना दिया है। प्रदर्शनों पर बर्न्स ने कहा कि दूतावास इसकी प्रगति और सरकार की प्रतिक्रिया पर नजर रख रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि चीनी लोगों के पास शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का अधिकार है।

मुंबई: रिश्तों को शर्मसार करने वाले पिता को 20 साल कैद, पीड़िता पलटी तो डीएनए टेस्ट ने दिलाई सजा

एजेंसी

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने डीएन जांच रिपोर्ट के आधार पर 41 वर्षीय एक व्यक्ति को 2019 से अपनी सौतेली बेटी के साथ बार-बार दुष्कर्म करने और उसे गर्भवती बनाने के मामले में 20 साल के कारावास की सजा सुनाई है, यद्यपि मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता अपने बयान से मुकर गई थी। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई के लिए नामित विशेष न्यायाधीश अनीस खान ने मंगलवार को जारी फैसले में कहा कि ऐसी अजीबोगरीब परिस्थितियों में डीएनए टेस्ट मामले के अन्वेषण के साथ-साथ अभियुक्तों का आरोप साबित करने का एक प्रभावी जरिया होता है। फैसले की प्रति बुधवार को उपलब्ध कराई गई। इसमें न्यायमूर्ति खान ने कहा, ÷डीएमए रिपोर्ट स्पष्ट रूप से संकेत देती है कि आरोपी पीड़िता के (गर्भ में पल रहे) भ्रूण का जैविक पिता था।÷ उन्होंने कहा, ÷यह वास्तव में बेहद दुखद है कि एक सौतेले पिता द्वारा 18 साल से कम उम्र की अपनी सौतेली बेटी के साथ एक बहुत ही गंभीर और जघन्य अपराध किया गया है। अदालत ने कहा कि सिर्फइसलिए कि पीड़िता और उसकी मां बयान से मुकर गई हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि अभियोजन का मामला खारिज हो जाएगा। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, आरोपी अक्टूबर 2019 से पीड़ित लड़की के साथ दुष्कर्म कर रहा था। जून 2020 में पीड़िता ने अपनी मां को इस बारे में बताया था, जिसके बाद पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। चिकित्सा जांच के दौरान पता चला था कि पीड़िता 16 हफ्ते की गर्भवती है। बाद में गर्भपात करा दिया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता और उसकी मां अपने बयान से मुकर गई थीं। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि न्यायालय के समक्ष दिए बयान में पीड़िता और उसकी मां ने दावा किया था कि आरोपी उनके परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था, इसलिए वे उसे माफकर जेल से बाहर निकलवाना चाहती हैं। अदालत ने कहा, ÷पीड़िता का बयान इस बात को साबित करने के लिए पर्याप्त है कि वह अपनी मां के भावनात्मक दबाव का सामना कर रही है और इसलिए उसने अपराध होने से इनकार किया है। अदालत ने कहा, ÷ऐसी अजीबोगरीब परिस्थितियों में डीएनए टेस्ट (मामले के) अन्वेषण के साथ-साथ अभियुक्तों के खिलाफआरोप साबित करने का एक प्रभावी जरिया होता है। मौजूदा मामले में डीएनए जांच से साबित हुआ है कि पीड़िता और आरोपी भ्रूण के जैविक माता-पिता थे।÷ अदालत ने कहा कि खून के नमूने लेने, प्रयोगशाला में जमा करने और उसकी जांच करने की प्रक्रिया को ठीक तरह से अंजाम दिया गया था, लिहाजा अंतिम क्छ। रिपोर्ट को स्वीकार करना होगा।

रुपया 34 पैसे बढ़कर 81.38 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। विदेशी बाजारों में डॉलर के कमजोर होने और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के बीच निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा में सुधार से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बुधवार को 34 पैसे के सुधार के साथ 81.38 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.63 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 81.38 के उच्चस्तर और 81.64 के निचले स्तर तक गया। अंत में रुपया 34 पैसे की तेजी के साथ 81.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपये का पिछला बंद भाव 81.72 प्रति डॉलर था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा कि जोखिम वाली आस्तियों की धारणा में सुधार, कच्चे तेल की कम कीमतें तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों का निवेश बढ़ने के बाद पिछले 11 महीनों में भारतीय रुपये में पहली मासिक बढ़त दर्ज की गई। परमार ने कहा, ''यह महीने के अंत में 1.6 प्रतिशत ऊंचा बंद होने की ओर अग्रसर है जो अगस्त, 2021 के बाद से सबसे बड़ा लाभ होगा।''

पारिख समिति ने सौंपी रिपोर्ट, गैस कीमत निर्धारण की खुली छूट देने का सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार की तरफ से नियुक्त गैस कीमत समीक्षा समिति ने बुधवार को सौंपी अपनी रिपोर्ट में परंपरागत गैस क्षेत्रों के लिए एक आधार एवं अधिकतम कीमत तय करने का सुझाव देने के साथ ही जनवरी, 2026 से मूल्य निर्धारण की खुली छूट देने की सिफारिश की है। योजना आयोग के पूर्व सदस्य किरीट पारिख की अगुवाई वाली समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि परंपरागत क्षेत्रों से निकलने वाली गैस के लिए एक निर्धारित मूल्य दायरा रखने से गैस उत्पादकों के लिए एक अनुमान-योग्य कीमत निर्धारण व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकेगी। समिति के मुताबिक, इस व्यवस्था से सीएनजी एवं पाइप से आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस पीएनबी की कीमतों को नरम करने में भी मदद मिलेगी। उत्पादन लागत बढ़ने से इसकी कीमत पिछले साल से अबतक 70 प्रतिशत बढ़ चुकी हैं। समिति ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा पुराने क्षेत्रों से निकाली जाने वाली प्राकृतिक गैस की कीमत को आयातित कच्चे तेल की कीमतों से जोड़ने की सिफारिश भी की है। पारिख ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की दरों से जोड़ने के बजाय घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस की कीमतें आयातित कच्चे तेल के भाव से जोड़ी जानी चाहिए। इसके लिए गैस का आधार एवं अधिकतम मूल्य दायरा तय किया जाए। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) को चार डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट (प्रति इकाई) के न्यूनतम मूल्य और 8.57 डॉलर की मौजूदा दर के मुकाबले अब अधिकतम 6.5 डॉलर का भुगतान किया जाएगा। पारिख ने कहा कि पुराने गैस क्षेत्रों से निकलने वाली गैस के लिए अधिकतम दर को सालाना 0.5 डॉलर प्रति इकाई बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही समिति ने एक जनवरी, 2027 से एपीएम गैस की कीमत बाजार से निर्धारित किए जाने का सुझाव दिया है। हालांकि, समिति मुश्किल क्षेत्रों से निकलने वाली गैस के लिए मूल्य निर्धारण के मौजूदा फॉर्मूले को बदलने के पक्ष में नहीं रही। मूल्य निर्धारण की यह व्यवस्था रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के केजी-डी6 क्षेत्र और ब्रिटेन की इसकी भागीदार बीपी पीएलसी के मुश्किल गैस क्षेत्रों पर लागू होती है। पारिख ने कहा, ''इन गैस उत्पादकों को विपणन एवं कीमत निर्धारण की स्वतंत्रता होती है लेकिन सरकार की तरफसे तय ऊपरी सीमा से यह बाधित होती है।

तीसरा वन डे बारिश के कारण रद्द, न्यूजीलैंड ने जीती सीरीज

एजेंसी

क्राइस्टचर्च। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा और अंतिम मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। मैच रद्द होने के घोषणा के साथ ही न्यूजीलैंड ने यह वन डे सीरीज 1-0 से जीत ली। हालांकि आज न्यूजीलैंड आसानी से इसे 2-0 कर सकता था मगर बारिश के कारण आगे का खेल संभव नहीं हो सका। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण यहां न्यूजीलैंड की शानदार गेंदबाजी के सामने 'करो या मरोश् के तीसरे और अंतिम वनडे में 47.3 ओवर में 219 रन पर सिमट गयी। जवाब में न्यूजीलैंड ने बारिश के कारण मैच रुकने तक 18 ओवर में एक विकेट खोकर 104 रन बना लिये थे और आराम से जीत की ओर जा बढ़ रहा था। दोबारा मैच शुरु नहीं हो पाया और अंपायरों ने मैच रद्द घोषित कर दिया।इससे पहले, न्यूजीलैंड से 0-1 से पिछड़ने के बाद श्रृंखला बचाने की कवायद में जुटे भारत के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसमें आधी टीम 25.3 ओवर में पवेलियन लौट चुकी थी। केवल वाशिंगटन सुंदर (64 गेंद में 51 रन, पांच चौके और एक छक्का) ही अर्धशतकीय पारी खेल सके जिसकी बदौलत टीम 200 रन का स्कोर पार कर पायी। इस स्पिन आल राउंडर ने पहले वनडे में भारत की सात विकेट पर 306 रन की पारी में 16 गेंद में नाबाद 37 रन बनाकर अपनी काबिलियत का नजारा पेश किया था, वह आउट होने वाले अंतिम खिलाड़ी रहे। उनसे पहले श्रेयस अय्यर (49 रन) अच्छी

शुरूआत का फायदा नहीं उठा सके और अपने पचासे से एक रन पहले आउट हो गये। बारिश के कारण रद्द हुए दूसरे वनडे में एडम मिल्ने नहीं खेले थे लेकिन इस मैच में उनकी वापसी हुई। उन्होंने भारतीय शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए 57 रन देकर तीन विकेट हासिल किये। मिल्ने ने कप्तान शिखर धवन (28 रन) और शुभमन गिल (13 रन) के विकेट प्राप्त किये। फिर उन्होंने सूर्यकुमार यादव (06) के रूप में भारत का महत्वपूर्ण विकेट चटकाया जिससे भारत की मध्य ओवरों में लचर बल्लेबाजी की कलई खुल गयी। आसमान में बादल छाये हुए और न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिया जिसने धीमी और सतर्क शुरूआत की। गिल पहले दो वनडे में काफी आक्रामक दिखे थे, पर आज वह स्ट्रोक खेलने में काफी सतर्क दिखे और 18 गेंद में केवल पांच रन ही बना सके जबकि उनके सीनियर जोड़दार धवन आक्रमक दिखे। धवन ने तीसरे ओवर में बाहर निकलकर खेलते हुए साउदी पर एक छक्का जड़ा लेकिन इस गेंदबाज ने भी वापसी करते हुए अपना अगला ओवर मेडन डाला। वहीं हैनरी दूसरे छोर पर कसी गेंदबाजी कर रहे थे। पावरप्ले के अंत में भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने धीरे धीरे हाथ खोलना शुरू किया जिसमें गिल ने मिल्ने पर लगातार दो चौके जमाये। लेकिन जल्द ही संयम खो बैठे और अगली गेंद पर स्क्वायर लेग में खेलने की कोशिश में शार्ट मिडविकेट पर कैच देकर आउट हुए। रन गति बढ़ाने की कोशिश में जुटे धवन भी मिल्ने का दूसरा शिकार बने। टी20 में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले सूर्यकुमार पिच पर ज्यादा समय नहीं बिता सके और मिल्ने का तीसरा शिकार हुए। दूसरे वनडे में संजू सैमसन को बाहर रखने के लिये आलोचना के बावजूद दीपक हुड्डा को टीम में बरकरार रखा गया जो फिर से प्रभावित नहीं कर सके और 12 रन पर आउट हुए। अय्यर के आउट होने के बाद भारत को साझेदारी की सख्त जरूरत थी लेकिन हुड्डा क्रीज पर सुंदर का साथ नहीं निभा सके। वह साउदी की उछाल लेती गेंद पर आउट हुए।

देश-विदेश डायरी

चीन ने दी अमेरिकी अधिकारियों को भारत के साथ उसके संबंधों में दखल न देने की चेतावनी: पेंटागन

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन ने अमेरिकी अधिकारियों को चेतावनी दी है कि वे भारत के साथ उसके संबंधों में दखल नहीं दें। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने कांग्रेस में पेश एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। पेंटागन ने मंगलवार को पेश एक रिपोर्ट में कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत के अपने टकराव के बीच चीनी अधिकारियों ने संकट की गंभीरता को कम करने की कोशिश की और जोर दिया कि चीन की मंशा सीमा पर स्थिरता कायम करना है और भारत के साथ उसके द्विपक्षीय संबंध के अन्य क्षेत्रों को गतिरोध से होने वाले नुकसान से बचाना है। चीन की सैन्य निर्माण क्षमता पर कांग्रेस को दी गई अपनी हालिया रिपोर्ट में पेंटागन ने कहा, ''चीनी गणराज्य (पीआरसी) तनाव कम करना चाहता है ताकि भारत अमेरिका के और करीब नहीं जाए। पीआरसी के अधिकारियों ने अमेरिकी अधिकारियों को चेतावनी दी है कि वे भारत के साथ पीआरसी के संबंधों में हस्तक्षेप न करें।श पेंटागन ने कहा कि चीन-भारत सीमा पर एक खंड में 2021 के दौरान पीएलए ने सैन्य बलों की तैनाती को बनाए रखा और एलएसी के पास बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी रखा। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों देशों (चीन-भारत) के बीच वार्ता में न्यूनतम प्रगति हुई क्योंकि दोनों पक्ष सीमा पर कथित अपने-अपने स्थान से हटने का विरोध करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ''दोनों देश अन्य सैन्य बल की वापसी की मांग कर रहे हैं और इसके कारण टकराव जैसी स्थिति बनी हुई है। लेकिन न तो चीन और न ही भारत इन शर्तों पर सहमत है।

अमेरिकी संसद परिसर में हिंसा, ओथ कीपर्स का संस्थापक रोड्स देशद्रोही साजिश का दोषी करार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सरकार विरोधी मिलिशिया 'ओथ कीपर्सश् के संस्थापक स्टीवर्ट रोड्स को राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनावी परिणाम को पलटने के लिए देशद्रोही साजिश रचने का मंगलवार को दोषी करार दिया गया। यह छह जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन परिसर में हुए विद्रोह की जांच में न्याय विभाग की बड़ी जीत है। वाशिंगटन डीसी की एक जूरी ने करीब दो महीने तक चले मुकदमे में रोड्स को देशद्रोह का दोषी ठहराया। रोड्स को षडयंत्र के दो अन्य आरोपों से बरी कर दिया गया था। यह फैसला न्याय विभाग के लिए काफी अहम है और इससे अभियोजकों का राजद्रोह के अन्य चरमपंथी आरोपियों के आगामी मुकदमों में पूरे जोरशोर से आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होगा। ओथ कीपर्स के फ्लोरिडा अध्याय के नेता केली मेग्स को भी देशद्रोह का दोषी ठहराया गया है जबकि रोड्स के तीन अन्य सह-आरोपियों को आरोप मुक्त कर दिया गया है। अदालत ने सभी पांच आरोपियों को बाइडन की चुनावी जीत पर कांग्रेस के सत्यापन की आधिकारिक प्रक्रिया में बाधा डालने का दोषी पाया गया। अभियोजकों के अनुसार, छह जनवरी को ओथ कीपर्स को कैमरे में लड़ाई की तैयारी के साथ अमेरिकी संसद परिसर तथा भीड़ के बीच घुसते देखा गया था। रोड्स किसी 'जनरल की तरह अपनी सेना को निर्देश देते हुए बाहर खड़ा था। दंगे के बाद रोड्स और ओथ कीपर्स के अन्य सदस्य जश्न मनाने के लिए ओलिव गार्डन रेस्त्रां में गए थे।

पाकिस्तान: बलूचिस्तान में पोलियो टीम की सुरक्षा के लिए जा रहे पुलिस कर्मियों पर आत्मघाती हमलाय 3 लोगों की मौत, 23 घायल

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में पोलियो टीम की सुरक्षा के लिए जा रहे पुलिस कर्मियों के ट्रक को निशाना बनाकर बुधवार को किए गए आत्मघाती हमले में कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों में 20 सुरक्षा कर्मी भी शामिल हैं। अधिकारी के मुताबिक, यह आत्मघाती हमला तब हुआ, जब पोलिया टीकाकरण अभियान में शामिल कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस कर्मियों को ले जा रहा ट्रक क्वेटा के बलेली इलाके से गुजर रहा था।

वाहन उद्योग में किर्लोस्कर के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा: चिदंबरम

चेन्नई, एजेंसी। राज्यसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने टोयोटा किर्लोस्कर के वाइस चेयरमैन विक्रम एस किर्लोस्कर के निधन पर दुख जताते हुए कहा है कि वाहन क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। किर्लोस्कर का मंगलवार को बेंगलुरु में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। चिदंबरम ने ट्वीट किया, ''विक्रम किर्लोस्कर का असामयिक निधन झटका है और यह उद्योग के लिए एक बड़ा नुकसान है। उद्योग जगत के बहुत कम लोगों में उनके जैसी नेतृत्व क्षमता है।'' चिदंबरम ने कहा, ''वाहन उद्योग में किर्लोस्कर के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मैं उनकी पत्नी, पुत्री और परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं।''

सैमसंग इंडिया की आईआईटी, अन्य संस्थानों से 1,000 इंजीनियरों की नियुक्ति की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। सैमसंग इंडिया देशभर में अपने शोध एवं विकास (आरएंडडी) संस्थानों के लिए 1,000 इंजीनियरों की नियुक्ति की योजना बना रही है। इन इंजीनियरों की नियुक्ति भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) और अन्य शीर्ष संस्थानों से की जाएगी। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। ये युवा इंजीनियर कंपनी के साथ 2023 में जुड़ेंगे और उसके बेंगलुरु, नोएडा, दिल्ली के आरएंडडी संस्थानों तथा बेंगलुरु में सैमसंग सेमीकंडक्टर इंडिया रिसर्च में नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों पर काम करेंगे। सैमसंग इंडिया के मानव संसाधन प्रमुख समीर वधावन ने बुधवार को बयान में कहा, ''नवोन्मेषण और नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकी पर काम करने के लिए सैमसंग के शोध एवं विकास केंद्र देश के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों से नई प्रतिभाओं को जोड़ने की तैयारी कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि ये लोग नवोन्मेषण, प्रौद्योगिकी, उत्पाद एवं डिजाइन तथा भारत केंद्रित नवाचारों पर काम करेंगे जिससे लोगों के जीवन में सुधार आएगा।'' उन्होंने कहा कि यह हमारी डिजिटल इंडिया को सशक्त करने की सोच के अनुरूप है। दक्षिण कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी कंप्यूटर साइंस और संबद्ध शाखाओं मसलन कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग, कंप्यूटर विजन और वीएलएसआई, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार नेटवर्क के लिए इन इंजीनियरों की नियुक्ति करने जा रही है। इसके अलावा कंपनी गणित तथा कंप्यूटिंग और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग क्षेत्र से भी इंजीनियरों की नियुक्ति करेगी।

बीआईएस का पाठ्यक्रम में भारतीय मानकों को शामिल करने के लिए छह इंजीनियरिंग संस्थाओं से करार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने अपने पाठ्यक्रम में भारतीय मानकों को लागू करने के लिए छह इंजीनियरिंग संस्थानों के साथ करार किया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है कि यह पहल शिक्षाविदों की सक्रिय भागीदारी हासिल करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ बीआईएस के जुड़ाव को संस्थागत बनाने की दिशा में है। बीआईएस ने 'बीआईएस मानकीकरण चेयर प्रोफेसर' की स्थापना के लिये बीएचयू, इंदौर, पटना, मद्रास और त्रिची के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा जयपुर के मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं। इससे इन संस्थानों में विज्ञान और विभिन्न विषयों के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में उत्कृष्टता तथा नेतृत्व को बढ़ावा मिलेगा। बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने शैक्षणिक संस्थानों में नये मानकों के निर्माण और मौजूदा अनुपालन में स्टार्टअप और 'इनक्यूबेशन' केंद्रों के साथ जुड़ने की जरूरत पर जोर दिया है।

सोना 71 रुपये टूटा, चांदी में 66 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। रुपये के मूल्य में सुधार आने के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 71 रुपये की गिरावट के साथ 53,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 53,371 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने की तरह चांदी भी 66 रुपये की हानि दर्शाती 63,199 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''रुपये के मजबूत होने और जोखिम उठाने की धारणा में सुधार के बीच दिल्ली के बाजार में हाजिर सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई।'' डॉलर के मुकाबले रुपया 28 पैसे सुधरकर 81.44 रुपये प्रति डॉलर हो गया। परमार ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गति को धीमा करने के संकेतों की वजह से डॉलर में आई गिरावट के बाद कॉमेक्स में हाजिर सोना मई, 2021 के बाद से अपने सबसे बड़े मासिक लाभ की ओर बढ़ रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक विद्यावती दूबे द्वारा बी डी प्रिन्टींग प्रेस गणेशपुर, रहमानपुर निकट रघुनन्दन आशियाना फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ से मुद्रित तथा- C 3/76, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। मो0 9450615356, फोन नं. 0522- 4102634

एचआईवी संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता

(विश्व एड्स दिवस/ 01 दिसंबर विशेष)

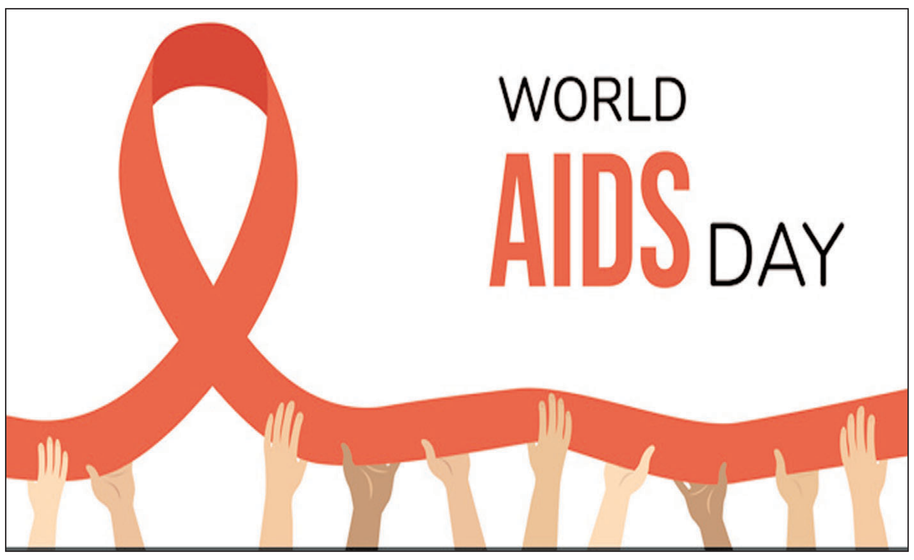

एचआईवी संक्रमण के प्रसार को रोकने और एड्स महामारी के प्रति जागरुकता बढ़ाने के मकसद से वर्ष 1988 के बाद से हर साल 01 दिसंबर को 'विश्व एड्स दिवस' मनाया जाता है। हालांकि शुरुआती दौर में इस दिवस को केवल बच्चों तथा युवाओं से ही जोड़कर देखा जाता था किंतु बाद में एड्स पर हुए कई शोधों से पता चला कि एचआईवी संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। इस साल हम 35वां एड्स दिवस मना रहे हैं और यह दिवस इस बात का मूल्यांकन करने का अवसर है कि एड्स मुक्त दुनिया के वादे को पूरा करने में हम फिलहाल किस ट्रैक पर हैं। वैसे संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य को पारित करते हुए भारत सहित दुनिया के 194 देशों ने वर्ष 2030 तक 'एड्स मुक्त दुनिया' का वादा किया है और भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में भी यह वादा दोहराया गया है। बीते कुछ वर्षों में एचआईवी से संक्रमित होने वालों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। फिर भी स्थिति बहुत ज्यादा बेहतर नहीं कही जा सकती। दिल्ली नेटवर्क ऑफ पॉजिटिव पीपल के सह संस्थापक रहे लून गांगटे का यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण है कि जब वैज्ञानिक उपलब्धियों के कारण और सामुदायिक अनुभव से यह सर्वविदित है कि एचआईवी के साथ जीवित व्यक्ति सामान्य जिंदगी जी सकता है तो 2020 में 6.8 लाख लोग एड्स संबंधित रोगों से कैसे मारे गए? वैज्ञानिक शोधों के कारण आज हमारे पास एचआईवी संक्रमण से बचाव के तरीके हैं, फिर भी 2020 में 15 लाख नए लोग कैसे एचआईवी से संक्रमित हो गए? उनका कहना है कि यदि हम एचआईवी नियंत्रण और प्रबंधन में कार्यसाधकता नहीं बढ़ाएंगे तो 2030 तक कैसे दुनिया को एड्स मुक्त करेंगे? जहां तक एड्स के इतिहास की बात है तो माना जाता है कि सबसे पहले 19वीं सदी में अफ्रीका के खास प्रजाति के बंदरों में एड्स का वायरस मिला था और बंदरों से यह रोग इंसानों में फैला। दरअसल उस समय अफ्रीका में लोग बंदरों को खाया करते थे। इसीलिए माना गया कि बंदर खाने से यह वायरस किसी मनुष्य के शरीर में प्रविष्ट हुआ होगा। 1920 में यह बीमारी सबसे पहले अफ्रीका के कांगो की राजधानी किंसास में फैली थी। पहला एचआईवी वायरस 1959 में कांगो के एक बीमार व्यक्ति के रक्त के नमूने में मिला था। इस व्यक्ति को पहला एचआईवी संक्रमित माना गया। माना जाता है कि उस जमाने में किंसास सेक्स ट्रेड का गढ़ था, जहां से शारीरिक संबंधों के जरिये यह बीमारी अन्य देशों में पहुंची और 1960 में अफ्रीका के हैती तथा कैरीबियाई द्वीप में फैली। 1970 के दौरान यह वायरस कैरीबिया से न्यूयार्क शहर में फैला और फिर अमेरिका से दुनिया के अन्य हिस्सों में पहुंचा।1981 में लॉस एंजिल्स के डा. माइकल गॉटलीब ने पांच मरीजों में एक अलग किस्म के निमोनिया की पहचान की। सभी पांचों मरीज समलैंगिक थे, जिनमें रोग से लड़ने वाला तंत्र एकाएक कमजोर पड़ गया था, इसीलिए उस समय डॉक्टरों को लगा कि यह केवल समलैंगिकों में ही होने वाली कोई बीमारी है लेकिन जब बाद में जब दूसरे लोगों में भी यह वायरस मिला तो उन्हें अहसास हुआ कि उनकी धारणा गलत है। उसके बाद इस बीमारी से पीड़ित मरीजों का अध्ययन करने के पश्चात अमेरिका के सेंटस फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने पहली बार 1982 में इस बीमारी के लिए 'एड्स' (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिसिएंशी सिंड्रोम) शब्द का इस्तेमाल किया और फ्रांस के पाश्चर इंस्टीट्यूट के दो वैज्ञानिकों ल्यूक मॉन्टेगनियर तथा फ्रैंकोइस बर्रे सिनूसी ने 1983 में एड्स से पीड़ित रोगी की सूजी हुई लिम्फ ग्रंथि से एक वायरस की खोज की, जिसे उन्होंने 'एलएवी' वायरस नाम दिया। अगले साल 1984 में अमेरिका के राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के रॉबर्ट गैलो ने एचटीएलवी-3 वायरस की खोज की। 1984 में शोधकर्ताओं ने पहली बार एड्स के वायरस 'एचआईवी' (ह्यूमन इम्यूनो डेफिसिएंशी वायरस) की पहचान की। शोधकर्ताओं को गहन अध्ययन के बाद 1985 में यह पता चला कि एलएवी तथा एचटीएलवी-3 दोनों एक ही वायरस हैं, जो एड्स फैलाते हैं। इसके बाद पहली बार 1986 में एचटीएलवी-3 तथा एलएवी वायरस का नाम बदलकर 'एचआईवी' रख दिया गया। भारत में एड्स का पहला मामला वर्ष 1986 में सामने आया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन में एड्स संबंधित कार्यक्रम के पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर रहे जेम्स डब्ल्यू बन तथा थॉमस नेटर के दिमाग में अगस्त 1987 में यह दिवस मनाने का विचार आया था। दोनों ने इसे एड्स संबंधित प्रोग्राम के ग्लोबल डायरेक्टर डॉ. जोनाथन मान को अवगत कराया। डॉ. जोनाथन को यह आइडिया पसंद आया और उन्होंने हर साल 01 दिसम्बर को 'विश्व एड्स दिवस' मनाने की स्वीकृति प्रदान कर दी। पहली बार 01 दिसम्बर 1988 को विश्व एड्स दिवस मनाया गया, जिसे मनाने का उद्देश्य एचआईवी या एड्स से ग्रसित लोगों की मदद करना और एड्स से जुड़े मिथ को दूर करते हुए लोगों को शिक्षित करना था। अभियान के पहले दो वर्षों में परिवारों पर एड्स के प्रभाव को उजागर करने के लिए बच्चों और युवाओं के विषय पर केंद्रित दिवस था। 1996 में यूएन एड्स ने विश्व एड्स दिवस के संचालन को अपने हाथ में ले लिया और पहल के दायरे को एक वर्ष के रोकथाम और शिक्षा अभियान तक बढ़ा दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2020 के अंत में दुनियाभर में करीब 37.7 मिलियन लोग एचआईवी से ग्रस्त थे, जिनमें से दो तिहाई यानी करीब 25.4 मिलियन अफ्रीकी क्षेत्र में हैं। 2020 में 6.8 मिलियन लोग एचआईवी से संबंधित कारणों से मारे गए और डेढ़ मिलियन नए लोगों को एचआईवी हुआ। एचआईवी वास्तव में एक ऐसा वायरस है, जो शरीर में उन कोशिकाओं पर हमला करता है, जो शरीर को इंफेक्शन से लड़ने में मदद करती हैं। इससे व्यक्ति अन्य संक्रमणों और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है और धीरे-धीरे एक ऐसी स्थिति आ जाती है, जब इम्यून सिस्टम पूरी तरह से काम करना बंद कर देता है। यह वायरस मानव रक्त, यौन तरल पदार्थ तथा स्तनों के दूध में रहता है और जब इसका उपचार नहीं किया जाता तो यह एड्स बीमारी का कारण बनता है। एचआईवी संक्रमण प्रायः असुरक्षित यौन संबंध, एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आए इंजेक्शन या उपकरणों को साझा करने से हो सकता है। दुनियाभर में फिलहाल एचआईवी का कोई प्रभावी इलाज मौजूद नहीं है, इसलिए एचआईवी से बचने के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है।**-एजेंसी**

आप ट्रोल हो रहे हैं तो आप फेमस... बेटी न्यासा देवगन को ट्रोल करने आया काजोल का ऐसा रिएक्शन

अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन ने भले ही अभी बॉलीवुड में कदम ना रखा हो लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी किसी एक्ट्रेस से कम नहीं है। न्यासा को लेकर बी-टाउन और फैंस के बीच अलग ही क्रेज देखने को मिलता है उनकी सोशल मीडिया पर भी काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। स्टारकिड की आए दिन तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर छाई रहती हैं और अपने ग्लैमरस लुक्स की वजह से नेटिजन्स उन्हें खूब ट्रोल करते हैं। इस पर अब अभिनेत्री काजोल का रिएक्शन सामने आया है।दरअसल, इन दिनों काजोल अपनी अपकमिंग फिल्म सलाम वेंकी के प्रमोशन में बिजी हैं। अदाकारा अपनी फिल्म को अपने को-स्टार्स के साथ मिलकर जमकर प्रमोट कर रही हैं। इस फिल्म के साथ काजोल एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही है इसलिए वह अपनी फिल्म का बड़े जोर-शोर से प्रचार कर रही हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में जब काजोल से उनकी बेटी न्यासा द्वारा फेस किए जाने वाली ट्रोलिंग को लेकर सवाल पूछा गया। जिस पर एक्ट्रेस ने खुलकर अपनी राय रखी। काजोल ने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि ट्रोलिंग अब सोशल मीडिया का अजीब हिस्सा बन चुकी है। मतलब कि यह 75 पर्सेंट सोशल मीडिया का हिस्सा है। अगर आप ट्रोल होते हैं तो आपको नोटिस किया जाता है। अगर आप ट्रोल होते हैं तो आप फेमस हो जाते हैं। अब तो ऐसा है कि अगर आप ट्रोल नहीं होते हैं तो आप फेमस नहीं होते।श् हालांकि इसी के साथ काजोल ने यह भी स्वीकार किया कि एक मां होने के नाते बेटी को ट्रोल किया जाना उन्हें इफेक्ट करता है। काजोल आगे कहा, उन्होंने उन सभी आर्टिकल को पढ़ा है, जिनमें न्यासा को ट्रोल करने की बात कही है। हालांकि एक्ट्रेस ने पाया है कि सिर्फ 100 से में 2 लोग की कुछ गलत बात बोलते है और उसी को हाइलाइट कर दिया जाता है। इसी के साथ एक्ट्रेस ने कहा कि वो अपनी बेटी से कहती हैं कि नेगेटिव चीजों की तरफ बढ़ने के बजाय हमेशा पॉजिटिव और ब्राइट साइड को देखे। **-एजेंसी**

सोशल मीडिया में फिट मम्मियों की फेक तस्वीरें देख हो रहा प्रेगनेंट महिलाओं को डिप्रेशन!

आजकल सोशल मीडिया पर प्रेगनेंसी के बाद अपनी फिट अवतार वाली फोटोज पोस्ट करने का ट्रेंड सा हो गया है। ये ट्रेंड सिर्फसिलेब्रिटीज में ही नहीं बल्कि आम महिलाओं में भी देखने को मिल रहा है। लेकिन यहां पर फर्क इस बात में आ जाता है कि जहां सिलेब्रिटीज प्रोफेशनल ट्रेनर की मदद से तुरंत से वापस शेप में आती हैं, वहीं कुछ महिलाएं फिल्टर की मदद से खुद को पतला दिखाती हैं। लेकिन इस फिट अवतार को देख कई प्रेगनेंट महिलाएं डिप्रेशन में जा रही हैं।

डिप्रेशन की वजह है सोशल मीडिया

एक एनजीओ के किए गए सर्वे में बच्चा पैदा होने के बाद महिला के डिप्रेशन की चपेट में आने की एक बड़ी वजह सोशल मीडिया पर सिलेब्रिटीज और दूसरी महिलाओं की पोस्ट प्रेगनेंसी वाली फिट अवतार में तस्वीरें देखना है। आपको बता दें कि तकरीबन 65 फीसदी महिलाएं सिलेब्रिटीज से प्रभावित होती हैं और उनको कॉपी करने की कोशिश करती हैं। कई तो उनकी तरह दिखने के लिए खाना-पीना भी छोड़ देती हैं। यहां तक की बच्चों को दूध पिलाने के दौरान भी वो अपने फिगर के बारे में ही सोचती हैं और इससे वो अनिद्रा का शिकार हो जाती हैं। जब वो परफेक्ट फिगर हासिल नहीं कर पाती तो तनाव की चपेट में आ जाती हैं। बाउन यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक भी प्रेगनेंसी के तुरंत बाद परफ्केट बॉडी पाने की सोच को बढ़ावा देने में सोशल मीडिया , ब्यूटी इंडस्ट्री और हेल्थ फिटनेस का बड़ा योगदान है। इस फ्लेटफॉर्म में दिखाई गई महिलाओं की तस्वीरों को असर दूसरी महिल के मेंटल कंडिशन पर पड़ता है।

प्रेगनेंसी के तुरंत बाद फिट बॉडी नहीं

फरीदाबाद में मैंरिगो क्यूआरजी हॉस्पिटल में क्लीनिकल साइकॉलजिस्ट डॉक्टर जया सुकुल ने बताया की जो भी हम तस्वीरों में देख रहे हैं, जरुरी नहीं है की वो सही हो। हर महिला की बॉडी प्रेगनेंसी के बाद बदलती रहती है, इसलिए उसको नॉर्मली लेना जरुरी है। जहां तक सिलेब्रिटीज की बात है तो उनके लिए बॉडी की अपीयरेंस काफी मायने रखता है। इसके लिए वो प्लासिटक सर्जरी और मेकअप और पर्सनल डाइटीशियन और ट्रेनर रखती है, वहीं साधारण महिलाओं को इसकी जरुरत नहीं है। वहीं सीनियर सायकायट्रिस्ट डॉक्टर ज्योति कपूर कहती हैं कि श्प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं को शरीर पर फिजिकल और मेंटली कई तरह के बदलाव आते हैं। इनसे बचने के लिए फिजिकल एक्टिव रहें। ऐसा करने से ना केवल आप इमोशनली मजबूत होता है. ब्लकि फिजकली फिट रहेगें और वेट भी कम होगा।

डिप्रेशन में रखें इन बातों का ध्यान

इस तरह के डिप्रेशन के लक्षणों को ठीक करने के लिए ट्रीटमेंट के साथ-साथ अपनी लाइफस्टाइल में भी चेंज लाने की जरुरत है। इसके लिए अपने रुटीन में फिजिकल एक्टिविटीज को शामिल करें। रेस्ट करें और हेल्डी फूड खाएं। डिलिवरी के बाद होने वाली भावनात्मक समस्याओं के बारे में परिवार और दोस्तों के साथ शेयर करें। वहीं सोशल मीडिया से कुछ समय के लिए दूरी बना लें तो बेहतर होगा।**-एजेंसी**

भेड़िया के बाद रोबोट बनने की तैयारी में कृति सैनॉन, फिल्म में शाहिद कपूर संग करेंगी रोमांस

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सैनॉन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म भेड़िया को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में वरुण धवन और कृति की जोड़ी दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही है इससे पहले दोनों को फिल्म दिलवाले में भी फैंस को बहुत पसंद किया था। भेड़िया 25 नवंबर को थियेटर में रिलीज हुई है और फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। कृति बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपनी मेहनत और लगन से आज फिल्म इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बना ली है। अदाकारा की फैन फॉलोइंग भी काफी तगड़ी है और सोशल मीडिया पर तो उनसे जुड़ी हर खबर आग की तरह फैल जाती है। भेड़िया के बाद कृति ने अब अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग भी शुरु कर दी है। इस फिल्म के जरिए अभिनेत्री अपने फैंस के लिए कुछ अलग और नया ला रही हैं। खबरें है कि कृति सैनॉन जल्द ही एक रोबोटिक फिल्म में दिखाई देने वाली हैं। इस फिल्म में कृति के साथ एक्टर शाहिद कपूर लीड रोल में है। दोनों ने इस रोबोट रोम-कॉम फिल्म की शूटिंग भी शुरु कर दी है, सेट से दोनों की साथ में तस्वीरें भी वायरल हो ही हैं। इस फिल्म का निर्देशन अमित जोशी कर रहे हैं और दिनेश विजन फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में कृति एक रोबोट के रोल में प्ले कर रही हैं और शाहिद रोबोटिक एक्सपर्ट बने दिखेंगे।जानकारी के मुताबिक, ये रोमांस-कॉमेडी फिल्म कुछ हद तक वीएफएक्स पर शूट होगी। फिल्म की कहानी को लेकर कहा जा रहा है कि यह एक मशीन और एक इंसान के बीच रोमांस के साथ नई खोज साबित हो सकती है। फिलहाल फिल्म को लेकर यही जानकारी सामने आई है। शाहिद और कृति की जोड़ी को ऑन स्क्रीन रोमांस करता देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति सैनॉन जल्द ही बाहुबली एक्टर प्रभास के साथ फिल्म आदिपुरुष में दिखाई देंगी। आदिपुरुष में एक्ट्रेस माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। ओम राउत के निर्देशन में बनी आदिपुरुष 16 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा कार्तिक आर्यन स्टारर शहजादा में भी अदाकारा लीड रोल में है। शहजादा अगले साल 2023 फरवरी में रिलीज होगी।

एक्टर बनने से पहले टपबाल विक्की कौशल थे बैकग्राउंड डांसर! डांस करते हुए थ्रोबैक फोटो आई सामने

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म गोविंदा मेरा नाम को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। विक्की अपनी को-स्टार्स कियारा आडवाणी और भूमि पेडनेकर संग जमकर फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। इस फिल्म में विक्की एक बैकग्राउंड डांसर का किरदार निभा रहे है। इसी बीच एक्टर अपनी एक थ्रोबैक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की। जिसमें वो बैकग्राउंड में डांस करते दिख रहे हैं। विक्की कौशल ने इंस्टाग्राम पर अपने बचपन की एक फोटो पोस्ट की है जिसमें वो लड़कियों के पीछे डांस करते दिख रहे हैं। इस फोटो में विक्की ने अपने माथे पर रुमाल बांध रखा है और वो डांस स्टेप करते हुए काफी क्यूट लग रहे हैं। वहीं उनके आगे दो लड़कियां खड़ी नजर आ रही हैं। विक्की ने अपने बचपन की थ्रोबैक फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, बैकग्राउंड में डांस करने का बहुत अनुभव है लाइफ में! इस फोटो पर फैंस दिलखोल कर अपने फेवरेट एक्टर की पोस्ट पर प्यार लुटा रहे हैं और सेलेब्स भी खुद को विक्की की इस क्यूट फोटो पर कॉमेंट करने से नहीं रोक पाए हैं। फरहान अख्तर से लेकर राधिका आप्टे ने विक्की कौशल की इस पोस्ट पर अपना प्यार लुटाया है।

शरीर में नहीं होगी खून की कमी, आयरन से भरपूर ये 5 फल बढ़ाएंगे ब्लड

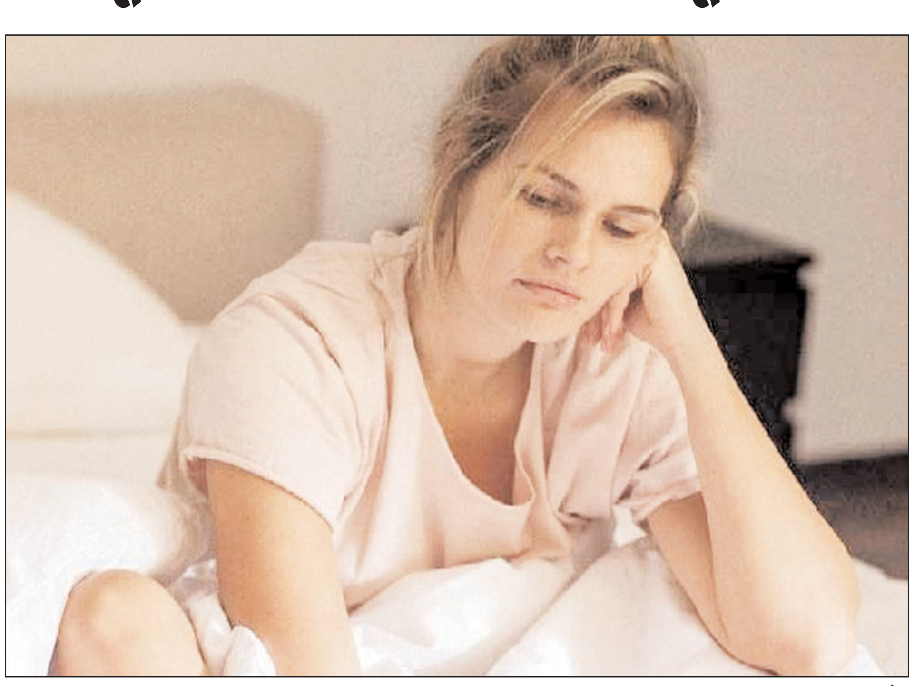

स्वस्थ शरीर तंदरुस्त और फुर्तीला होता है। लेकिन अगर आपकी स्किन बहुत पीली पड़ गई है और चेहरे की चमक भी जा रही है तो इसका कारण शरीर में खून की कमी भी हो सकता है। खून की कमी के कारण शरीर में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। पर्याप्त मात्रा में शरीर के अंगों तक सही से ऑक्सीजन न पहुंच पाने के कारण बहुत सी तरह की समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में हैल्थ एक्सपर्ट्स आयरन से भरपूर चीजों को खाने की सलाह देते हैं। आप शरीर में से खून की कमी पूरी करने के लिए इन 5 फलों का सेवन कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

केला

आप केले का सेवन शरीर में से आयरन की कमी पूरी करने के लिए कर सकते हैं। इसका सेवन करके आप शरीर में से हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ा सकते हैं। यह आयरन और फोलिक एसिड का बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। इससे आपके शरीर में खून की कमी भी नहीं होती।

संतरा

संतरा में विटामिन-सी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। खासकर सर्दियों के मौसम में आप इसका सेवन कर सकते हैं। शरीर में से यदि आपआयरन की कमी पूरी करना चाहते हैं तो रोज एक संतरे का सेवन जरुर करें।

अनार

अनार का सेवन करके आप शरीर में से खून की कमी पूरी कर सकते हैं। आयरन, विटामिन-ए, विटामिन-सी, विटामिन-ई काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। यह आपके शरीर में ब्लड काउंट बढ़ाने में मदद करता है। इसका सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर भी बढ़ता है। यदि आपके शरीर में खून की कमी है तो अनार के जूस का सेवन आप कर सकते हैं।

सेब

सेब का सेवन आप शरीर में से खून की कमी पूरी करने के लिए कर सकते हैं। इसका सेवन करके शरीर में से हीमोग्लोबिन की संख्या बढ़ती है। यदि आप रोजाना शरीर में खून की कमी बढ़ाना चाहते हैं नियमित 1 सेब को छिलके का साथ जरुर खाएं। इससे आपके शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ेगी।

आड़ू

आड़ू का सेवन करके भी आप शरीर में से खून की कमी को पूरा कर सकते हैं। इसमें विटामिन-सी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन करके आप शरीर को रेड ब्लड सेल्स कोशिकाओं के नुकसान से बचा सकते हैं। इसके अलावा वजन कम करने और आंखों की रोशनी बढ़ाने में भी आड़ू मदद करता है।**-एजेंसी**

शूटिंग शुरू होने के बावजूद विक्की कौशल को प्रोजेक्ट से किया गया आउट, विजय देवरकोंडा बने वजह

विक्की कौशल अब तक बड़े पर्दे पर एक से एक शानदार फिल्में देते आए हैं। उनकी परफॉरमेंस कुछ ऐसी होती है कि किसी की भी नजरें उनसे हट नहीं पाती। विक्की कौशल में कुछ तो खास है कि लोग उन्हें इतना पसंद करते हैं। ऐसे में उनके फैंस के लिए एक ऐसी खबर सामने आई है जिसे सुनकर उन्हें मायूसी होगी। दरअसल, खबर है कि विक्की कौशल एक बड़े प्रोजेक्ट में दिखाई देने वाले थे लेकिन अचानक ही उन्हें इस प्रोजेक्ट से बाहर कर दिया गया। आपको बता दें, इस प्रोजेक्ट को जिसने विक्की के हाथों से छीना है वो साउथ इंडस्ट्री का जाना-माना नाम है। साथ ही वो एक्टर इन दिनों बॉलीवुड में भी छाया हुआ है। ये कोई और नहीं बल्कि लाइगर फेम एक्टर विजय देवरकोंडा हैं। जी हां, अब रिपोर्ट्स की मानें तो विजय देवरकोंडा ने विक्की कौशल के हाथों से एक बड़ा प्रोजेक्ट छीनकर अपने नाम कर लिया है। दरअसल, विक्की कौशल को एक कोल्ड ड्रिंक ब्रांड के प्रमोशन के लिए साइन किया गया था, जिसे पहले शाहरुख खान भी प्रमोट करते थे। इस एंडोर्समेंट की शूटिंग शुरू हो चुकी थी और विक्की कौशल अपने हिस्से के कुछ शूट भी कर चुके थे लेकिन ब्रांड मालिकों ने बाद में उनका हिस्सा हटा दिया गया और ब्रांड के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट कैंसिल कर दिया। विक्की की जगह उसी ब्रांड के लिए अब विजय देवरकोंडा को साइन कर लिया गया है। अब विजय देवरकोंडा को उस कंपनी का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। हालांकि, रिपोर्ट्स का कहना है कि विक्की को भी पता नहीं था कि विजय ने उन्हें रिप्लेस कर दिया है। साथ ही रिपोर्ट्स का कहना है कि विजय ने इस एंडोर्समेंट के लिए भारी-भरकम रकम वसूली है। आपको बता दें, फिलहाल विजय मुंबई में थे और उन्होंने फिल्म सिटी में 2 से 3 दिनों तक इसी प्रोजेक्ट के लिए शूट भी किया था। अब जल्द ही ये ऐड टीवी और बाकी जगह टेलीकास्ट हो जाएगी।